THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

केसी वेणुगोपाल ने भाजपा और सीपीआई(एम) के बीच 'गुप्त समझौते' का लगाया आरोप

तिरुवनंतपुरम, 21 मार्च (एजेंसियां)। केरल की राजनीति में चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और आलप्पुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल ने भाजपा और सीपीआई(एम) पर 'गुप्त समझौते' का आरोप लगाते हुए सियासी माहौल गरमा दिया है। उन्होंने कहा कि अब राज खुल चुका है और पलक्कड़ इस विवाद का केंद्र बनकर उभरा है। केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सीपीआई (एम) द्वारा लेफ्ट समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में होटल व्यवसायी एनएमआर रजाक को मैदान में उतारना, भाजपा के साथ उनकी अंदरूनी समझ का साफ संकेत है।

वर्ष-30 अंक : 355 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.4 2083 रविवार, 22 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

ईरान के नतांज न्यूक्लियर प्लांट पर हमला

> दूसरी बार निशाना बनाया गया, रेडियोएक्टिव रिसाव की खबर नहीं

तेल अवीव/तेहरान, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 22वां दिन है। ईरान के तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आज सुबह अमेरिका और इजराइल ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हवाई हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले में अभी तक किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव नहीं हुआ है। इस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है। इजराइल और अमेरिका ने इससे पहले 2 मार्च को भी इस प्लांट पर हमला किया था। यह ईरान का सबसे बड़ा न्यूक्लियर सेंटर है, यहां यूरेनियम इनरिचमेंट किया जाता है।

इसकी एक खास बात यह है कि इसका बड़ा हिस्सा जमीन के नीचे बना हुआ है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि किसी हमले से इसे बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने ईरान के एक सीक्रेट अंडरग्राउंड ठिकाने पर बड़े बम गिराए। वहां मिसाइल और हथियार रखे गए थे, जो जहाजों के लिए खतरा थे। अमेरिका का दावा है कि इस हमले में उस ठिकाने के साथ-साथ रडार और निगरानी सिस्टम भी नष्ट कर दिए गए।

इससे ईरान की ताकत कम हुई है और वह आगे भी ऐसे हमले करता रहेगा।

ईरानी अधिकारी बोले-ट्रम्प को सबक सिखाएंगे

ईरान के एक अधिकारी ने कहा है कि उनका देश डोनाल्ड ट्रम्प के सबस सिखाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान को ट्रम्प की बातों पर भरोसा नहीं है। जमीन पर अभी भी वही हालात हैं और अमेरिका की कार्रवाई कम नहीं हुई है। ट्रम्प ने पहले कहा था कि वह जंग कम करने के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन बाद में बोले कि वह अभी सीज़फायर नहीं चाहते। रूस ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। ईरान ने इस हमले की जानकारी अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को भी दी है। ईरान ने कहा है कि अमेरिका और इज़राइल फारस की खाड़ी में चल रहे प्राइवेट और पैसेंजर जहाजों पर हमला कर रहे हैं। ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि ये हमले जानबूझकर किए जा रहे हैं। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा फिर हुआ, तो वह कड़ा जवाब देगा। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि ईरान ने खुद भी कुछ जहाजों पर हमला किया है।

अमेरिका बोला-तेल बेचकर भी ईरान को ज्यादा फायदा नहीं

अमेरिका ने कहा है कि ईरान को तेल बेचने की इजाजत देने के बाद भी उसे ज्यादा पैसा नहीं मिलेगा। अमेरिका ने कुछ समय के लिए करीब 14 करोड़ बैरल तेल बेचने की छूट दी है, लेकिन यह सिर्फ उस तेल पर लागू है जो पहले से जहाजों में भरा हुआ है।

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान से की बात

> इंफ्रा प्रोजेक्ट्स पर अटैक की निंदा की

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बात की है। इस दौरान पीएम मोदी ने उन्हें ईद-उल-फितर और ईरानी नए साल नवरोज की शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बातचीत में न केवल त्योहारों की खुशियां साझा की गईं, बल्कि मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालातों और सुरक्षा से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

फाइल फोटो)

पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि यह त्योहारी सीजन पूरे पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा। पिछले कुछ समय से इस क्षेत्र में चल रहे तनाव के बीच उनका यह संदेश काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि क्षेत्र की शांति ही वैश्विक विकास का असली रास्ता है। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हो रहे हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की। उनका मानना है कि इस तरह के हमले न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी बुरी तरह प्रभावित करते हैं। इससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। एक और अहम मुद्दे पर बात करते हुए पीएम मोदी ने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्ग हमेशा खुले और पूरी तरह सुरक्षित रहें, ताकि व्यापार में कोई रुकावट न आए। आखिर में, प्रधानमंत्री ने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए वहां की सरकार द्वारा दिए जा रहे लगातार समर्थन की सराहना की।

मौत को मात : आंध्र प्रदेश में धूं-धूं कर जली बस

> बाल-बाल बचे विधायक और 36 यात्री

विजयनगरम, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है। शनिवार तड़के भुवनेश्वर से नबरंगपुर जा रही एक निजी बस में भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त बस में चित्रकोंडा के कांग्रेस विधायक मंगू खिल्ला समेत कुल 37 यात्री सवार थे। गनीमत यह रही कि समय रहते सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के मुताबिक, हादसा आंध्र प्रदेश के रामभद्रपुरम के पास हुआ। देर रात सभी यात्री नींद में थे तभी अचानक बस का पिछला टायर फट गया। देखते ही देखते चिंगारियों ने लपटों का रूप ले लिया। जैसे ही ड्राइवर को खतरे का अहसास हुआ, उसने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए बस रोकी और शोर मचाकर यात्रियों को जगाया।

विधायक ने सुनाई आपबीती :

विधायक मंगू खिल्ला ने बताया कि हम सब सो रहे थे। तभी अचानक धमाका हुआ और धुआं फैलने लगा। अगर ड्राइवर ने तत्परता नहीं दिखाई होती और खिड़कियां खोलकर सबको बाहर नहीं निकाला होता, तो आज कोई जीवित नहीं बचता। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। आग इतनी भीषण थी कि जब तक दमकल विभाग की गाड़ियां और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचती, पूरी बस लोहे के ढांचे में तब्दील हो चुकी थी। हालांकि, फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, यात्रियों का सारा सामान और कीमती सामान जलकर राख हो गया है। बताते चलें कि कांग्रेस विधायक मंगू खिल्ला भुवनेश्वर के रसूलगढ़ से बस में सवार हुए थे।

'भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता'

> पश्चिम एशिया संकट के बीच यूएई के राजदूत बोले-देश पूरी तरह सुरक्षित

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हमलों के बीच भी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारत के साथ अपने मजबूत रिश्ते का संदेश दिया है। भारत में यूएई के राजदूत अब्दुल नासिर अलशाली ने ईद के मौके पर एक खुला पत्र लिखकर भारत और यूएई के मजबूत रिश्तों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा तनाव और हमलों के बावजूद यूएई पूरी तरह सुरक्षित, स्थिर और सामान्य रूप से काम कर रहा है। उन्होंने भारतीय समुदाय को भरोसा दिलाया कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और सुरक्षा, सेवाएं व व्यापार बिना रुकावट जारी हैं।

अब्दुल नासिर अलशाली के इस संदेश के जरिए यूएई ने न सिर्फ अपनी तैयारियों का संकेत दिया, बल्कि भारत-यूएई साझेदारी की मजबूती और भरोसे को भी फिर से रेखांकित किया। पत्र में राजदूत ने बताया कि ईरान ने यूएई पर 2000 से ज्यादा मिसाइल और ड्रोन से हमले किए, लेकिन ज्यादातर को देश की रक्षा प्रणाली ने रोक लिया। इसके बावजूद देश में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, संचार और खाने-पीने जैसी सभी जरूरी सेवाएं बिना किसी रुकावट के चल रही हैं। होटल, मॉल, पर्यटन स्थल और बैंकिंग व्यवस्था भी सामान्य रूप से काम कर रही है। नासिर अलशाली ने कहा कि यूएई में रहने वाले 40 लाख से ज्यादा भारतीय पूरी सुरक्षा और विश्वास के साथ अपना जीवन जी रहे हैं। उनके अनुसार, यूएई ने ऐसी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाई है, जो ऐसे मुश्किल समय में भी देश को स्थिर बनाए रखती है। राजदूत ने भारतीय कारोबारियों को भरोसा दिलाया कि यूएई में व्यापार पूरी तरह चालू है। सप्लाई चेन, बंदरगाह और एयरपोर्ट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई के बीच संबंध बहुत पुराने और मजबूत हैं, जो हर मुश्किल दौर में और मजबूत होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यूएई में रहने वाले भारतीय सिर्फ प्रवासी नहीं, बल्कि इस देश का अहम हिस्सा हैं। वे यहां काम करते हैं, परिवार बसाते हैं और देश के विकास में योगदान देते हैं।

'अब मैं सिर्फ फिक्शन लिख रहा हूं'

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। पुणे में एक्सप्रेस बुक सर्विस में अपने थ्रिलर नॉवेल 'द कैंटोनमेंट कॉन्स्पिरेसी' का जनरल मनोज नरवणे ने प्रमोशन किया। इस दौरान उन्होंने प्रेस से बात करते हुए अपनी अभी तक रिलीज न हुई आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के बारे में पूछे जाने पर कहा, अब मैं सिर्फ फिक्शन (काल्पनिक कहानियां) लिखने पर ही ध्यान दे रहा हूं।

बता दें कि इस आत्मकथा के कुछ अंश कारवां मैगजीन में छपे थे। फरवरी में राहुल गांधी ने लोकसभा में इसका जिक्र करने की कोशिश की थी। इसी को लेकर लोकसभा में जोरदार हंगामा भी हुआ था। नरवणे ने 2019 से 2022 के बीच सेना प्रमुख के तौर पर काम किया था। रक्षा मंत्रालय ने उनकी आत्मकथा को प्रकाशित करने की मंजूरी नहीं दी है।

पूर्व आर्मी चीफ की फिक्शन किताब 'द कैंटोनमेंट कॉन्स्पिरेसी' पिछले साल रिलीज हुई थी। उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पहली बार लिखने वाले लेखक के तौर पर, जिसे लिखने का कोई अनुभव नहीं था, मेरी यह किताब काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। एक सैनिक से कहानीकार बनने का यह सफर मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा है। इसलिए मुझे इसे लिखने में बहुत मजा आया और मुझे पूरा यकीन है कि जो भी इसे पढ़ेगा, उसे भी इसे पढ़ने में उतना ही मजा आएगा। नरवणे ने बताया कि इस फिक्शन नॉवेल का अगला भाग (सीक्वल) भी जल्द ही रिलीज होगा।

पश्चिम एशिया में भारत ही मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है

पोलैंड के राजदूत ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में चल रहे भीषण युद्ध के बीच भारत में पोलैंड के राजदूत पियोत्र एंटोनी स्वितालस्की ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हम भारत को न केवल इस विशेष संघर्ष की स्थिति में, बल्कि मध्यस्थता की भूमिका निभाने के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में देखते हैं।

समस्या यह है कि यह संघर्ष आज हमारे सामने मौजूद कई चुनौतियों में से एक मात्र है। उन्होंने कहा कि भारत की कोशिश से पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद है। दुनिया में भारत को एक महत्वपूर्ण सेतु निर्माता के रूप में देखा जा रहा है। सीएनएन न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक एंटोनी स्वितालस्की ने आगे कहा कि भारत के मामले में इसका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक है, क्योंकि खाड़ी देशों में लाखों भारतीय रहते हैं। फारस की खाड़ी में भारतीय नाविकों सहित कई भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, भारत को गैस और तेल की आपूर्ति में भी दिक्कतें आ रही हैं। ये बेहद उथल-पुथल भरा समय है। आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापारिक आदान-प्रदान और अन्य चीजों को प्रभावित करने वाले कई अन्य संघर्ष और घटनाक्रम भी हैं।

ईरान युद्ध ने पोलैंड को कैसे प्रभावित किया है?

एंटोनी स्वितालस्की ने कहा कि हजारों पोलिश पर्यटक खाड़ी देशों से अपने घर नहीं लौट पाए हैं। तेल की बढ़ती कीमतों का मुद्दा भी है। हालांकि, हम खाड़ी देशों से तेल आपूर्ति पर सीधे तौर पर निर्भर नहीं हैं, लेकिन वैश्विक स्तर पर कीमतों में वृद्धि हम पर असर डालती है, जिसमें पोलैंड में हमारे द्वारा चुकाया जाने वाला शुल्क भी शामिल है।

पोलैंड सैन्य दृष्टि से इस युद्ध में भाग नहीं ले रहा

एंटोनी स्वितालस्की ने कहा कि हम सैन्य दृष्टि से इस संघर्ष में भाग नहीं लेते हैं और न ही लेंगे। हालांकि, हम अपने सहयोगियों और साझेदारों का समर्थन करते हैं और हम इस बात पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं कि हम किस प्रकार योगदान दे सकते हैं। हम तनाव कम करने और मध्यस्थता की प्रबल आशा करते हैं।

कमजोर होते रुपये और फ्यूल की कीमत पर राहुल ने जताई चिंता

हर जेब पर महंगाई का असर पड़ना तय

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारत का रुपया रिकॉर्ड स्तर पर नीचे जा चुका है। कमजोर होते जा रहे रुपये में लगातार हो रही गिरावट को लेकर राहुल गांधी ने चिंता जताई है। पश्चिम एशिया में वैश्विक ताकतों के टकराव से उपजे तनाव के कारण महंगाई को लेकर आगाह करते हुए राहुल गांधी ने एक्स पर विस्तार से पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, सरकार भले ही हालात सामान्य होने का दावा करे, लेकिन सच्चाई कुछ और है। उन्होंने उद्योग जगत में इस्तेमाल किए जाने वाले ईंधन के महंगे होने का जिक्र करते हुए लिखा कि ये महज आंकड़े नहीं आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी उछाल की आशंका व्यक्त की है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में आने वाले दिनों में दाम बढ़ाए जाने का जिक्र कर लिखा, उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे। राहुल गांधी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) पर सर्वाधिक असर पड़ने की बात भी कही। उन्होंने लिखा, 'एमएसएमई को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे।' आने वाले दिनों में शेयर बाजार पर असर पड़ने का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का भी उल्लेख किया। राहुल ने कहा कि एफआईआई का पैसा तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए राहुल ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। और यह सिर्फ वक्त की बात है- चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी। उन्होंने आगे लिखा, मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति- सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है- सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है। गौरतलब है कि विगत 28 फरवरी से शुरू हुआ ईरान और अमेरिका-इस्त्राइल टकराव बीते 22 दिनों से जारी है। युद्ध की आंच खाड़ी देशों के अलावा अब भारत तक भी पहुंचने लगी है। भारत आने वाले तेल और गैस के जहाजों को होर्मुज क्षेत्र से गुजरने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

3 अप्रैल को नौसेना में शामिल होगा 'तारागिरी' युद्धपोत

75 प्रतिशत स्वदेशी उपकरणों से तैयार

विशाखापट्टनम, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना अपनी स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' को 3 अप्रैल को विशाखापट्टनम में शामिल करने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। यह कदम देश की नौसेना शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

'तारागिरी' प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी का चौथा और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई द्वारा निर्मित तीसरा युद्धपोत है। इसे पिछले साल 28 नवंबर को नौसेना को सौंपा गया था। यह 6,670 टन वजनी फ्रिगेट 'मेक इन इंडिया' भावना और स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, यह समारोह भारत की समुद्री संप्रभुता के लिए एक निर्णायक क्षण होगा। यह युद्धपोत नौसेना डिजाइन, स्टील्थ, मारक क्षमता और स्वचालन में एक बड़ी छलांग दर्शाता है। इसमें संयुक्त डीजल या गैस (सीओडीओजी) प्रोपल्शन संयंत्र है, जो इसे उच्च गति और लंबी सहनशक्ति प्रदान करता है। 'तारागिरी' बहु-आयामी समुद्री अभियानों के लिए डिज़ाइन की गई है। इसमें 75 प्रतिशत स्वदेशी उपकरणों का इस्तेमाल हुआ है, जो 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देता है और हजारों भारतीय रोजगार पैदा करता है।

अत्याधुनिक क्षमताएं :

'तारागिरी' का हथियार सूट विश्व स्तरीय है। इसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध सूट शामिल है।

ये प्रणालियां अत्याधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से एकीकृत हैं। यह फ्रिगेट पिछले डिजाइनों की तुलना में बेहतर है, जिसमें कम रडार क्रॉस-सेक्शन इसे घातक स्टील्थ के साथ संचालित करने की अनुमति देता है। अपनी युद्धक भूमिका के अलावा, 'तारागिरी' आधुनिक कूटनीति और मानवीय संकटों के लिए भी तैयार की गई है।

पुलिसकर्मियों का आरोपियों के फोटो-वीडियो अपलोड करना चिंताजनक : सुप्रीम कोर्ट

यह निष्पक्ष सुनवाई के लिए खतरा, इससे आरोपी की इमेज खराब होती है

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है। कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय माना है। याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी राज्यों को पुलिस मीडिया ब्रीफिंग के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा जा चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- यह स्थिति डिजिटल अरेस्ट जैसी बनती जा रही है। छोटे शहरों में लोग खुद को मीडियाकर्मी बताकर गाड़ियों पर स्टीकर लगाते हैं और इसका गलत इस्तेमाल करते हैं। सुनवाई में यह भी सामने आया कि कुछ लोग 'सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट' के स्टिकर लगाकर टोल टैक्स से बचने की कोशिश करते हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जांच एजेंसी का काम निष्पक्ष रहना है वह न पीड़ित के पक्ष में होती है, न आरोपी के। सुनवाई के दौरान सहारा बनाव सेबी केस का जिक्र हुआ, जिसमें मीडिया ट्रायल के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही चिंता जता चुका है।

राष्ट्रहित की रक्षा के लिए सशक्त सेना और तैयार नागरिकों का होना जरूरी : रक्षा मंत्री

देहरादून, 21 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का युद्ध सीमाओं से परे चला गया है, जिसमें देश की सुरक्षा में आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और यहां तक कि खाने की सुरक्षा भी शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश की रक्षा के लिए एक मजबूत सेना के साथ-साथ तैयार नागरिकों की भी जरूरत है, जो हर परिस्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रह सकें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को उत्तराखंड के घोड़ाखाल स्थित सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस और हीरक जयंती समारोह को वर्चुअली संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आज संघर्षों का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। किसी भी राष्ट्र को आर्थिक, साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध के माध्यम से कमजोर किया जा सकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को हर समय सतर्क और तैयार रहने की जरूरत है। राजनाथ सिंह ने कहा, तैयार रहने से मेरा मतलब यह नहीं कि आप केवल किसी युद्ध के लिए ही तैयार रहें, बल्कि तैयार रहने का मेरा मतलब यह है कि आप सामने आने वाली हर परिस्थिति के लिए तैयार रहें। यह तैयारी मानसिक दृढ़ता की है, ताकि आप कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखें। यह तैयारी बौद्धिक स्पष्टता की है, ताकि आप सही और गलत में फर्क कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार रक्षा बलों को आधुनिक हथियारों और तकनीकों से लैस करने में जुटी है। साथ ही उन्होंने युवाओं से अनुशासन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से मानसिक मजबूती और बौद्धिक स्पष्टता विकसित करने का आह्वान किया, ताकि वे हर चुनौती का सामना कर सकें। वीयूसीए (अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और अस्पष्ट) के कॉन्सेप्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए वीयूसीए का अपना संस्करण विकसित करें, जिसमें दूरदर्शिता, समझ, साहस और अनुकूलन क्षमता शामिल है। देश बनाने के लिए जरूरी मूल्यों को अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में बताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल ही में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल में देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल बनाने का फैसला लिया गया है।

चुनाव के विज्ञापनों के लिए पार्टियों को सर्टिफिकेट लेना होगा

चुनाव आयोग का निर्देश-बिना इजाजत इलेक्ट्रोनिक या सोशल मीडिया पर एड जारी नहीं होंगे

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। अब सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर किसी भी पॉलिटिकल एड से पहले मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) से परमिशन लेना जरूरी होगा। यह निर्देश पांच राज्यों असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों और छह राज्यों के उपचुनावों के लिए लागू होगा।

आयोग के मुताबिक बिना प्रमाणन के कोई भी राजनीतिक विज्ञापन टीवी, रेडियो, सार्वजनिक स्थानों पर ऑडियो-वीडियो डिस्प्ले, ई-पेपर, बल्क एसएमएस/वॉयस मैसेज, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी नहीं किया जा सकेगा।

पेड न्यूज और सोशल मीडिया पर निगरानी

चुनाव आयोग ने एमसीएमसी को पेड न्यूज के मामलों पर कड़ी निगरानी रखने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उम्मीदवारों को अपने नामांकन पत्र में अपने सभी आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी देना भी अनिवार्य होगा। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत, राजनीतिक दलों को चुनाव खत्म होने के 75 दिनों के भीतर पूरा खर्च विवरण देना होगा। इसमें इंटरनेट और सोशल मीडिया पर विज्ञापन, कंटेंट तैयार करने और अकाउंट संचालन से जुड़े सभी खर्च शामिल होंगे। फेक न्यूज, भ्रामक जानकारी और दुष्प्रचार पर नियंत्रण के लिए 19 मार्च को आयोग ने सभी चुनावी राज्यों के अधिकारियों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की।

ईद के मंच से सियासत

'मतदान का अधिकार नहीं छीनने देंगे'

बंगाल चुनाव से पहले सीएम ममता ने भाजपा पर लगाए कई आरोप

कोलकाता, 21 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनाव से पहले माहौल गर्म हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईद के मौके पर बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि लोगों के वोट देने के अधिकार को छीना नहीं जाने दिया जाएगा और इसके खिलाफ आखिरी दम तक लड़ाई लड़ी जाएगी।

कोलकाता के रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद हजारों लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में बदलाव के जरिए लोगों के अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकतंत्र और हर नागरिक के अधिकार की रक्षा के लिए खड़ी है।

वोटर लिस्ट पर क्या है विवाद?

तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि

> भाजपा लोगों के वोट देने के अधिकार को छीनने की कोशिश कर रही है। इसे किसी भी हाल में सफल नहीं होने दिया जाएगा। पुरे राज्य में सौहार्द बनाए रखा जाएगा।
>
> - ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

चुनाव से पहले चल रही वोटर लिस्ट की विशेष जांच में बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं। पार्टी का कहना है कि खासकर अल्पसंख्यक इलाकों में यह प्रक्रिया ज्यादा प्रभाव डाल रही है। ममता बनर्जी ने चेतावनी दी कि वोटर लिस्ट के नाम पर किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ममता का सख्त संदेश

ममता बनर्जी ने साफ कहा कि जो लोग बंगाल को बांटने और समाज में दरार डालने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें यहां सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हर हाल में जनता के अधिकार की रक्षा करेगी और भाजपा की किसी भी कोशिश का मजबूती से मुकाबला करेगी।

एकता का संदेश और सियासी संकेत

मुख्यमंत्री ने बंगाल की सांप्रदायिक सौहार्द की परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी मिलकर रहते हैं। उन्होंने साफ कहा कि राज्य में किसी भी तरह की नफरत या विभाजन की राजनीति को जगह नहीं मिलेगी। उनका यह बयान चुनावी माहौल में एक बड़ा सियासी संकेत माना जा रहा है।

'हिंदू-मुस्लिम नहीं, पूरा देश खतरे में', ईद पर अभिषेक बनर्जी का बयान

कोलकाता के रेड रोड पर ईद-उल-फितर की नमाज के बाद तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम को लड़ाने की कोशिशें सफल नहीं होंगी और बंगाल का भाईचारा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि कोई हिंदू तो कोई मुस्लिम खतरे में होने की बात करता है, लेकिन सच में पूरा देश खतरे में है। उन्होंने लोगों से धर्म के चश्मे हटाकर सोचने और एकता बनाए रखने की अपील की।

खबरें जरा हटके

बुरहानपुर में धूमधाम से मनाया भैंसे का बर्थडे!

केक काटा-डीजे पर डांस, चौंका देगा डाइट का खर्च

अभी तक आपने इंसानों को अपना जन्मदिन मनाते हुए देखा होगा. लोगों को अपने पालतू जानवर जैसे- कुत्ते-बिल्लियों का भी जन्मदिन मनाते हुए देखा होगा लेकिन क्या आपने कभी किसी को अपने पालतू भैंसे का जन्मदिन मनाते हुए देखा है. हम बात कर रहे हैं मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के भैंसे (पाड़ा या हेला) रन की. परिवार ने इसे रन नाम दिया है. वे इसे अपने बच्चों की तरह पालते हैं. वे हर साल धूमधाम से रन का जन्मदिन मनाते हैं. यह उसका 9वां बर्थडे था. प्रतापपुरा क्षेत्र के रहने वाले परीवाले परिवार की ओर से रन का केक काटकर 9वां जन्मदिन मनाया गया और इस मौके पर पूरे मोहल्ले में मिठाई बांटी गई. रन को पूरे क्षेत्र में घुमाया गया. इस बर्थडे पार्टी में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जो डीजे पर नाचते हुए नजर आए.

रन के मालिक क्रिश परीवाले ने कहा कि वह रन को बचपन से भाई की तरह पाल रहे हैं. इसका जन्म 9 साल पहले हमारे घर पर ही हुआ था. उसके जन्म के अवसर पर भी हमने ढोल-ताशे बजाए थे. हमने उसका नाम रन रखा. परिवार को बड़ी खुशी हुई थी और तब से हम हर साल रन का जन्मदिन मनाते आ रहे हैं. इस बार भी रन का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया. परिवार के लोगों ने उसकी आरती उतारी. उसे फूलमाला पहनाकर पूरे क्षेत्र में मिठाई बांटी गई. इसके बाद क्षेत्र में डीजे बजाते हुए रन को घुमाया गया. यह नजारा देख युवा अपने आपको रोक नहीं पाए और उन्होंने डीजे पर नाचना शुरू कर दिया.

हर महीने रन की डाइट का खर्च 30 हजार रुपये

क्रिश परीवाले ने आगे बताया कि हमने रन की डेली डाइट भी बना रखी है. उसे सुबह-शाम 10 लीटर दूध पिलाया जाता है. हम उसे 100 ग्राम देसी घी देते हैं और 500 ग्राम ड्राईफ्रूट्स खली में मिलाकर खिलाते हैं. यदि इसकी एक महीने की डाइट के खर्च की बात करें, तो करीब 30 हजार रुपये इसपर खर्च किए जाते हैं. हम अपने खर्चों को कम कर लेते हैं लेकिन इसकी डाइट में कोई कमी नहीं करते हैं. वहीं रन को हम रोज एक्सरसाइज भी कराते हैं, जिससे वह स्वस्थ रहे. वह अब तक चार दंगल जीत चुका है.

खूबसूरत वादियों में छिपा है 'यमदूत' कुत्ता

कुचलकर मार देता है इंसानों को, जाने के नाम से भी कांपते हैं लोग! दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में सुनकर एक अजीब सा रोमांच और डर दोनों एक साथ महसूस होता है. कहीं लोग एलियंस के होने का दावा करते हैं, तो कहीं ऐसी पहाड़ियां हैं जहां गाड़ियां बिना इंजन के खुद-ब-खुद ऊपर चढ़ने लगती हैं. लेकिन आज हम आपको इंग्लैंड के एक ऐसे रहस्यमयी ठिकाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जो पहली नजर में जितना खूबसूरत लगता है, उसकी कहानी उतनी ही डरावनी है. उस रहस्यमयी जगह का नाम ट्रोलर्स गिल है, जो इंग्लैंड के यॉर्कशायर के वार्फेडेल इलाके में है. देखने में यह जगह किसी फिल्मी लोकेशन से कम नहीं लगता. ऊंची-ऊंची चट्टानें, हरियाली और बीच से बहता झरना- सब कुछ इतना सुकून देने वाला है कि यहां आने वाला हर शख्स खुद को प्रकृति के बेहद करीब महसूस करता है.

लेकिन जैसे-जैसे आप इस घाटी के अंदर बढ़ते हैं, माहौल में एक अजीब सा सन्नाटा और अनजाना डर महसूस होने लगता है. स्थानीय लोगों की मानें तो यह खामोश घाटी देखने में जितनी खूबसूरत है, उतनी ही ज्यादा डरावनी यहां से जुड़ी एक खौफनाक कहानी भी है. यह कहानी है एक ऐसे रहस्यमयी कुत्ते की, जिसे वे 'बरगेस्ट' कहते हैं. कहा जाता है कि यह कोई आम जानवर नहीं, बल्कि एक डरावना दैत्याकार कुत्ता है. इसकी आंखें अंगारों की तरह जलती हैं और जो भी इसे देख ले, समझो उसकी मौत निश्चित है. कई लोग इस कुत्ते की तुलना यमदूत से करते हैं. दिलचस्प बात यह है कि सड़क के बिल्कुल पास होने के बावजूद यह जगह आसानी से नजर भी नहीं आती. अगर आपको रास्ता नहीं पता है, तो आप यहां नहीं पहुंच सकते हैं.

बचपन से अंधी होना चाहती थी लड़की, जवान होते ही आंखों में डाला ब्लीच, खुद बताया वो खौफनाक मंजर

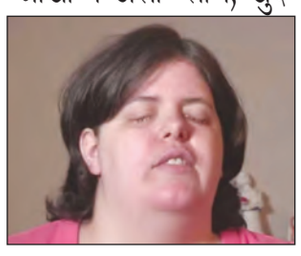

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य की रहने वाली ज्वेल शूपिंग की कहानी सुनकर कोई भी हैरान रह जाएगा. जहां बच्चे बचपन में डॉक्टर-पायलट बनने का सपना देखते हैं, उसे बचपन से ही एक अजीबोगरीब इच्छा थी. वो अंधी बनना चाहती थी. ये कोई सामान्य ख्वाहिश नहीं थी, बल्कि एक दुर्लभ मनोवैज्ञानिक स्थिति का नतीजा थी, जिसे बॉडी इंटीग्रिटी आइडेंटिटी डिसऑर्डर कहा जाता है. अपने इस सपने को उसने जवानी में साकार कर लिया.इस विकार में स्वस्थ लोग खुद को विकलांग समझते हैं और मानते हैं कि उनका शरीर तभी सही लगेगा जब कोई अंग या इंद्री काम ना करे. ज्वेल के मामले में ये इंद्री थी उसकी आंखें. ज्वेल का जन्म पूरी तरह स्वस्थ हुआ था, लेकिन मात्र तीन साल की उम्र से ही वो खुद को अंधा महसूस करती थी. वो कहती है कि उसे लगता था कि वो जन्म से ही अंधी होनी चाहिए थी. बचपन में वो घंटों सूरज की तरफ देखती रहती, सोलर स्टॉर्म्स और सनस्पॉट्स को घूरती ताकि आंखें खराब हो जाए. स्कूल में वो काला मोटा चश्मा पहनती, व्हाइट केन के साथ चलती और बीस साल की उम्र में उसने ब्रेल सीख लिया था. लेकिन ये सब नाटक नहीं था. उसके लिए ये उसकी असली पहचान थी.

21 साल की उम्र में ज्वेल ने फैसला किया कि अब इंतजार नहीं होगा. उसने एक साइकोलॉजिस्ट से संपर्क किया, जो मिडवेस्ट इलाके में था. साइकोलॉजिस्ट ने पहले दो हफ्ते तक उसका ऑब्जर्वेशन किया, देखा कि वो कैसे अंधे लोगों की तरह जी रही है. इसके बाद उसने मदद करने की सहमति दे दी. 2006 या 2007 में (विभिन्न रिपोर्ट्स में साल थोड़ा अलग है) ज्वेल ने हजारों मील की यात्रा की और साइकोलॉजिस्ट के पास पहुंची. पहले आंखों में नंबिंग ड्रॉप्स डाले गए,

चुनाव से पहले साथ आए शशिकला और रामदास

सभी सीटों पर साथ लड़ने की तैयारी; क्या कहता है समीकरण?

चेन्नई, 21 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले हलचल तेज हो गई है। एक नई राजनीतिक साझेदारी की चर्चा जोर पकड़ रही है, जिसने राज्य की सियासत को और दिलचस्प बना दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने हाल ही में अपनी नई पार्टी ऑल इंडिया पुराची थलाइवर मक्कल मुनेत्र कषगम बनाई है। शशिकला ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अन्य समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। इसी क्रम में शशिकला ने एस रामदास से मुलाकात की, जो पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) के संस्थापक हैं। इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने संकेत दिया कि वे मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। रामदास ने कहा कि यह गठबंधन तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा असर डाल रहा है और इससे कई लोगों में हलचल मच गई है। उन्होंने बताया कि यह नया मोर्चा राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही कुछ और दल भी इस गठबंधन में शामिल हो सकते हैं।

पिता और बेटे के साथ राजनीतिक मतभेद

इस बीच, रामदास के बेटे अनबुमणि रामदास ने अलग राजनीतिक रास्ता अपनाते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होकर अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम के साथ समझौता किया है। इस वजह से पिता और बेटे के बीच राजनीतिक मतभेद की भी चर्चा हो रही है।

तमिलनाडु का सियासी समीकरण हालांकि तमिलनाडु में मुख्य मुकाबला फिलहाल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के नेतृत्व वाले गठबंधन और एनडीए के बीच माना जा रहा है एनडीए में एआईएडीएमके के साथ भारतीय जनता पार्टी और पीएमके जैसे दल शामिल हैं। वहीं, अभिनेता विजय भी अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम के जरिए इस चुनाव में पहली बार उतरने जा रहे हैं।

सुक्खू सरकार ने खोला अपना खजाना

पशुपालकों और किसानों की बल्ले बल्ले

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लिए आज बड़ा दिन है. सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने कार्यकाल का चौथा बजट पेश किया.

इस दौरान सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर काफी फोकस रखा है. सरकार का खजाना खुलते ही पशुपालकों और किसानों की बल्ले-बल्ले हो गई. इससे पहले, शुक्रवार को विधानसभा में प्रदेश का आर्थिक सर्वे पेश किया गया था, जिसमें सामने आया था कि हिमाचल प्रदेश में लोगों की प्रति व्यक्ति आय में 10 फीसदी का इजाफा हुआ है और हिमाचल के बजट का दायरा 6 हजार करोड़ बढ़ा है. दरअसल, प्रदेश में किसानों और पशुपालकों की आय मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदम के तहत गाय के दूध का समर्थन मूल्य 51 रुपए प्रति लीटर से 61 रुपये प्रति लीटर और भैंस के दूध का 71 रुपए प्रति लीटर निर्धारित किया गया है.

'दिव्यांगों के लिए कैब में वीलचेयर की सुविधा जरूरी'

सुप्रीम कोर्ट ने दिए सुझाव, केंद्र से पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिव्यांगजनों की मदद के लिए बेहतर इंतजाम करने की जरूरत पर जोर दिया। कोर्ट ने कहा कि कैब सेवाओं को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए कि उनमें वीलचेयर और अन्य सहायक डिवाइस रखने की सुविधा हो। जस्टिस विक्रम नाथ की अगुवाई वाली बेंच दिव्यांगजनों के लिए फर्स्ट माइल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा कि आज बड़े शहरों में हर जगह कैब उपलब्ध हैं, इसलिए कैब कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे दिव्यांगजनों की वीलचेयर और अन्य सहायक डिवाइस को समायोजित कर सकें। कोर्ट ने दिव्यांगजनों के लिए विशेष कैब की व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया। अदालत ने कहा कि कैब ऐप में ऐसे विकल्प हो सकते हैं, जहां से दिव्यांगजनों के लिए खास तौर पर डिजाइन की गई कैब बुक की जा सके। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि दिव्यांगजनों को कैब में चढ़ने में काफी दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कैब सीएनजी किट वाली होती हैं, जिससे गाड़ी में जगह कम हो जाती है और वीलचेयर रखने की सुविधा नहीं मिलती। उन्होंने यूरोपीय देशों की तरह यूनिवर्सल डिजाइन लागू करने का सुझाव भी दिया। इस पर बेंच ने केंद्र सरकार के वकील से सवाल किया कि अगर किसी व्यक्ति का घर मुख्य सड़क से एक किलोमीटर दूर है और वह ऑटोमेटिक वीलचेयर पर आता है, लेकिन उसे कैब में नहीं रख सकता, तो वह क्या करेगा।

डॉक्टर की हत्या करने वाले हैवान को मरते दम तक जेल

30 साल की सजा के बाद शुरू होगी उम्रकैद

तिरुवनंतपुरम, 21 मार्च (एजेंसियां)। डॉक्टर वंदना दास की नृशंस हत्या के मामले में केरल कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोल्लम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोषी जी. संदीप को उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले की खास बात यह है कि संदीप को पहले अन्य अपराधों के लिए 30 साल की सजा काटनी होगी। इसके बाद ही उम्रकैद की सजा शुरू होगी।

क्या है पूरा मामला?

यह घटना वर्ष 2023 की है। वंदना दास की हत्या ने केरल ही नहीं बल्कि पूरे भारत के डॉक्टरों को झकझोर कर रख दिया था। पेशे से शिक्षक जी. संदीप को पुलिस इलाज के लिए कोट्टारक्कारा के तालुक अस्पताल ले गई थी। संदीप ने खुद ही 112 नंबर पर कॉल कर अपनी जान को खतरा बताया था। जब पुलिस उसे घायल अवस्था में अस्पताल लाई, तो वहां अचानक वह हिंसक हो गया।

संदीप ने ड्रेसिंग रूम के मेज पर रखे सर्जिकल कैंची को हथियार बनाया और अंधाधुंध हमला शुरू कर दिया। उसने सबसे पहले साथ आए पुलिसकर्मियों पर हमला किया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात युवा डॉक्टर वंदना दास भाग नहीं सकीं। संदीप ने उन पर कैंची से कई वार किए। बुरी तरह घायल वंदना को तिरुवनंतपुरम के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वो मौत को मात नहीं दे पाई। विशेष लोक अभियोजक प्रताप जी. पडिक्कल ने कहा कि कोर्ट ने संदीप को हत्या, साक्ष्य मिटाने और गलत तरीके से रोकने जैसी आईपीसी की कई धाराओं के तहत दोषी पाया है।

महाराष्ट्र ज्योतिषी रेप केस में महिला आयोग अध्यक्ष का इस्तीफा

विपक्ष का आरोपी से तांत्रिक क्रिया कराने का आरोप, दावा-अनुष्ठान में तीसरी उंगली काटी

मुंबई, 21 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में रेप के आरोपी ज्योतिषी अशोक खरात मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने शुक्रवार देर रात इस्तीफा दे दिया। विपक्ष ने चाकणकर पर आरोपी खरात से संबंध के आरोप लगाए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का इस्तीफा मांगा था।

शिवसेना (यूबीटी) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने दावा किया है कि खरात के प्रभाव में आकर चाकणकर ने तांत्रिक अनुष्ठान के लिए अपनी अनामिका या तीसरी उंगली काट ली थी। अंधारे ने ऐसी तस्वीरें भी दिखाईं जिनमें चाकणकर की तीसरी उंगली पर पट्टी बंधी हुई दिख रही है। दरअसल, महाराष्ट्र के नासिक में एक 35 साल की महिला से बार-बार रेप और ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने बुधवार को खरात (67) को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक, ज्योतिषी कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न कर चुका है।

चाकणकर ने एसआईटी बनाने की मांग की थी

इससे पहले, चाकणकर ने पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते को एक पत्र लिखकर मांग की थी कि खरात के खिलाफ स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया जाए। एसआईटी को रेप और यौन शोषण के आरोपों की जांच के आदेश देने की मांग की गई थी। लेकिन विपक्ष ने आरोप लगाया कि चाकणकर के खरात के साथ अच्छे रिश्ते हैं। इसलिए चाकणकर को तत्काल पद से हटाया जाए। सुषमा अंधारे ने आरोप लगाया कि खरात आध्यात्मिक अनुष्ठानों की आड़ में महिलाओं का यौन शोषण करने के साथ-साथ वित्तीय धोखाधड़ी और जमीन हड़पने के मामलों में भी शामिल था।

खरात के राजनीतिक संबंध दिल्ली से महाराष्ट्र तक फैले

खरात नासिक जिले के सिन्नर तालुका के मिरगांव स्थित श्री ईशनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट का चेयरमैन है। वहां उसका एक आलीशान फार्महाउस है, जहां कई प्रभावशाली लोग आते-जाते थे। आरोपी नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके में 'ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स' नाम से ऑफिस चलाता था। आरोप है कि वहां असल में आपराधिक गतिविधियां होती थीं। उसने खुद को समाज में एक शक्तिशाली और सिद्ध ज्योतिषी के रूप में स्थापित कर लिया था। कहा जाता है कि उसके राजनीतिक संबंध दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र की सत्ता तक फैले हुए थे।

पुलिस ने आरोपी को उसके बेडरूम से गिरफ्तार किया

नासिक पुलिस ने बुधवार को खरात की गिरफ्तारी के लिए एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाया था। रात के अंधेरे में पुलिस ने आरोपी के घर के बाहर चोर-चोर चिल्लाकर अफरा-तफरी का माहौल बनाया। इसी बहाने टीम घर के अंदर पहुंची और आरोपी को उसके बेडरूम से गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान खरात के फार्महाउस से एक पिस्टल, जिंदा कारतूस और इस्तेमाल किए गए कारतूस भी बरामद हुए। मिरगांव स्थित मंदिर और आश्रम में भी तलाशी ली गई, जहां कई संदिग्ध दस्तावेज मिले। पुलिस के मुताबिक महाराष्ट्र में उसकी कई संपत्तियां भी जांच के दायरे में आ गई हैं।

'शुगर कम करवा दो पापा की' इन्फ्लुएंसर की गुहार पर पीएम मोदी का 'स्वीट' रिप्लाई

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर युवराज दुआ द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया एक वीडियो दोबारा शेयर किया। इस पोस्ट में प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जोर दिया और लोगों से चीनी का सेवन कम करने का आग्रह किया।

एक इंस्टाग्राम रील में दुआ ने मजाक में नेता के प्रति अपने पिता की तारीफ करते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री रेडियो कार्यक्रम मन की बात में चीनी कम करने की बात करते हैं, तो उनके पिता शायद उनकी बात सुनेंगे और चीनी का सेवन कम करेंगे।

दुआ ने इस वीडियो में कहा, "लोग कहते हैं कि इंडिया में बेटे अपने पिता से प्यार नहीं दिखा पाते हैं। उनकी प्यार की लिस्ट में सेंकड पर फैमिली आती है, फर्स्ट पर मोदी जी आते हैं। मोदी जी से हम लोग कम्पीटिशन नहीं कर सकते हैं। मेरे पापा को बोलोगे कि बिल्डिंग में आग लग रखी है और बच्चे हैं बीवी हैं और मोदी जी हैं और आप एक को ही निकाल सकते हो। मेरे पापा कहेंगे कि आएगा तो मोदी ही।

दुआ ने आगे कहा, "अगर मेरे पापा टीवी देख रहे हैं और ऊपर से ड्रैगन भी उड़ता हुआ जा रहा है तो मेरे पापा का टीवी से ध्यान नहीं हटेगा। किसी प्रोग्राम में पहुंचेंगे ना पहले तो वो चार अंकल को ढूंढेंगे ताकि बैठकर मोदी जी की तारीफ कर सकें।

मेरी पीएम मोदी आपसे एक रिक्वेस्ट है कि अगर अगले मन की बात कार्यक्रम में आप मीठे के खिलाफ कुछ बोल दें तो मेरे पापा की शुगर कंट्रोल हो जाएगी। क्योंकि हमारे कहने से जलेबियां तो कम हो नहीं रही हैं।" इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है, 'शुगर कम करवा दो पापा की।'

पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया

प्रधानमंत्री ने वीडियो पर हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया देते हुए स्वस्थ जीवनशैली के लिए सलाह भी दी।

वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "युवराज के अनुरोध पर, मैं उनके पिता (और सभी से) आग्रह करूंगा कि वे चीनी का सेवन कम करें स्वस्थ रहें, खुश रहें! और..." इसके बाद प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज की अगली स्लाइड में अपना मैसेज जारी रखते हुए लिखा, "अपनी सेहत पर ध्यान दें। अच्छा खाएं। स्वस्थ भोजन करें।

ज्यादा चीनी कई बीमारियों को न्योता देती है। इसके अलावा, मोटापे का खतरा भी मंडरा रहा है। साथ ही, योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। यह फिट और सक्रिय रहने का एक शानदार तरीका है।"

युवराज ने जाहिर की खुशी

युवराज दुआ ने बाद में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उनके वीडियो को साझा किए जाने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने लिखा, "यह तो अविश्वसनीय सा हो गया है, वीडियो कहां पहुंच गई। मैंने कभी सोचा भी नहीं था।"

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार: जिंदगी में सच के साथ हमेशा चलते रहे, वो वक्त आपके साथ अपने आप चलने लगेगा!

जियागुड़ा में अवैध समोसा निर्माण यूनिट पर छापा

5 लाख रुपये का अस्वच्छ खाद्य सामग्री जब्त

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस की टास्क फोर्स की एच-फास्ट (हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी टीम) टीम ने कुलसुमपुरा पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए जियागुड़ा क्षेत्र में संचालित एक अवैध खाद्य निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर एच-फास्ट टीम, टास्क फोर्स कर्मियों और कुलसुमपुरा पुलिस स्टेशन की टीम ने जियागुड़ा में एक मकान में छापा मारा। छापे के दौरान पाया गया कि यह यूनिट बिना किसी वैध एफएसएसएआई लाइसेंस, ट्रेड लाइसेंस या फायर सेफ्टी अनुमति के बड़े पैमाने पर अत्यंत अस्वच्छ परिस्थितियों में समोसे तैयार कर रही थी। आरोपी अब्दुल रशीद (73 वर्ष) सड़े-गले और घटिया सामग्री का उपयोग कर रहा था, जिसमें बासी उबले अंडे और बार-बार इस्तेमाल किया गया तेल शामिल था, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा था। पुलिस ने पांच लाख रुपये की सामाग्री जब्त किया गया। सामाग्रियों में सड़े हुए उबले अंडे 500, दोबारा इस्तेमाल किया गया तेल 5 किलोग्राम, तैयार खाद्य सामग्री एग समोसे (350), स्वीट कॉर्न समोसे (600), प्याज समोसे (1000), कच्चा माल- मैदा (50 किग्रा), नमक (4 बैग), समोसा पट्टी (2000), अस्वच्छ स्वीट कॉर्न (10 किग्रा) शामिल है। सभी सामग्री को जब्त कर लिया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कुलसुमपुरा पुलिस स्टेशन में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा जांच जारी है। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर वेंकटेश के नेतृत्व में टास्क फोर्स और एच-फास्ट टीम द्वारा स्थानीय कुलसुमपुरा पुलिस एवं फूड सेफ्टी अधिकारी (एफएसओ) के सहयोग से की गई।

धान नीति में बदलाव पर घिरी सरकार

किसानों से अब फसल विविधीकरण की अपील

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार धान की खेती को लेकर अपनी बदली नीति के कारण आलोचनाओं का सामना कर रही है। पहले जहां सरकार किसानों को धान उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही थी, वहीं अब उन्हें व्यावसायिक फसलों की ओर रुख करने की सलाह दी जा रही है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने किसानों से धान छोड़कर अन्य फसलों पर ध्यान देने की अपील की है। सरकार का कहना है कि केवल धान की खेती से किसानों को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पा रहा है। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेर रहा है, क्योंकि पहले कांग्रेस ने बीआरएस सरकार की इसी नीति की आलोचना की थी। अब रेवंत रेड्डी के पुराने बयान भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सरकार ने केंद्र की खरीद नीति का हवाला देते हुए यह बदलाव किया है और फसल विविधीकरण के लिए नई योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

बीजेपी एमएलसी ने विधानसभा घेराव का किया एलान

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी एमएलसी मलक कोमुरैय्या ने एक मीडिया बैठक में कांग्रेस सरकार के 2026-27 वार्षिक बजट पर गंभीर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बजट में आवंटन, राजस्व अनुमान और वास्तविक खर्च के बीच स्पष्टता नहीं है, जिससे गड़बड़ी और असंगतियां सामने आई हैं। कोमुरैय्या ने बताया कि शिक्षा क्षेत्र को उचित प्राथमिकता नहीं दी गई है। जबकि बीजेपी शासित राज्यों में शिक्षा के लिए 14 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक बजट आवंटित किया जाता है, कांग्रेस सरकार केवल लगभग 8 प्रतिशत ही देती है। इसके अलावा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी सरकार असफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को किए गए वादे पूरे नहीं किए जा रहे हैं और राज्य सरकार केंद्र से मिलने वाले निधियों को अपने नाम से प्रचारित कर रही है। फंड की कमी और समन्वय की कमी के कारण कई योजनाएं रुक गई हैं। उन्होंने बताया कि सोलर पंप जैसी योजनाओं में भी राज्य पिछड़ गया है। कोमुरैय्या ने यह भी कहा कि छात्रवृत्ति, फीस रियंबर्समेंट और स्वास्थ्यश्री जैसी योजनाएं सही तरीके से लागू नहीं हो रही हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी बकाया भुगतान नहीं किया जा रहा है। गरीबों के लिए घर निर्माण से लेकर किसानों की समस्याओं तक, कांग्रेस सरकार की विफलताएं हर क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। बीजेपी राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के आह्वान पर, मार्च 23 को एक विधानसभा घेराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। एमएलसी मलक कोमुरैय्या ने सभी वर्गों के नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में भाग लेकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध प्रकट करें।

छह गारंटी को कानूनी दर्जा दिलाने को बीआरएस का प्रस्ताव

केटीआर ने सभी दलों से मांगा समर्थन

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कांग्रेस सरकार को चुनौती देते हुए छह गारंटी को कानूनी मान्यता देने के लिए निजी सदस्य विधेयक लाने का निर्णय लिया है। पार्टी ने इस विधेयक के लिए सभी दलों से समर्थन भी मांगा है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि यदि कांग्रेस अपनी गारंटियों को लेकर गंभीर है, तो उसे बजट सत्र में इस विधेयक का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 800 दिन बीतने के बाद भी गारंटियों के क्रियान्वयन में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है।

रामाराव ने कहा कि यह विधेयक किसानों, महिलाओं, छात्रों और युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे अपने जनप्रतिनिधियों पर इस विधेयक का समर्थन करने का दबाव बनाएं। उन्होंने कहा कि विधेयक पारित होने के बाद सरकार इन गारंटियों को लागू करने के लिए बाध्य होगी और किसी भी देरी की स्थिति में लोग कानूनी कार्रवाई कर सकेंगे।

जगह की कमी से नए कोर्स शुरू नहीं कर पा रहा

सिनेमाटोग्राफी जैसे कार्यक्रम प्रस्तावों तक सीमित

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला एवं ललित कला विश्वविद्यालय (जेएनएएफएयू) में स्थान की कमी के कारण नए कोर्स शुरू करने की योजना ठप पड़ गई है। छात्रों की मांग के बावजूद सिनेमाटोग्राफी और फिल्म निर्माण जैसे कार्यक्रम अभी तक शुरू नहीं हो सके हैं। विश्वविद्यालय अधिकारियों के अनुसार मौजूदा परिसर में कक्षाएं, लैब और कार्यशालाएं पहले से ही पूरी तरह भरी हुई हैं, जिससे नए भवन निर्माण की कोई गुंजाइश नहीं है। जेएनएएफएयू की स्थापना 2008 में मात्र 13.87 एकड़ भूमि पर हुई थी, जबकि मानक के अनुसार 100 एकड़ भूमि आवश्यक है। सरकार ने 2024 में विस्तार के लिए 10 एकड़ भूमि आवंटित की थी, लेकिन विरोध के चलते यह फैसला वापस लेना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि छात्रों में नए कोर्स की मांग लगातार बढ़ रही है, इसलिए विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए सरकार से दोबारा भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जाएगा।

ऑनलाइन शोषण से सावधान रहें: पुलिस आयुक्त की अपील

फर्जी प्रोफाइल से लड़कियों को बना रहे निशाना

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऑनलाइन शोषण के बढ़ते मामलों को लेकर पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने युवतियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी आकर्षक फोटो और फिल्मी हस्तियों की तस्वीरों से फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाकर लड़कियों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी पहले दोस्ती कर भरोसा जीतते हैं और फिर निजी फोटो व वीडियो मांगकर बाद में ब्लैकमेल करते हैं।

सामाजिक बदनामी के डर से कई पीड़ित शिकायत नहीं करते, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। आयुक्त ने कहा कि किसी भी स्थिति में ब्लैकमेल के आगे न झुकें और तुरंत परिवार या पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि साइबर अपराधियों को ट्रैक किया जा सकता है। साथ ही, अभिभावकों से भी बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने और उनसे खुलकर संवाद करने की अपील की गई है।

अधिवक्ता किरण कुमार तेलंगाना स्टेट बार काउंसिल के सदस्य निर्वाचित

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अधिवक्ता किरण कुमार गणमानेनी को तेलंगाना स्टेट बार काउंसिल का सदस्य चुना गया है। उनके जीत की पुष्टि मतदान परिणामों के दौरान हुई। जनवरी में पूरे राज्य में आयोजित चुनावों में लंबे समय तक चले मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए गए। किरण कुमार के पास महत्वपूर्ण अनुभव है, उन्होंने पहले नमपल्ली बार एसोसिएशन के सचिव और अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा, वे तेलंगाना स्टेट फेडरेशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अपनी जीत के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए किरण कुमार ने वकालत पेशे से जुड़े मुद्दों के समाधान और कानूनी समुदाय के कल्याण के लिए मेहनत करने का संकल्प लिया। उन्होंने अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए अधिनियम (अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम) के लागू होने के लिए बार काउंसिल के अन्य सदस्यों के साथ सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने सभी समर्थकों और योगदानकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को मिलेगा खास स्वाद

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के ऐतिहासिक काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए सुविधाओं में एक नया आयाम जुड़ गया है। प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पंजाब सिंध प्रीमियम डेयरी स्टॉल का उद्घाटन किया गया। यह नया आउटलेट स्टेशन के सबसे व्यस्त स्थान पर स्थापित किया गया है, जिससे आने-जाने वाले यात्रियों को ताजे, स्वच्छ और पौष्टिक खाद्य पदार्थ आसानी से मिल सकें। यात्री यहां गाढ़ी पंजाबी लस्सी, मसाला छाछ के साथ-साथ प्रसिद्ध मलाई पनीर और स्वादिष्ट कुल्फी जैसे उत्पादों का आनंद ले सकेंगे। आधुनिक और स्वच्छ डिजाइन में तैयार किया गया यह स्टॉल रेलवे प्लेटफॉर्म की तेज रफ्तार जरूरतों को ध्यान में रखते हुए क्विक सर्विस सुविधा प्रदान करता है। स्टॉल के उद्घाटन समारोह में हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) संतोष कुमार वर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. अनिरुद्ध परमार, सहायक वाणिज्य प्रबंधक के. गोविंदा राव, अन्य अधिकारी तथा पंजाब सिंध फूड्स के ऑपरेशंस डायरेक्टर उपस्थित रहे। यह पहल स्टेशन को लाइफस्टाइल हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान भी गुणवत्ता और स्वास्थ्य से समझौता न करना पड़े।

त्यागराज आराधना महोत्सव का भव्य शुभारंभ

संगीत प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कीर्तना आर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित त्यागराज आराधना महोत्सव 2026 का शहर में भव्य शुभारंभ हुआ। पश्चिम मारेडपल्ली स्थित मीनाक्षी सुंदरम हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी।

स्वर्गीय डॉ. शेषाचारी की स्मृति में आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य कर्नाटक शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देना और युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। दोपहर से रात तक चले कार्यक्रम में गायन और वाद्य यंत्रों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। युवा कलाकारों ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों को प्रभावित किया, वहीं प्रसिद्ध कलाकार डी. श्रीनिवास की वीणा वादन प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी, छात्र और कला पारखी शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव का दूसरा दिन 22 मार्च को आयोजित किया जाएगा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Rami Reddy, Father of No. 14680051M, Hav, SC Srinivasareddy Pittu, R/o, Dist: Guntur, Andhra Pradesh, changed my name from Rami Reddy to Pittu Ramireddy vide Affidavit No. 466031 dt. 20.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Yasamama Pittu, Mother of No. 14680051M, Hav, SC Srinivasareddy Pittu, R/o, Dist: Guntur, Andhra Pradesh, changed my name from Yasamama Pittu to Pittu Yesu vide Affidavit No. 466033 dt. 20.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 777151L, Sub, Anil Kumar, R/o, Dist: Bhiwani, Haryana, changed my Son's name from Navin Kumar to Naveen Kumar vide Affidavit No. 466035 dt. 20.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 775140A, Sub, Subrata Sil, R/o, Dist: Hooghly, West Bengal, changed my Mother's name from Asoka Sil to Ashoka Sil vide Affidavit No. 466042 dt.20.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

SHOP FOR RENT

RENT FOR Shop @ Begum Bazar for Rent in Ground floor 265 sft and still floor 310 sft. opp. Kashmir house. Ph.9396829958.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ट्रैफिक व मैकेनिकल सुपरवाइजर ट्रेनी की लिखित परीक्षा 29 को

टीएसएलपीआरबी ने उम्मीदवारों के लिए गाइडलाइन जारी की

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड (टीएसएलपीआरबी) के अध्यक्ष वी.वी. श्रीनिवासराव ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 198 ट्रैफिक सुपरवाइजर ट्रेनी और मैकेनिकल सुपरवाइजर ट्रेनी पदों के लिए लिखित परीक्षा इस माह 29 मार्च को आयोजित की जाएगी। पिछले वर्ष 25 दिसंबर को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। पहला सत्र सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक चलेगा। उम्मीदवार अपनी हॉल टिकट इस माह 23 मार्च सुबह 8:00 बजे से 28 मार्च मध्यरात्रि 12:00 बजे तक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि उम्मीदवारों को हॉल टिकट ए-फोर साइज़ पेपर पर दोनों ओर प्रिंट करना है, और उस पर आवेदन के समय अपलोड की गई पासपोर्ट साइज फोटो ही चिपकानी होगी। फोटो सही न होने या चिपकाने में चूक होने पर भी परीक्षा में प्रवेश नहीं मिलेगा। किसी भी उम्मीदवार को भौतिक हॉल टिकट डाक के माध्यम से नहीं भेजा जाएगा।

परीक्षा केंद्र पर उम्मीदवारों को परीक्षा शुरू होने के बाद एक मिनट की भी देरी होने पर प्रवेश नहीं मिलेगा और परीक्षा पूरी होने तक उन्हें बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। उम्मीदवार केवल नीली या काली बॉल पॉइंट पेन और फोटो लगी हॉल टिकट ही साथ ला सकते हैं। मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, पर्स आदि सख्त वर्जित हैं। परीक्षा केंद्र पर इन वस्तुओं के लिए कोई लॉकर सुविधा उपलब्ध नहीं है।

उम्मीदवारों, विशेष रूप से महिलाओं से आग्रह किया गया है कि वे आभूषण पहनकर न आएं। परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के फिंगरप्रिंट और डिजिटल फोटो (बायोमेट्रिक) लिए जाएंगे, इसलिए हाथों पर मेहंदी, टैटू या अन्य निशान न हों। ओएमआर शीट पर किसी भी तरह के अनावश्यक चिन्ह, धार्मिक प्रतीक या अतिरिक्त निशान न लगाएं और केवल मांगी गई जानकारी ही भरें।

परीक्षा समाप्ति के बाद उम्मीदवार प्रश्नपत्र बुकलेट अपने पास रख सकते हैं, लेकिन ओएमआर शीट अनिवार्य रूप से इन्स्पेक्टर को सौंपनी होगी। किसी प्रश्न पर संदेह होने पर अंग्रेजी संस्करण को ही प्रामाणिक माना जाएगा। अंत में, वी.वी. श्रीनिवासराव ने सभी उम्मीदवारों से अनुरोध किया कि वे अपनी हॉल टिकट भर्ती प्रक्रिया समाप्त होने तक सुरक्षित रखें और नियमों का उल्लंघन न करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोदावरी नदी हादसे में दो और छात्रों के शव बरामद

उगादी पर घूमने आए छात्रों की दर्दनाक मौत

भद्राचलम, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी नदी में लापता हुए छात्रों में से दो और इंजीनियरिंग छात्रों के शव शनिवार को बरामद कर लिए गए। शुक्रवार शाम अंधेरा होने के कारण रोका गया तलाशी अभियान शनिवार को फिर शुरू हुआ, जिसमें तेजा ज्ञान साई और पासम सतीश कुमार के शव मिले। जानकारी के अनुसार, सभी छात्र उगादी के अवसर पर श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में दर्शन करने भद्राचलम आए थे। नदी किनारे फोटो लेने के बाद कुछ छात्र नहाने के लिए पानी में उतरे, तभी तेज बहाव में बह गए। एक छात्र हर्षवर्धन तैरकर बाहर आ गया, जबकि बाकी पांच लापता हो गए थे। इससे पहले श्रीकर, अभिराम और नवदीप के शव शुक्रवार को ही मिल गए थे। सभी छात्र विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे थे। घटना के बाद पूरे भद्राचलम क्षेत्र में शोक की लहर है। उगादी जैसे पावन अवसर पर हुआ यह हादसा बेहद दुखद बताया जा रहा है।

बैठक

स्व.श्री खरतारामजी चोयल
सुपुत्र: स्व.श्री हुक्मारामजी चोयल
मरुधर में वोपारी वेरा नोकड़ा (राज.)
स्वर्गवास: 14 फरवरी 2026

मास्टर स्व.श्री थानारामजी चोयल
सुपुत्र: स्व.श्री अकारामजी चोयल
मरुधर में वोपारी वेरा नोकड़ा (राज.)
स्वर्गवास: 28 फरवरी 2026

बैठक कल सोमवार 23 मार्च 2026 प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक श्री आईमाताजी बडेर जीडिमेटला पर होगी ।
: नोट : कार्यक्रम स्थल पर पला प्रथा बंद रहेगी

{: शोकाकुल परिवार : स्व.श्री खरतारामजी चोयल }
जोराराम, दाकुबाई (भाई), चेनाराम, रुगाराम (पुत्र), मंगीबाई, चम्पादेवी (पुत्रवधु), पानीबाई, भंवरीबाई (पुत्री), अमराराम, वेनाराम, सुजाराम, कुनाराम (भतीज), सुरेश, दिलीप, हितेष (पौत्र), हेमलता, रिंकु (पौत्रवधु), धवल, वेदांश (पड़पौत्र), पायल, वानी (पड़पौत्री) एवं समस्त चोयल परिवार

{: शोकाकुल परिवार : मास्टर स्व.श्री थानारामजी चोयल }
पोनीबाई (धर्मपत्नी), कालुराम, उम्मेदराम, उत्तम (पुत्र), पुष्पादेवी, प्रेमादेवी, जयन्तादेवी (पुत्रवधु), लीलादेवी-स्व.उमारामजी, मिश्रीदेवी-राणारामजी, चम्पादेवी-महेन्द्रजी (बेटी-दामाद), भीखाराम, चिमनाराम, वेनाराम, मांगीलाल, पीथाराम, दुदाराम, चेलाराम, तिलोकराम (भतीज), योगेश, भावेश, हरिश (पौत्र), पूजा, कुशुम, किरण (पौत्री) एवं समस्त चोयल परिवार

: फर्म :
* विकास प्लाईवुड एंड ग्लास, बोवनपल्ली
* आईनाथ ग्लास प्लाईवुड, चिन्तल
9849070430, 9908090905, 9908801465, 9849276605

P.Solankey

कौन थे फरसा वाले बाबा? मौत को लेकर क्यों मचा इतना बवाल?

गायों की रक्षा के लिए बनाई थी युवाओं की टीम

फरसा वाले बाबा की मौत पर बवाल

- गांव-गांव गो-सेवकों की टीम गठित की
- आठ साल की आयु में बन गए थे संत
- आजनोख में बाबा की एक विशाल गोशाला

मुथरा, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के छाता में बाबा चंद्रशेखर उर्फ 'फरसा वाले बाबा' की मौत के बाद शनिवार सुबह लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। भीड़ ने दिल्ली-आगरा हाईवे जाम कर पुलिस पर पथराव किया, जिससे दहशत का माहौल बन गया। पथराव में पुलिस की गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। हालात पर काबू पाने के लिए सेना की टुकड़ी ने मोर्चा संभाला है। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। जानिए कौन थे फरसा वाले बाबा? जिनकी मौत के बाद भीड़ इतनी उग्र हो गई।

जानें कौन थे बाबा चंद्रशेखर

बाबा चंद्रशेखर मूल रूप से फिरोजाबाद के गांव गोपाल का नगला के रहने वाले थे, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह भी इसी गांव से आते हैं। गोरक्षा में फरसा लेकर बाबा चंद्रशेखर ने 'फरसा वाले बाबा' के रूप में अपनी पहचान बनाई। गांव-गांव गो-सेवकों की टीम गठित की। करीब 200 युवाओं की टीम है, जो गोसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहती है। बाकी बड़ी संख्या में भक्त थे।

आठ साल की आयु में बन गए थे संत

बाबा चंद्रशेखर आठ साल की उम्र में संत बन गए थे। माता-पिता की मौत के बाद घर छोड़ दिया था, फिर संत हो गए। उसके बाद आयोध्या गए। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में भी हिस्सा लिया था। 20 साल तक वहां रहे, उसके बाद ब्रज में आ गए थे। यहां गोसेवा का संकल्प लिया और गोशाला चला रहे थे। मथुरा के छाता ब्लॉक के आजनोख में बाबा की एक विशाल गोशाला है। जिसमें वह गायों की सेवा करते थे। उनके इस कार्य के चलते आसपास के इलाके के लोग भी उनसे जुड़ गए थे। गोपाष्टमी पर विशाल आयोजन करते थे जिसमें काफी संख्या में गोसेवक जुटते थे।

गो-तस्करों की सक्रियता की मिली थी सूचना, टीम के साथ कर रहे थे पीछा

बीती रात थाना कोसीकलां के कोटवन चौकी क्षेत्र के नवीपुर गांव में एक सनसनीखेज वारदात हुई। आरोप है कि यहां विख्यात गो-सेवक बाबा चंद्रशेखर की गो-तस्करों ने हत्या कर दी। बाब चंद्रशेखर अपने निडर स्वभाव और गो-वंश की रक्षा के लिए काफी लोकप्रिय थे। उनकी हत्या की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। हिंदूवादी संगठनों और गो-सेवकों में इस घटना को लेकर भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और गो-तस्करों की तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, बाबा चंद्रशेखर को क्षेत्र में गो-तस्करों की सक्रियता की सूचना मिली थी। वे अपनी टीम के साथ तस्करों का पीछा कर रहे थे।

'पीछे से आए ट्रक ने फरसे वाले बाबा को कुचला'

उत्तर प्रदेश के मथुरा में शनिवार तड़के चार बजे गोरक्षक फरसे वाले बाबा के नाम से मशहूर चंद्रशेखर की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। कई गोरक्षकों और हिंदूवादी संगठनों ने आरोप लगाया कि बाबा गोवंश से भरे कंटेनर का पीछा कर रहे थे। इस दौरान गोतस्करों ने बाबा को कुचलकर मार डाला। जैसे ही यह खबर फैली, पूरे इलाके में बवाल हो गया। आगरा-दिल्ली हाइवे जामकर लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सीएम योगी ने मथुरा में 'फरसा वाले बाबा' की मौत का संज्ञान लिया, सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

मथुरा, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने मथुरा में एक गोरक्षक की मौत पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। चंद्रशेखर उर्फ 'फरसा वाले बाबा' की संदिग्ध हालात में मौत के बाद हिंसा भड़क गई है। आक्रोशित भीड़ ने दिल्ली-आगरा हाईवे जाम कर पथराव और तोड़फोड़ की, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा है। मुख्यमंत्री ने जवाबदेही और कानून के पालन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है।

मुबारकबाद देने ऐशबाग ईदगाह पहुंचे अखिलेश यादव

ईद की खुशियों में घुली सियासत, 2027 का संकेत दिखा साफ

अखिलेश ने दी ईद की मुबारकबाद

● ईदगाह से उठा सियासी तूफान ● संदेश सीधा, लक्ष्य 2027 साफ

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आज यानी शनिवार को ईद मनाई जा रही है। राजधानी लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह पर मुबारकबाद देने सपा मुखिया अखिलेश यादव पहुंचे। उनके पहुंचने पर भीड़ बेकाबू हो गई।

मौजूद लोगों ने अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस मौके पर अखिलेश यादव ने गले मिलकर बधाई दी। लोगों से बात की। ईदगाह से बाहर निकलने पर मीडिया से भी बात की। उन्होंने प्रदेश में ब्राह्मणों के अपमान और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर योगी सरकार को घेरा। तंज कसा कि राजधानी में अब दोबारा बाटी-चोखा की दावत नहीं हो पाएगी। चुटिया पकड़कर खींच लिया गया है। बताइए कितना अपमान हुआ। सपा मुखिया ने आगे कहा कि 2027 में बड़ी शपथ होने जा रही है। भाजपा का अब कुछ चलने वाला नहीं है। पीएम मोदी जहां से कई बार चुने गए हैं, वहां एक छात्र की हत्या कर दी गई। खुलेआम, गोलियां चल रही हैं। इससे पहले गोरखपुर में भी गोरख धंधा होते देखा है। प्रदेशभर में कोई कानून व्यवस्था नहीं बची है। उधर, राजधानी में शिया समुदाय के लोगों ने खामेनेई की मौत के गम में काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनई सहित ईरानी लोगों के मारे जाने के खिलाफ नमाज के बाद अमेरिका और इजरायल के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रशासन की ओर से ईदगाह और प्रमुख मस्जिदों के आसपास सुरक्षा और साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

मां की दो दिन की सहेली नौ माह के मासूम बेटे को लेकर भागी

बरेली, 21 मार्च (एजेंसियां)। बरेली के फरीदपुर में महिला ने बैंक में काम निपटाने का बहाना किया और पीड़िता का नौ माह का बेटा लेकर चली गई। पीड़िता ने शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है। अब आरोपी महिला और बच्चे की तलाश की जा रही है। हरदोई के गांव मिरगंवा निवासी सुनभला कुमारी ने बताया कि वह 17 मार्च को अपनी ससुराल मिरगवां से नौ माह के बेटे अरुण को लेकर निकली थीं। पति से उसका विवाद हो गया था और उनके पास किराया भी नहीं था। संजीदा देवी के गांव बिडोहरा जाना था। बस में जब कंडक्टर ने किराया मांगा तो अनजान महिला ने उसका टिकट लेकर मदद की। उसकी परेशानी सुनकर महिला हरदोई जिले में ही कहीं अपने घर ले गई।

भाइयों ने भाई को मार डाला

30 बीघा जमीन का विवाद, लाठी-डंडों और फावड़े से किए वार, भतीजा भी वारदात में शामिल

हाथरस, 21 मार्च (एजेंसियां)। गांव सीकुर में शुक्रवार की दोपहर 30 बीघा जमीन के विवाद में भीमसेन (45) की उनके दो भाइयों व भतीजे ने लाठी डंडों, फावड़े और दराती से पीटकर हत्या कर दी। वह बेटी खुशी (17) के साथ खेत पर चारा लेने गए थे, वहीं उनका अपने भाइयों से विवाद हुआ। घटना में खुशी भी घायल हुई है। आरोपियों के भागने पर बेटी ने शोर मचाया, पुलिस के पहुंचने तक वह लहूलुहान हालत में खेत में ही पड़े रहे। घटना दोपहर करीब ढाई बजे की है। पुलिस के अनुसार भीमसेन और उनकी बेटी खेत में चारा काट रहे थे, तभी उनके बड़े भाई रवेंद्र, छोटा बाई पूरन और उसका बेटा यशवीर पहुंच गए। इन्होंने भीमसेन से अपने हिस्से की जमीन मांगी। इसी पर इनके बीच कहासुनी हो गई और तीनों ने भीमसेन को पीटना शुरू कर दिया। बचाव में आई खुशी को भी पीटा।

उन्होंने बचकर भागने की कोशिश की लेकिन वह चरी के खेत में गिर गए। इसके बाद आरोपियों ने उनके सिर पर लाठी-डंडे, फावड़े व दराती से कई वार किए, अधमरी हालत में छोड़कर भाग गए। खुशी की चीख-पुकार पर गांव के कुछ लोग मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस लहूलुहान हालत में भीमसेन को सासनी सीएचसी लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर सीओ सिटी योगेंद्र कृष्ण नारायण पहुंचे तथा छानबीन की। भीमसेन के बेटे हरकेश की पत्नी वीनेश ने तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एक तिहाई से ज्यादा संपत्ति की वसीयत नहीं कर सकता मुस्लिम

> मालिकाना हक के लिए सभी वारिसों की सहमति

प्रयागराज, 21 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम विधि से जुड़े वसीयत कानून पर अहम फैसला सुनाया है। कहा है कि कोई भी मुस्लिम अपनी कुल संपत्ति के एक तिहाई से अधिक की वसीयत नहीं कर सकता। यदि वसीयत किसी एक वारिस के पक्ष में की गई है तो वह तब तक प्रभावी नहीं होगी, जब तक कि वसीयतकर्ता की मृत्यु के बाद अन्य सभी कानूनी वारिस स्पष्ट सहमति न दे दें।

यह फैसला न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ ने कासगंज निवासी मोहम्मद मुबीन और अन्य की प्रथम अपील खारिज करते हुए दिया। कोर्ट ने कासगंज के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत के उस फैसले पर मुहर लगा दी जिसमें वादियों के मालिकाना हक के दावे और विपक्षी अन्य वारिसों की ओर से निष्पादित विक्रय विलेख को रद्द करने की मांग खारिज कर दी गई थी। मोहम्मद मुबीन के पिता मोहम्मद अनस और मोहम्मद परवेज के पिता मोहम्मद इलियास पार्टनर थे। अपील के मुताबिक वादी मोहम्मद मुबीन, मोहम्मद परवेज ने दावा किया था कि मोहम्मद अनस और मोहम्मद इलियास ने मरने से पहले उनके पक्ष में वसीयत की थी। इससे वे कासगंज स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और अन्य संपत्तियों के पूर्ण स्वामी बन गए थे।

उन्होंने विपक्षी अन्य भाई-बहनों की ओर से बाहरी व्यक्तियों को बेची गई जमीन के विक्रय विलेख को अवैध बताते हुए उसे रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने पाया कि जब मोहम्मद इलियास की वसीयत 2016 में तैयार हुई, जबकि उनके घनिष्ठ मित्र मोहम्मद अनस की मृत्यु 2015 में हो चुकी थी। वसीयत में उन्हें जीवित और संपत्ति का आधा स्वामी दिखाया गया। यह विरोधाभास वसीयत को फर्जी साबित करने के लिए पर्याप्त था। साथ ही यह भी पाया कि वसीयतकर्ता उन संपत्तियों (कोल्ड स्टोरेज, टेक्सटाइल्स) के अकेले मालिक नहीं थे, बल्कि उनमें कई अन्य साझेदार भी थे। ऐसे में वे पूरी संपत्ति की वसीयत नहीं कर सकते थे। इसके अलावा वादियों ने अपनी बहनों और मां को मुकदमे में पक्षकार नहीं बनाया था, जिसे कोर्ट ने गंभीर कानूनी चूक माना। लिहाजा, कोर्ट ने वसीयत को संदिग्ध मान अपने फैसले में स्पष्ट किया कि मुस्लिम कानून के तहत वसीयत केवल एक तिहाई हिस्से तक सीमित है। वारिस के पक्ष में वसीयत होने पर अन्य वारिसों की मौन सहमति पर्याप्त नहीं है, उनकी स्पष्ट मंजूरी अनिवार्य है।

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी से मारपीट और लूट

दो आरोपी गिरफ्तार, लाखों की रकम बरामद

नोएडा, 21 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा के थाना फेस-2 क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां कंपनी के ही कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी के साथ मारपीट कर लाखों रुपये की लूट को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, घटना 18 मार्च 2026 की है। सेक्टर-136 स्थित एक ऑनलाइन कोचिंग कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी को कंपनी के अकाउंटेंट चन्द्र मोहन सारस्वत ने अपने 2-3 साथियों के साथ मिलकर निशाना बनाया। आरोप है कि अभियुक्तों ने पार्किंग एरिया में अधिकारी को जबरन उनकी कार से बाहर निकाला और अपनी कार में बैठा लिया। इसके बाद उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित से जबरदस्ती 60,000 रुपये ऑनलाइन अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करा लिए। साथ ही पीड़ित की कार में रखे 2 लाख 47 हजार रुपये नकद भी लूट लिए। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। पीड़ित द्वारा 19 मार्च 2026 को थाना फेस-2 में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और स्थानीय खुफिया जानकारी की मदद से कार्रवाई करते हुए चन्द्र मोहन सारस्वत और उसके साथी हनी बैसला को सेक्टर-91 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी आईएएस बनकर की शादी, नई नवेली दुल्हन को गोवा में बेचने की थी तैयारी

गोरखपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में इटावा के युवक ने फर्जी आईएएस अधिकारी बन युवती से शादी की और अपने साथ इटावा ले गया। जब युवती को पता चला कि उसका पति आईपीएस नहीं फर्जी है तो उसके होश उड़ गए।

उसने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। आनन फानन घरवाले इटावा पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। तब जाकर फर्जीवाड़े का पता चला। युवती का कहना है कि आरोपी उसे बेचने की तैयारी में था। गोरखपुर कैंट थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कैंट थाना क्षेत्र स्थित मोहद्दीपुर निवासी राधेश्याम कश्यप को अपनी बेटी के लिए एक अच्छे रिश्ते की तलाश थी। इसी दौरान उन्हें निषाद विवाह ग्रुप में एक युवक प्रीतम सिंह निषाद का पता चला जो इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के लुधियात मोहल्ले का निवासी है। बायोडाटा में उसने खुद को आईएएस अधिकारी बता रखा था। जैसे ही परिवार को इस रिश्ते की जानकारी हुई , तत्काल दिए गए नंबर पर फोन लगाया गया। बातचीत और फोटो के आदान-प्रदान के बाद बात आगे बढ़ी। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है। शुरुआती जांच और इटावा पुलिस से पूछताछ में पता चला है कि आरोपी पूर्व में भी ऐसी हरकतें कर चुका है। आरोपी का सारा बायोडाटा खंगाला जा रहा है। जल्द ही आरोपों की जांच करा कर युवक की गिरफ्तारी की जाएगी।

लड़के ने आईएएस होने के कई वीडियो भेजे

लड़के पक्ष की तरफ से वर के आईएएस होने से संबंधित प्रमाण स्वरूप कई वीडियो भेजे गए। इसमें वह न्यूज चैनलों को इंटरव्यू देता हुआ नजर आ रहा है। युवक ने ऑफिस सहित कई नेताओं के साथ वीडियो, फोटो भी भेजे, जिससे लड़की के परिजनों को उस पर पूरी तरह विश्वास हो गया।

सगाई वाले दिन 15 लाख की डिमांड

लड़की के पिता के अनुसार, शादी की तिथि 11 मार्च 2026 की तय हुई। शादी से पहले सगाई वाले दिन लड़के पक्ष की तरफ से 15 लाख रुपए की डिमांड हुई। हालांकि विवाह तय होने के दौरान दहेज की कोई बात नहीं हुई थी। लड़की वालों ने किसी तरह पैसे की व्यवस्था की और 10 लाख रुपए तत्काल दे दिए गए। शेष 5 लाख तिलक वाले दिन देने की बात हुई। पिता का कहना है कि 11 मार्च को बिटिया का विवाह तारामंडल स्थित दुर्गा मैरिज लॉन से बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। विवाह में अन्य व्यवस्थाओं के साथ घरेलू सामान देने में कुल 15 लाख रुपए और खर्च हुए।

डीएम को गुमराह करने वाला माइनिंग इंस्पेक्टर गिरफ्तार

गोपालगंज, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में खनन माफिया और अधिकारियों की मिलीभगत का एक नया और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गोपालगंज जिले में अवैध बालू खनन के आरोपी खनन निरीक्षक सौरभ अभिषेक को पुलिस ने गिरफ्तार किया, लेकिन कुछ ही घंटों बाद वह नाटकीय ढंग से थाने से फरार हो गया। इस घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है और विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सदर प्रखंड के दियारा क्षेत्र में स्थित 12 बालू घाटों की इस सत्र में नीलामी नहीं हुई थी।

2 सिर, 4 हाथ-पैर और एक धड़!

अपने ही जुड़वां बच्चों को देख मां की मौत, रुला देगी अलीगढ़ की कहानी

अलीगढ़, 21 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले से एक बेहद दुर्लभ और संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां एक गर्भवती महिला ने प्रसव के दौरान असामान्य जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। बच्चों के दो सिर, चार हाथ-पैर और एक ही धड़ है। इस घटना के बाद महिला की तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

महिला जिला अस्पताल में हुआ प्रसव

यह घटना अलीगढ़ के मोहनलाल गौतम महिला जिला अस्पताल की है। 17 मार्च को सासनी गेट थाना क्षेत्र के बिहारी नगर निवासी आकाश कुमार अपनी पत्नी नीरू को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल लेकर पहुंचे थे। डॉक्टरों ने महिला की स्थिति को देखते हुए सीजेरियन ऑपरेशन की सलाह दी। परिजनों की सहमति के बाद स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मेघा की देखरेख में ऑपरेशन किया गया।

ऑपरेशन के दौरान सामने आया दुर्लभ मामला

ऑपरेशन के दौरान जब बच्चों का जन्म हुआ तो डॉक्टर और स्टाफ हैरान रह गए। दोनों नवजात एक ही धड़ से जुड़े हुए थे, जबकि उनके दो अलग-अलग सिर और चार हाथ-पैर थे। डॉक्टरों के अनुसार, यह एक अत्यंत दुर्लभ चिकित्सीय स्थिति है। फिलहाल दोनों बच्चों की हालत स्थिर बताई जा रही है और वे खतरे से बाहर हैं।

जांच में खुलासा, सोशल मीडिया से मेरठ में बनाई स्लीपर सेल

> पाकिस्तान भेजे जा रहे थे कई वीडियो

मेरठ, 21 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और सरदार उर्फ सरफराज ने सोशल मीडिया के जरिये मेरठ में जासूसी का बड़ा नेटवर्क खड़ा कर दिया। इसमें नाबालिगों को भी शामिल किया जा रहा था।

लिसाड़ी गेट के अनस की अंबाला में विस्फोटक के साथ गिरफ्तारी के बाद जई गांव के आजाद, परतापुर के गणेश, शास्त्रीनगर के गगन और अन्य संदिग्ध जासूसों को हापुड़ व गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया। इससे मंदिरों में विस्फोट की नापाक साजिश नाकाम हो गई। मेरठ के आरोपियों की एक के बाद एक गिरफ्तारियों से एटीएस, पुलिस और खुफिया विभाग अलर्ट पर मोड पर है। पूछताछ करने वाली पुलिस टीम ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध रखने वाले शहजाद भट्टी और सरदार उर्फ सरफराज ने दिल्ली-एनसीआर में यूट्यूब और टेलीग्राम चैनल की मदद से अपने स्लीपर सेल तैयार किए थे। इनकी मदद से मंदिरों और सैन्य ठिकानों की वीडियो पाकिस्तान भेजी जा रही थी। शहजाद ने ही भारत में तैयार किए गए इस नेटवर्क को विस्फोटक भी उपलब्ध करा दिया था। इन लोगों को इरादा किसी विशेष मौके पर विस्फोट करने का था। सबसे पहले 13 मार्च को अंबाला एसटीएफ ने बराड़ा के पास से तीन युवकों को दो किलो विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया था।

इनमें अंबाला के कंबासी गांव निवासी जंगवीर, अजमेर निवासी अली अकबर और मेरठ के लिसाड़ी गेट निवासी अनस शामिल थे। अंबाला में पकड़ा गया अनस चंडीगढ़ में दो साल पहले सब्जी बेचने का काम करता था। वहीं पर वह भारत में फैले पाकिस्तानी आतंकियों के नेटवर्क से वह जुड़ गया। अनस व उसके साथियों से पूछताछ के बाद 15 मार्च को गाजियाबाद की कौशांबी पुलिस ने बिजनौर जिले के नरगढ़ी नवादा के सुहैल मलिक उर्फ रोमियो, संभल के ज्ञानपुर सिसौना गांव की साने इरम उर्फ महक समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

महक पाकिस्तान में बैठे आकाओं के सीधे संपर्क में थी। आरोपियों ने जासूसी के लिए दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी लगा दिया था। सुहैल मलिक परतापुर के पास रहता था। ये पाकिस्तान के सरदार उर्फ सरफराज के संपर्क में थे।

सपा प्रदेश सचिव का पिस्टल लाइसेंस निरस्त, पेट्रोल पंप सील

आईओसी अधिकारी पर बेटे ने की थी फायरिंग

रामपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। सिविल लाइंस क्षेत्र में इंडियन ऑयल कंपनी के फील्ड ऑफिसर अनिल कुमार की कार पर फायरिंग मामले में डीएम ने सपा के प्रदेश सचिव सुरेंद्र सागर की पिस्टल का लाइसेंस निरस्त कर दिया है। साथ ही उनके एक पेट्रोल पंप को सील किया गया है। दूसरे पेट्रोल पंप की जांच चल रही है। उधर, सुरेंद्र सागर ने दोनों पेट्रोल पंप अपने जानने वाले के बताए हैं। आवास विकास कॉलोनी में किराये के मकान में रहने वाले इंडियन ऑयल कंपनी के अधिकारी के घर के बाहर 14 जनवरी रात उनकी कार पर फायरिंग हुई थी। पुलिस की जांच में सामने आया था कि फायरिंग करने वाले सपा नेता सुरेंद्र सागर का बेटा हिमांशु सागर और उसके चचेरे भाई नितिन हैं।

ईद-उल-फितर के मौके पर नीतीश पहुंचे खानकाह-मुजीबिया फुलवारी शरीफ, ईद की दी बधाई

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को ईद-उल-फितर के पाक मौके पर खानकाह-मुजीबिया फुलवारी शरीफ जाकर वहां के सज्जादा नशीं हजरत सैयद शाह आयतुल्ला कादरी से मुलाकात कर उनकी दुआएं लीं और ईद की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके बाद मुख्यमंत्री मित्तन घाट, पटना सिटी स्थित खानकाह-ए-मुनअमिया भी पहुंचे, जहां के सज्जादा नशीं हजरत सैयद शाह शमीमुद्दीन अहमद मुनअमी के साथ मिलकर राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि की दुआ की। साथ ही वहां मौजूद लोगों को ईद की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री इस क्रम में तकिया शरीफ, मित्तन घाट, पटना सिटी स्थित खानकाह बारगाहे इश्क भी पहुंचे और सज्जादा नशीं सैयद शाह ख्वाजा आमिर शाहिद सहित अन्य लोगों से मुलाकात की और ईद की बधाई दी। ईद-उल-फितर के अवसर पर विभिन्न जगहों पर भ्रमण के दौरान ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा सहित कई अन्य विधायक श्याम रजक और विधान पार्षद संजय कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। इससे पहले बिहार के पटना स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान में परंपरागत रूप से ईद के मौके पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और ईद की नमाज अदा की गई। इस मौके पर हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांधी मैदान नहीं पहुंचे, उनकी जगह उनके पुत्र निशांत वहां पहुंचे और लोगों को ईद की मुबारकबाद और बधाई दी।

भारत बिना आमने-सामने की जंग की तैयारी कर रहा

अनंत शस्त्र समेत 6 प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू, सरकार इन पर 2.19 लाख करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। ईरान जंग के बीच भारत अब 'नॉन-कंटैक्ट वारफेयर' यानी बिना आमने-सामने आए लड़ी जाने वाली जंग के लिए खुद को तैयार कर रहा है। सरकार अपनी सैन्य शक्ति को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक ढालने के लिए सबसे बेहतर रक्षा तकनीकों पर तेजी से काम कर रही है।

भारत ने न केवल 5th जेनरेशन (एएमसीए), बल्कि अब आधिकारिक तौर पर 6th जेनरेशन के फाइटर जेट्स के डिजाइन पर भी काम शुरू कर दिया है। साथ ही स्वदेशी एस-400 (एलआरएसएएम) जैसी लंबी दूरी की मिसाइल सिक्योरिटी सिस्टम, ड्रोन को तबाह करने वाले 'अनंत शस्त्र' (क्यूआरएसएएम) पर भी युद्धस्तर पर काम शुरू हो चुका है।

संसद में पेश की गई रक्षा समिति की रिपोर्ट्स में इसका खुलासा हुआ है। भारत फाइटर जेट्स के लिए शक्तिशाली स्वदेशी इंजन, नौसेना के लिए अभेद सुरक्षा कवच और AI व साइबर डिफेंस जैसे प्रोजेक्ट्स डेवलप कर रहा है। इसके अलावा अस्त्र, नाग और ध्रुवास्त्र जैसी मिसाइलों के मार्क-II वेरिएंट पर काम हो रहा है। देश का रक्षा दृष्टिकोण अब 'नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर' की चुनौतियों को देखते हुए आक्रामक और रक्षात्मक प्रौद्योगिकियों के बीच एक सटीक संतुलन बनाने पर केंद्रित है। भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी क्षमताओं को साबित किया था। अब 5th जेनरेशन के विमानों और 6th जेनरेशन की सोच (जैसे हाइपरसोनिक स्पीड और सी4आईएसआर सिस्टम) के साथ भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए पूरी तरह तैयार है।

डिफेंस इन्वेस्टमेंट के लिए 2 लाख करोड़ से ज्यादा आवंटित

देश को मॉडर्न वॉरफेयर में सक्षम बनाने के लिए सरकार ने इसके लिए भारी-भरकम बजट का प्रावधान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए डिफेंस इन्वेस्टमेंट में खर्च के लिए में 2,19,306.47 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष के बजट अनुमान से 21.84% अधिक है। इसका बड़ा हिस्सा केवल सशस्त्र बलों के मॉडर्नाइजेशन और नए हथियारों की खरीद के लिए सुरक्षित रखा गया है।

ये टारगेट्स प्राइऑरिटी पर...

AI-साइबर डिफेंसः डीआरडीओ के बजट का बड़ा हिस्सा एआई हथियारों, साइबर सुरक्षा को बेहतर बनाने, दुश्मन के ऐसे ही हमलों को रोकने की तकनीक पर खर्च होगा। नौसेना का सुरक्षा कवचः समुद्र में दुश्मनों के हमलों को नाकाम करने के लिए 'एडवांस्ड टॉरपीडो डिफेंस सिस्टम' व 'एंटी-ड्रोन सिस्टम' तैयार किया जा रहा है। 'इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर' सिस्टम पर भी जोर। अनंत शस्त्रः यह एक 'क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल' सिस्टम है। यह विशेष रूप से दुश्मन के कई ड्रोन्स और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले खतरों को पलक झपकते ही नष्ट करने के लिए तैयार की गई है।

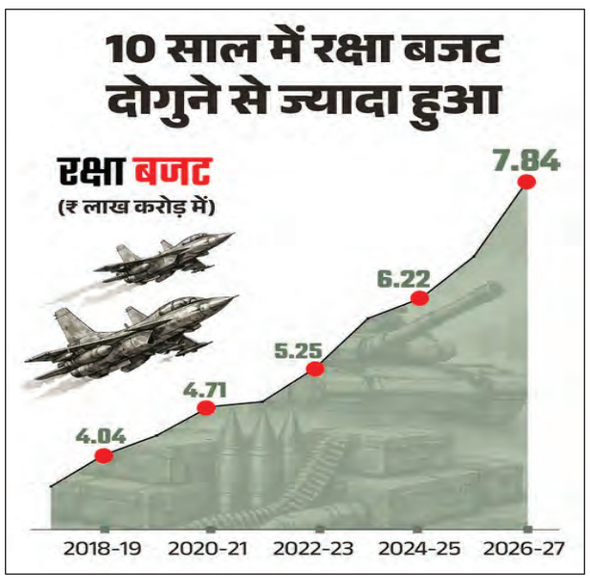

'प्रतिबंध की सिफारिश भारत विरोधी एजेंडा'

275 पूर्व जज-अफसर अमेरिका से आई रिपोर्ट पर भड़के

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। कुल 275 पूर्व न्यायाधीशों, लोक सेवकों और सशस्त्र बलों के पूर्व अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की हालिया रिपोर्ट की आलोचना की। इस रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंधन लगाने की सिफारिश की गई थी। उन्होंने इस रिपोर्ट को 'पूरी तरह प्रेरित' बताया और कहा कि यह 'बौद्धिक दिवालियापन और विकृत सोच' को दर्शाती है। उन्होंने शनिवार को जारी इस संयुक्त बयान में अमेरिकी सरकार से आग्रह किया कि वह यूएससीआईआरएफ की इस पूर्वाग्रह से भरी रिपोर्ट के सभी योगदानकर्ताओं की पृष्ठभूमि की कड़ी जांच कराए। उन्होंने आरोप लगाया, कुछ निहित स्वार्थ भारत के लोगों के साथ उनके संबंध खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

संयुक्त बयान में क्या कहा गया?

संयुक्त बयान में कहा गया, 'संपत्तियों को जब्त करने, यूएससीआईआरएफ की भारतीय नागरिकों की आवाजाही को सीमित करने और आरएसएस से जुड़े लोगों पर पाबंदी लगाने जैसी सिफारिशें पूरी तरह प्रेरित हैं। ये सिफारिशें बौद्धिक दिवालियापन और विकृत मानसिकता को दर्शाती हैं।' उन्होंने कहा, 'यूएससीआईआरएफ के सभी छह आयुक्त अमेरिकी सरकार नियुक्त करती है और अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के जरिये से अमेरिकी करदाताओं के पैसे से वित्तपोषित होते हैं। हम अमेरिकी सरकार से आग्रह करते हैं कि इस रिपोर्ट के योगदानकर्ताओं की पृष्ठभूमि की सख्त जांच कराई जाए।'

उन्होंने आगे कहा, इससे अमेरिकी करदाताओं को यह समझने में मदद मिलेगी कि उनके पैसे का इस्तेमाल ऐसी पूर्वाग्रह से भरी हुई और बेबुनियाद रिपोर्ट बनाने में किया जा रहा है, जिसका मकसद कुछ भारत-विरोधी छिपे हुए एजेंडा को आगे बढ़ाना है। बयान में यह भी कहा गया, यूएससीआईआरएफ कई बार भारतीय संस्थानों और आरएसएस जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों को बिना पर्याप्त संदर्भ के नकारात्मक रूप से पेश करता है। इसमें कहा गया, यह प्रवृत्ति विश्लेषण में संतुलन की कमी को दर्शाती है। आरएसएस की जमीनी स्तर पर मजबूत मौजूदगी और समाज सेवा व राष्ट्र निर्माण में योगदान को देखते हुए आलोचना हो सकती है। लेकिन यह ठोस सबूत और सही संदर्भ पर आधारित होनी चाहिए, न अनुमानों के आधार पर लगाए आरोपों पर।

दूध वाले ने कर डाली 60,000 करोड़ की ठगी!

सहारा की तरह मिडिल क्लास को बनाया निशाना, क्या लोगों को वापस मिलेगा पैसा

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारत में बड़े-बड़े घोटालों की लिस्ट में जब भी नाम आता है, तो एक नाम जरूर सुनाई देता है निर्मल सिंह भंगू और उनका पीएसीएल (पर्ल एग्रोटेक कॉरपोरेशन लिमिटेड) स्कैम. एक साधारण दूध बेचने वाला व्यक्ति, जो पंजाब के छोटे से गांव बेला से था, कैसे करोड़ों लोगों की जमा-पूंजी लूटकर देश की अर्थव्यवस्था को हिला सकता है?

यह लालच, धोखे और लाखों परिवारों की टूटी उम्मीदों का मामला है. अब एक बार फिर यह मामला सुर्खियों में है, क्योंकि 20 मार्च 2026 को ईडी ने बड़ी कार्रवाई की. ईडी ने कुल 22,656.91 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त किया है. ईडी का कहना है कि यह एक ही मामले में अब तक की सबसे बड़ी अटैचमेंट है और एजेंसी के इतिहास

की सबसे बड़ी कार्रवाई है। एक दूध बेचने वाला व्यक्ति जिसने 60,000 करोड़ के घोटाले को अंजाम देकर पूरे देश की इकोनॉमी को ही हिला कर रख दिया, जब भी देश में बड़े-बड़े घोटालों की बात आती है तो इस व्यक्ति और स्कैम का नाम भी जरूर आता है. करोड़ों रुपये के इस घोटाले ने निवेशकों की नींद उठा दी. हम बात कर रहे हैं पीएसीएल यानी पर्ल एग्रोटेक कॉरपोरेशन लिमिटेड स्कैम को दूध बेचने वाले निर्मल सिंह भंगू ने अंजाम दिया था. ये मामला अब एक बार फिर यह मामला सुर्खियों में है, क्योंकि 20 मार्च 2026 को ईडी ने बड़ी कार्रवाई की. ईडी ने पंजाब और दिल्ली में पीएसीएल से जुड़ी 126 अचल संपत्तियां जब्त कीं, जिनकी कीमत 5,046.91 करोड़ रुपये है. इस एक्शन के साथ इस केस में कुल जब्त संपत्तियों का मूल्य बढ़कर 22,656.91 करोड़ रुपये हो गया है. ईडी का कहना है कि यह एक ही मामले में अब तक की सबसे बड़ी अटैचमेंट है और ये एजेंसी के इतिहास की सबसे बड़ी कार्रवाई.

इस घोटले की शुरुआत पंजाब के रूपनगर जिले के बेला गांव में रहने वाले निर्मल सिंह भंगू ने की. वह दूध का कारोबार करते था. 1990 के दशक में उन्होंने पीएसीएल लिमिटेड शुरू की. कंपनी ने खुद को कृषि भूमि बेचने और विकसित करने वाली फर्म बताया. लोग छोटी-छोटी किस्तों में या कैश में पैसे देते थे, और बदले में कृषि जमीन का प्लॉट मिलने का वादा किया जाता था. कंपनी जिस जमीन में निवेश का दावा करती थी, उसके कोई पुख्ता कागज या सेल डीड निवेशकों को नहीं दिखाए जाते थे. लोगों को सिर्फ एक साधारण रिसीट दी जाती थी, जो असल में ज्यादा भरोसेमंद नहीं होती थी.

बंद कमरे से मिली 5 लाशें, इलाज के लिए कोच्चि आया था पूरा परिवार

तिरुवनंतपुरम, 21 मार्च (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि से दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। शहर के वडुथला इलाके में एक किराए के मकान में एक ही परिवार के पांच लोग मृत पाए गए हैं। मृतकों में दो महिलाएं और तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। शुरुआती जांच में पुलिस इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला मान रही है। अंदेशा जताया जा रहा है कि पहले परिवार के बड़ों ने बच्चों की जान ली, इसके बाद खुद भी मौत को गले लगा लिया।

इलाज के लिए आए थे कोच्चि

पुलिस के मुताबिक, मृतक परिवार मूल रूप से तिरुवनंतपुरम का रहने वाला था। परिवार पिछले कुछ महीनों से वडुथला में एक किराए के मकान में रह रहा था। बताया जा रहा है कि वे परिवार के किसी सदस्य का पास के ही एक निजी अस्पताल में इलाज कराने के सिलसिले में यहां आए थे। मृतकों की पहचान कनकलता और उनकी बेटी अश्वथी के रूप में हुई है। बाकी तीन मृतक अश्वथी के ही बच्चे थे।

अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि आखिर कमरे में पांच लोगों की मौत के बारे में पता कैसे चला? एर्नाकुलम नॉर्थ पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने कहा कि यह परिवार शुक्रवार से ही घर से बाहर नहीं निकला था। मकान मालिक को जब सबकुछ ठीक नहीं लगा तो, उन्होंने घर जाकर देखा। अंदर का नजारा देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। पांचों सदस्यों के शव घर के भीतर ही पड़े थे।

सीएपीएफ कैडर को 16 साल बाद भी नहीं मिल पा रहा प्रमोशन!

डेपुटेशन पर आईपीएस अफसरों की तैनाती से भी नाराजगी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) यानी सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी में इन दिनों कैडर अधिकारियों के प्रमोशन में देरी और आईपीएस अधिकारियों के डेपुटेशन पर आकर अहम पद संभालने को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस मुद्दे को लेकर शुक्रवार को 'अलायंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन' (एएपीडब्ल्यूए) ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एसोसिएशन ने 23 मार्च को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण धरना देने का ऐलान किया है। साथ ही 'ऑर्गनाइज्ड ग्रुप-ए सर्विस' का दर्जा देने और 'ओल्ड पेंशन स्कीम' लागू करने की मांग की है।

'16 साल बाद भी पहला प्रमोशन नहीं'

सीएपीएफ अधिकारियों के इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाने वाले एएपीडब्ल्यू एसोसिएशन के अध्यक्ष और सीआरपीएफ के रिटायर्ड एडीजी एच. आर. सिंह के मुताबिक, सीएपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट के तौर पर भर्ती हुए अधिकारियों को 16 साल की नौकरी के बाद भी पहला प्रमोशन नहीं मिल पा रहा है। इसके उलट 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी करीब 14 साल की सेवा में ही डीआईजी बन चुके है और सीएपीएफ में सीधे इस पद पर तैनात हो रहे हैं। करीब 13 हजार सीएपीएफ कैडर अधिकारी अलग-अलग रैंक में प्रमोशन रुकने की समस्या से जूझ रहे हैं। उनका कहना है कि सीएपीएफ को भी बाकी 57 ग्रुप-ए सेवाओं की तरह ओजीएएस का दर्जा मिलना चाहिए, जो अभी तक नहीं मिला है।

'यह सीएपीएफ बनाम आईपीएस की लड़ाई नहीं'

सीआरपीएफ की कोबरा विंग के रिटायर्ड आईजी कमल कांत शर्मा ने कहा कि यह सीएपीएफ बनाम आईपीएस की लड़ाई नहीं है। सीएपीएफ में करीब 700 आईपीएस अधिकारी है, जबकि सीएपीएफ कैडर अधिकारियों की संख्या 13 हजार से ज्यादा है। एक्सपर्ट का मानना है कि समय पर कैडर रिव्यू नहीं होने से ऊंचे पदों की संख्या सीमित रह गई है, जिससे प्रमोशन में देरी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस विवाद में सबसे अहम भूमिका निभाने वाले जवानों की अनदेखी हो रही है, जिनकी संख्या करीब 15 लाख है। बीएसएफ के रिटायर्ड डीआईजी धर्मेंद्र और एएपीडब्ल्यूए के जनरल सेक्रेटरी रणवीर सिंह का कहना है कि कई कमिटी और सुप्रीम कोर्ट सीएपीएफ के पक्ष में फैसला दे चुके हैं।

बीएसएफ के रिटायर्ड एडीजी संजीव कृष्ण सूद के अनुसार, करीब 13 साल की कानूनी लड़ाई के बाद 23 मई 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने सीएपीएफ के पक्ष में फैसला दिया था। इसके बावजूद सरकार ने रिव्यू पिटीशन दाखिल की, जिसे 28 अक्टूबर 2025 को खारिज कर दिया गया।

वेयरहाउस मैनेजर खुदकुशी मामले में मंत्री लालजीत भुल्लर का इस्तीफा, सीएम मान ने दिए जांच के आदेश

अमृतसर, 21 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने शनिवार सुबह इस्तीफा दे दिया। यह घटना पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (पीडब्ल्यूसी) के एक अधिकारी की कथित आत्महत्या के कुछ ही घंटों बाद हुई। अधिकारी ने आत्महत्या से पहले भुल्लर पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भुल्लर से इस्तीफा मांगा और कैबिनेट से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। साथ ही, उन्होंने मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा को आरोपों की जांच

करने का निर्देश दिया। मान के एक प्रवक्ता ने कहा, "मुख्यमंत्री लापरवाही के प्रति जीरो टॉलरेंस रखते हैं। जांच अभी चल ही रही है, लेकिन कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है।"

यह घटनाक्रम तब सामने आया जब अमृतसर में तैनात पीडब्ल्यूसी के जिला प्रबंधक गगनदीप रंधावा ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद सामने आए एक वीडियो में, उन्होंने कथित तौर पर दावा किया कि उन्होंने भुल्लर के डर से यह कदम उठाया है और संकेत दिया कि वह अब जिंदा नहीं बचेंगे। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया।

बाबा विश्वनाथ को शहनाई बजाकर जगाते थे उस्ताद

जयंती विशेष : कुछ ऐसा रहा बिस्मिल्लाह खान का सुरीला सफर

बक्सर, 21 मार्च (एजेंसियां)। जब तक रहे, बाबा विश्वनाथ को शहनाई बजाकर ही जगाते रहे उस्ताद बिस्मिल्लाह खां। शहनाई के सम्राट भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां ने दुनिया को अपनी शहनाई की धुन से मुरीद किया था। शहनाई को ग्लोबल स्टेज पर ले जाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। भारतीय संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत रत्न का सम्मान भी मिला। उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का जन्म 21 मार्च 1916 को बिहार के डुमरांव (बक्सर) में हुआ था। भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां जब तक रहे, बाबा विश्वनाथ को शहनाई बजाकर जगाया करते थे।

बाबा विश्वनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा

भारतीय शास्त्रीय संगीत के उस्ताद बिस्मिल्लाह खां एक ऐसे शाइनिंग स्टार हैं, जिनकी शहनाई की गूंज ने सरहदों को पार कर पूरी दुनिया को अपना मुरीद बना लिया। आज उनकी जयंती के अवसर पर देश उन्हें याद कर रहा है। बिहार की मिट्टी में जन्मे इस महान कलाकार ने न केवल एक लोक वाद्ययंत्र 'शहनाई' को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित किया, बल्कि अपनी सादगी और भक्ति से मानवता की मिसाल भी पेश की। उनके सुरों में बनारस की सुबह, गंगा की लहरें और बाबा विश्वनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा रची-बसी थी, जो आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित है।

संगीत के प्रति उनकी अटूट सेवा और भारतीय संस्कृति को समृद्ध करने के लिए उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिले। उनकी जयंती पर आज पूरा देश इस महान विभूति को नमन कर रहा है।

डुमरांव से शुरू हुआ संगीत का सफर

उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का जन्म 21 मार्च 1916 को बिहार के डुमरांव के एक संगीतकार परिवार में हुआ था। बचपन से ही संगीत के माहौल में पले-बढ़े उस्ताद ने अपनी कड़ी मेहनत और रियाज से शहनाई वादन में वह मुकाम हासिल किया, जिसकी कल्पना करना भी कठिन था। उनकी कला में बिहार की सादगी साफ झलकती थी। एक समय में शहनाई को केवल मांगलिक कार्यों या शादियों का वाद्ययंत्र माना जाता था। लेकिन बिस्मिल्लाह खां ने अपनी जादुई उंगलियों और फूंक से इसे शास्त्रीय संगीत के ऊंचे मंचों तक पहुंचाया। आज अगर दुनिया भर में शहनाई का सम्मान है, तो उसके पीछे उस्ताद का दशकों का कड़ा संघर्ष और समर्पण है।

बिहार के मुख्यमंत्री ने उस्ताद खां को दी श्रद्धांजलि

उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की श्रद्धा बाबा विश्वनाथ के प्रति अटूट थी। सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब का सबसे बड़े प्रतीक माने जाते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में अपने अतुलनीय योगदान के लिए महान शहनाई वादक भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'शहनाई के जादूगर भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला ख़ाँ की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन।' केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'संगीत के अनन्य सेवक, महान शहनाई वादक, 'भारत रत्न' उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूं! शहनाई आपके बिना अधूरी है, इसकी मीठी धुन सदैव आपकी स्मृतियों को हम सबके हृदय में अक्षुण्ण बनाए रखेगी।'

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी किया याद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय शास्त्रीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाने वाले शहनाई के महान साधक 'भारत रत्न' उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। संगीत के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव को सशक्त करने में उनका योगदान अतुलनीय है। उनकी कला और साधना सदैव प्रेरणा देती रहेगी।' मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां काशी और देश की सांस्कृतिक चेतना के जीवंत स्वर थे।

ब्राह्मणों के खिलाफ हेट स्पीच को दंडनीय अपराध मानने की गुहार

जस्टिस नागरत्ना बोलीं-दूसरों के लिए क्यों नहीं?

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ब्राह्मणों के खिलाफ नफरती भाषणों को जाति-आधारित भेदभाव के रूप में दंडनीय अपराध मानने की गुहार को खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि ब्राह्मण क्या, हम तो किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण नहीं चाहते है। कोर्ट ने कहा कि कई बार लोग तभी आवाज उठाते हैं, जब अपने समुदाय को निशाना बनाया जाता है, जो सही नहीं है। नफरत के खिलाफ लड़ाई सिर्फ अपने समुदाय तक सीमित न हो। यह सभी के लिए होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

याचिकाकर्ता महालिंगम बालाजी ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की थी कि ब्राह्मणों के खिलाफ नफरती भाषण पर तुरंत कानूनी कार्रवाई हो। एजेंसियां जांच करें कि क्या कोई संगठित अभियान चलाया जा रहा है, जिसका मकसद ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरत या हिंसा फैलाना है। कोर्ट ने इस पर सुनवाई से इनकार करते

हुए याचिका वापस लेने की मंजूरी दी। हम नहीं चाहते कि देश में किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण हो। यह शिक्षा, बौद्धिक विकास, सहिष्णुता और धैर्य पर निर्भर करता है। जब सभी भाईचारे का पालन करेंगे, तो स्वतः ही नफरती भाषण का कोई स्थान नहीं रहेगा। पीठ ने कहा, '(शीर्ष अदालत के समक्ष) खुद उपस्थित हुए याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी है। उनका यह अनुरोध रिकॉर्ड पर दर्ज किया जाता है और रिट याचिका वापस लिया हुआ मानकर खारिज की जाती है।'

सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति नगरत्ना ने सवाल किया कि किसी विशेष समुदाय को केवल अपने खिलाफ नफरती भाषण से सुरक्षा क्यों चाहिए, दूसरों के लिए क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि किसी को भी नफरती भाषण में शामिल नहीं होना चाहिए और याचिकाकर्ता विशेष मामलों को उचित मंचों पर उठा सकते हैं, लेकिन न्यायपालिका के समक्ष नहीं। जब बालाजी ने कहा कि न्यायपालिका को भी सोशल मीडिया पर निशाना बनाया जा रहा है, तो पीठ ने कहा कि उसे न्यायपालिका के खिलाफ झूठे हमलों की चिंता नहीं है।

म्यांमार को मिला रूसी सुखोई-30 फाइटर जेट

अमेरिका समर्थित विद्रोहियों की आएगी शामत

नेपीडॉ, 21 मार्च (एजेंसियां)। रूस ने म्यांमार की वायुसेना को एसयू-30एसएमई लड़ाकू विमानों की डिलीवरी दे दी है। इन विमानों की डिलीवरी उस वक्त दी गई है जब अमेरिका म्यांमार के अंदर विद्रोही गुटों को भड़का रहा है। इसी महीने भारत की एनआईए ने म्यांमार की सीमा से घुसने वाले कम से कम 7 एजेंट्स को गिरफ्तार किया था। इनमें से 6 यूक्रेन के हैं और एक अमेरिका के। इन पर आरोप लगाया गया है कि इन्होंने भारत में टूरिस्ट वीजा पर प्रवेश किया था लेकिन बिना इजाजत मिजोरम के प्रतिबंधित क्षेत्रों में गए और वहां से अवैध रूप से म्यांमार की सीमा पार की।

म्यांमार में पिछले 5 सालों से गृहयुद्ध चल रहा है और सेना के खिलाफ कई विद्रोही गुटों ने हथियार उठा लिए हैं। गिरफ्तार किए गये लोगों पर आरोप है कि इन्होंने विद्रोही गुटों को ड्रोन हमला करने की ट्रेनिंग दी है। 18 मार्च को 'ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' ने बताया है कि आखिरी दो विमान, जिनके टेल नंबर '1901' और '1902' हैं, उन्हें मेइक्तिला एयर बेस पर आयोजित एक समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर म्यांमार सेना को सौंप दिया गया।

एसयू-30एसएमई एक बहुत ताकतवर और भारी हथियार उठाने वाला विमान है। भारत इसी का एक वैरिएंट एसयू-30एमकेआई ऑपरेट करता है जिससे ब्रह्मोस जैसी भारी मिसाइल दागी जाती है। म्यांमार की सेना ने जनवरी 2018 में रूस की सरकारी हथियार निर्यातक कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ छह एसयू-30एसएमई लड़ाकू विमान खरीदने के लिए डील की थी। इन विमानों का निर्माण इरकुत्स्क एविएशन प्लांट ने किया गया है जो रोस्टेक के तहत रूस के यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन का हिस्सा है। इस डील के मुताबिक इन 6 विमानों की कुल कीमत करीब 400 मिलियन डॉलर है और बताया जाता है रूस के ही एक सरकारी बैंक ने इसके लिए म्यांमार को ऋण दिया था।

इन विमानों की डिलीवरी 2022 में शुरू हुई थी और उसके बाद के विमान अलग-अलग चरणों में सौंपे गए। इससे पहले दिसंबर 2023 में दो अतिरिक्त विमानों की डिलीवरी की गई थी जबकि अंतिम दो विमान कथित तौर पर पहले ही पहुंच चुके थे लेकिन उन्हें हाल ही में आयोजित एक समारोह के दौरान ही औपचारिक रूप से सेवा में शामिल किया गया है। हमारी जानकारी के मुताबिक म्यांमार इकलौता देश है जो एसयू-30एसएम का इस्तेमाल कर रहा है। एसयू-30एसएमई एक डबल इंजन वाला मल्टी रोल लड़ाकू विमान है। ये एक 4+ पीढ़ी का फाइटर जेट है।

म्यांमार ने इससे पहले पाकिस्तान से जेएफ-17 फाइटर जेट खरीदा था लेकिन वो बुरी तरह से नाकाम हो गया। पाकिस्तान इस विमान के लिए स्पेयर पार्ट्स और मेंटिनेंस देने में नाकाम रहा था जिसके बाद म्यांमार की सेना ने पाकिस्तानी जेट पर गहरी आपत्ति जताते हुए उसे ग्राउंड कर दिया था।

इसके बाद ही रूसी विमान खरीदने की कोशिश तेज की गई। इस फाइटर जेट की पेलोड क्षमता करीब 8 टन तक है और ये सभी प्रकार की हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलें लेकर उड़ान भरने में सक्षम है।

हालांकि म्यांमार की सेना की जरूरत उतनी ज्यादा नहीं है।

1 एकड़ में 2 करोड़ की अफीम जब्त

तरबूज-ककड़ी बताकर खेती झारखंड से 10 साल पहले आया था दोस्तों संग मिलकर कारोबार किया

रायगढ़, 21 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में करीब एक एकड़ में अफीम के पौधे लगाए गए थे। जिसका पुलिस ने खुलासा किया है। आरोपी ने रायगढ़ में ही 10 साल पहले शादी की। किसान से तरबूज और ककड़ी उगाने के लिए खेत लिया। इसके बाद ससुराल में रहकर दोस्तों के साथ मिलकर अफीम का कारोबार शुरू कर दिया। यह मामला तमनार थाना क्षेत्र के आमाघाट इलाके का है। पुलिस ने झारखंड के खूंटी जिले के रहने वाले मार्शल सांगा (40) को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने साथियों के साथ पाझर नाला के पास अफीम की खेती कर रहा था। वहीं, कांग्रेस का एक जनप्रतिनिधि मंडल मौके पर पहुंचा और सरकार पर सवाल उठाए हैं। पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव ने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कांग्रेस ने इस पर बीजेपी का संरक्षण होना बताया है। इस पूरे मामले में 60,326 अफीम पौधे (2,877 किलो) और 3 किलो तैयार अफीम जब्त हुई है।

60 साल में पहली बार अल-अक्सा मस्जिद ईद में बंद

तेल अवीव/तेहरान, 21 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में आज ईद मनाई जा रही है। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पिछले 22 दिनों से जंग चल रही है। ऐसे में 60 साल में पहली बार इजराइल के यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को ईद की नमाज के लिए बंद कर दिया गया है। 1967 के अरब-इजराइल युद्ध के बाद पहली बार है, जब अल-अक्सा को पूरी तरह बंद किया गया है। यह मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना के बाद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है।

ईरान में शुक्रवार को ईद मनाया गया। इस मौके पर बाजार वीरान नजर आए। वहीं कतर, यूएई और कुवैत जैसे खाड़ी देशों में आज ईद मनाया जा रहा है। जंग की वजह से इन देशों में खुले मैदानों में नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी गई है। ईरान में इस बार ईद उल फित्र का त्योहार जंग और तनाव के साये में मनाया गया। रमजान खत्म होने के बाद देशभर में लोगों ने मस्जिदों और धार्मिक स्थलों पर नमाज अदा की। युद्ध और हमलों के कारण कई जगहों पर जश्न सादगी से मनाया गया। बाजारों में भी रौनक कम रही और कई दुकानें बंद दिखीं। 28 फरवरी से अमेरिका और इजराइल के ईरान के खिलाफ शुरू हुए युद्ध के बाद, सुरक्षा कारणों से इजराइली अधिकारियों ने यरुशलम में आम लोगों की एंट्री बंद कर रखी है। सिर्फ वहां रहने वाले लोग या दुकानदार ही अंदर जा सकते हैं।

6 मार्च से वेस्टर्न वॉल, अल-अक्सा मस्जिद और चर्च ऑफ द होली सेपल्कर जैसे सभी धार्मिक स्थल बंद हैं। पूरे देश में भीड़ पर भी पाबंदी है। मस्जिद के अंदर 100 और बाहर 50 लोगों तक ही इकट्ठा होने की अनुमति है।

यरुशलम के पुराने शहर के गेट पर शुक्रवार को ईद-उल-फित्र की नमाज के दौरान सैकड़ों मुस्लिम नमाजियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। नमाजी 'अल्लाहु अकबर' और कलमा पढ़ते हुए गेट के अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने सैकड़ों लोगों को जबरदस्ती हटाया।

यूएई में ईद-उल-फितर के मौके पर शुक्रवार से सोमवार तक 4 दिन की छुट्टी का ऐलान किया गया है। पूरे देश में बाजार, मॉल और सार्वजनिक जगहों पर लाइटिंग और सजावट की गई और लोगों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था पहले से ज्यादा कड़ी कर दी गई है।

स्टेशन से घर तक पहुंचने की झंझट खत्म

अब ट्रेन टिकट के साथ ही बुक कर सकेंगे टैक्सी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। अब यात्रियों को स्टेशन पर उतरने के बाद आटो,टैक्सी खोजने की जरूरत नहीं होगी। क्योंकि रेलवे भारत टैक्सी के साथ समझौता करने जा रहा है। इसके तहत यात्री ट्रेन टिकट के साथ ही टैक्सी भी बुकिंग भी कर सकेंगे।

रेलवे मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, टिकट बुकिंग के दौरान यात्रियों को जिस स्टेशन पर उतरना है वहां से आगे की यात्रा का विकल्प मिलेगा। इसमें भारत टैक्सी का विंडो होगा। जिससे स्टेशन पर ही यात्रियों को भारत टैक्सी मिल जाएगी। लेकिन इस सुविधा का फायदा उन्हीं यात्रियों को मिलेगा। जिनका टिकट कंफर्म है। इससे समय और मेहनत दोनों बचेंगे।

इस सुविधा को देशभर में लागू करने की योजना है। लेकिन पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह अभी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लागू की जाएगी। इसके बाद देश के अन्य स्टेशनों पर इसे लागू किया जाएगा।

दअरसल, रेल वन एक सुपर एप की तरह काम करता है। इस रेल मंत्री ने पिछले साल लांच किया था। लॉन्चिंग के बाद महज 8 महीने से भी कम समय में इस एप्लीकेशन को 2 करोड़ से अधिक लोगों ने डाउनलोड किया है। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र द्वारा तैयार किया गया यह ऐप तेजी से डाउनलोड किया जा रहा है और इससे प्रतिदिन करीब 6 लाख टिकट की बुकिंग हो रही है।

रेलवे के एक अधिकारी का कहना है, रेल वन ऐप को एकीकृत डिजिटल गेटवे के रूप में डिजाइन किया गया है। इससे आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन इंक्वायरी और पीएनआर स्टेटस जैसी सेवाओं को एक ही इंटरफेस में एकीकृत करता है। यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए रेलवे ऐप को भारत टैक्सी के साथ इंटीग्रेटेड किया जा रहा है।

इस इंटीग्रेशन का उद्देश्य स्टेशन परिसर के बाहर अफरा तफरी को कम करना, पैसेंजर की यात्रा को सुविधाजनक बनाना और एक भरोसेमंद, पारदर्शी लास्ट माइल ट्रांसपोर्ट विकल्प देना है।

युद्ध के बीच ईरान की 'तेल कूटनीति'

होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी पाबंदी फेल, धड़ल्ले से निकल रहे ईरानी टैंकर

तेहरान, 21 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमलों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पिछले कई हफ्तों से बंद है। इस कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। हालांकि, इस युद्ध की शुरुआत से पहले अमेरिका ने यह मान लिया था कि ईरान खुद बड़ा तेल उत्पादक देश है। ऐसे में वह खुद के तेल निर्यात रुकने के डर से होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने से हिचकिचाएगा, लेकिन उसका यह अनुमान गलत साबित हुआ है। ईरान आज भी भारी मात्रा में तेल का निर्यात इसी रास्ते से कर रहा है। जबकि, अमेरिका के साथी देशों के लिए यह जलडमरूमध्य पूरी तरह से बंद है। होर्मुज जलडमरूमध्य से आम तौर पर दुनिया के कुल तेल उत्पादन का पांचवां हिस्सा गुजरता है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अमेरिका के मित्र देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखने का दावा दोहराया है। 28 फरवरी के बाद से इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की संख्या में भारी कमी आई है। इस क्षेत्र में कम से कम 16 जहाजों पर ड्रोन या अन्य हथियारों से हमले हुए हैं, और इनमें से कुछ हमलों की जिम्मेदारी ईरान ने ली है। लेकिन ईरान खुद इस जलडमरूमध्य से लगभग उतनी ही मात्रा में तेल भेज रहा है जितनी युद्ध शुरू होने से पहले भेजता था। इससे ईरान को अपनी अर्थव्यवस्था और युद्ध प्रयासों को जारी रखने के लिए बेहद जरूरी नकद पैसा मिल रहा है। टैंकर ट्रैकिंग डेटा और सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार, ईरानी कच्चा तेल होर्मुज जलडमरूमध्य से लगातार गुजरता रहा है, जबकि इसी संघर्ष के कारण पास के फारस की खाड़ी के देशों से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। 'Kpler' के डेटा के अनुसार, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान 12 मिलियन बैरल तेल निर्यात करने में सफल रहा है। समुद्री खुफिया जानकारी देने वाली कंपनी 'TankerTrackers' का अनुमान तो इससे भी ज्यादा है। उन्होंने अनुमान लगाया है कि युद्ध के पहले दो हफ्ते में ईरान ने 13.7 मिलियन बैरल कच्चे तेल का निर्यात किया है।

ये आंकड़े बताते हैं कि ईरान हर दिन लगभग 1 मिलियन बैरल (bpd) तेल भेजने में कामयाब हो रहा है। 'Kpler' के डेटा के अनुसार, पिछले साल ईरान का औसत निर्यात 1.69 मिलियन bpd था। ऐसा लगता है कि अमेरिका ने ईरानी टैंकरों को रोकने की कोई कोशिश नहीं की है, जबकि उसने ईरान की नौसेना के एक बड़े हिस्से को तबाह कर दिया है। अमेरिका ने तेल से जुड़े बुनियादी ढांचे-जैसे रिफाइनरी, पाइपलाइन और भंडारण टैंक-को निशाना बनाने से भी बड़े पैमाने पर परहेज किया है।

बिजली गिरने से मजदूर की मौत

रायपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। जशपुर जिले के दुलदुला में बिजली गिरने से मजदूर सनऊ राम (51) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 25 वर्षीय रेखा घायल हो गईं, जिन्हें इलाज के बाद खतरे से बाहर बताया गया है। सनऊ अपने परिवार के साथ ईंट भट्ठे में मजदूरी के लिए आया था और अस्थायी मकान में रह रहा था। वह मूल रूप से सक्ती जिले के ग्राम डोमा का निवासी था।

वहीं दूसरी ओर रायगढ़ में बिलासपुर जलाशय का गेट टूटने से पानी एनएच और पास के खेतों में फैल गया जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत हुई। प्रशासन की टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर पानी का बहाव रोकने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने सिंचाई के लिए गेट खोला था, जबकि लंबे समय से गेट की मरम्मत और देखभाल नहीं होने के कारण उसकी खराब हालत भी इस घटना की एक बड़ी वजह मानी जा रही है। बता दें कि प्रदेश में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है।

आसिम मुनीर की शिया धर्मगुरुओं को धमकी

बोले— ईरान से मोहब्बत तो वहीं चले जाओ, पाक आर्मी चीफ शिया इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे

इस्लामाबाद, 21 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने गुरुवार को शिया धर्मगुरुओं से कहा कि जो लोग ईरान से इतना प्यार करते हैं, वे वहां चले जाएं। उनके इस बयान को शिया समुदाय के नेताओं ने अपमानजनक और भड़काऊ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनीर ने रावलपिंडी में शिया समुदाय की एक इफ्तार पार्टी में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे किसी को भी, किसी दूसरे देश के लिए अपनी वफादारी की वजह से, पाकिस्तान में अफरा-तफरी फैलाने की इजाजत नहीं देंगे।

इससे पहले उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि किसी दूसरे देश की घटनाओं के आधार पर पाकिस्तान में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बयान के बाद शिया समुदाय का कहना है कि यह उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाने जैसा है। उनका मानना है कि यह बयान उनकी धार्मिक भावनाओं और पहचान को गलत तरीके से पेश करता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक के बाद उलेमाओं से कहा गया था कि डिनर के बाद फिर से बातचीत होगी। लेकिन जनरल मुनीर अचानक कार्यक्रम छोड़कर चले गए। इससे शिया नेताओं को लगा कि उनके साथ न सिर्फ औपचारिक बल्कि व्यक्तिगत तौर पर भी अपमान किया गया है।

शिया समुदाय के नेताओं ने इस विवाद के बाद कहा कि उनकी वफादारी पाकिस्तान और इस्लाम दोनों के प्रति है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान के निर्माण में शिया समुदाय का अहम योगदान रहा है। देश के कई बड़े नेता और संसाधन इस समुदाय से जुड़े रहे हैं।

शिया नेताओं का कहना है कि मक्का, मदीना, इराक और ईरान जैसे धार्मिक स्थलों से उनका जुड़ाव उनकी आस्था का हिस्सा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी देशभक्ति कम है। उन्होंने साफ कहा कि धार्मिक संबंधों को देशभक्ति से जोड़कर देखना गलत है।

शिया धर्मगुरुओं का कहना है कि मुनीर के बयान से ऐसा लगा कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान में हुए विरोध प्रदर्शनों के लिए शिया समुदाय को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

बैठक में मौजूद शिया नेताओं ने कहा कि मुनीर ने गिलगित-बाल्टिस्तान में हुई अशांति को सीधे शिया लीडरशिप से जोड़ दिया और पूरे समुदाय को जिम्मेदार ठहराया।

ईरान ने भारत वाली 'रूसी मिसाइल' से किया अमेरिकी एफ-35 का शिकार?

चीनी विशेषज्ञों ने खोला राज

बीजिंग, 21 मार्च (एजेंसियां)। ईरान ने अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान पर हमला कर दुनिया को चौंका दिया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी देश ने स्टील्थ टेक्नोलॉजी से लैस एफ-35 लड़ाकू विमान को निशाना बनाया है। अमेरिका का दावा है कि एफ-35 लड़ाकू विमान को दुनिया का कोई भी रडार सिस्टम डिटेक्ट नहीं कर सकता। लेकिन, हाल में ही अमेरिका ने खुद ईरान ने एफ-35 पर हमले के दावे की पुष्टि की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया है कि गुरुवार को ईरान के ऊपर एक युद्धक मिशन के दौरान उसके एफ-35 को आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। ऐसे में चीनी विशेषज्ञों ने बताया है कि आखिर ईरान ने अभेद्य माने जाने वाले अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-35 पर कैसे निशाना साधा। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट से बात करते हुए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) के रिटायर्ड कर्नल और सैन्य कमेंटेटर यू गैंग ने कहा कि अमेरिकी एफ-35 को शायद मामूली नुकसान पहुंचा होगा। इस कारण उसकी कुछ बुनियादी कार्यक्षमताएं बरकरार रही होंगी। तेहरान द्वारा जारी किए गए हमले की इन्फ्रारेड तस्वीरों का हवाला देते हुए, उन्होंने अनुमान लगाया कि जमीनी तोपखाने की गोलाबारी से यह नुकसान होने की संभावना कम है।

यू ने आगे कहा कि यह फैक्ट भी कि एफ-35 लड़ाकू विमान आपातकालीन लैंडिंग करने में सक्षम था। यह दर्शाता है कि उसे रूसी निर्मित एस-300 जैसी पारंपरिक हवाई रक्षा प्रणाली से निशाना नहीं बनाया गया था। उन्होंने कहा, क्योंकि अगर यह कोई जाना-पहचाना एयर डिफेंस सिस्टम होता, तो यह रडार गाइडेंस का इस्तेमाल करता, न कि इंफ्रारेड गाइडेंस का। और ऐसे सिस्टम से लॉन्च की गई मिसाइलें काफी ताकतवर होतीं; अगर वे किसी एयरक्राफ्ट से टकरातीं, तो आम तौर पर वह वापस नहीं लौट पाता।

उन्होंने आगे कहा, "मेरा अंदाजा है कि एफ-35 पर हमला करने वाली मिसाइल शायद एक मॉडिफाइड एयर-टू-एयर मिसाइल थी, जो इंफ्रारेड-गाइडेड सीकर का इस्तेमाल कर रही थी।"

खबरों के मुताबिक, ईरान ने 1990 के दशक में, जब उसने रूसी एमआईजी-29 फाइटर जेट्स खरीदे थे, उसी समय रूस से R-27T एयर-टू-एयर मिसाइलें भी इंपोर्ट की थीं।

ट्रम्प ने नाटो देशों को कायर बताया

बोले- अमेरिका के बिना वे कागजी शेर जंग में साथ नहीं दिया इसे याद रखेंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध में साथ न देने पर नाटो सहयोगी देशों पर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने कहा है कि नाटो देश कायर हैं और अमेरिका के बिना यह गठबंधन सिर्फ कागजी शेर है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, वे न्यूक्लियर ताकत वाले ईरान को रोकने की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते थे। अब जब यह लड़ाई सैन्य रूप से जीत ली गई है, तो वे तेल की ऊंची कीमतों की शिकायत कर रहे हैं।

ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट का जिक्र करते हुए कहा कि इसे खुला रखने के लिए सैन्य मदद देना आसान है, लेकिन सहयोगी देश इसमें भी पीछे हट रहे हैं।

उन्होंने कहा, "यह बहुत आसान सैन्य कदम है, जिसमें बहुत कम जोखिम है, लेकिन वे मदद नहीं करना चाहते। कायर हैं, और हम इसे याद रखेंगे।"

धनबाद-गिरिडीह में बारिश के साथ ओलावृष्टि

रांची, 21 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में शनिवार को भी मौसम का मिजाज बदला रहा और दोपहर बाद कई जिलों में बारिश हुई। रांची, धनबाद, गिरिडीह और बोकारो में अच्छी खासी बारिश दर्ज की गई। वहीं, धनबाद और गिरिडीह में तेज ओलावृष्टि भी हुई।

मौसम विभाग ने शनिवार को भी राज्य के कई जिलों में तेज हवा (40-50 किमी प्रतिघंटा), ओलावृष्टि और वज्रपात की आशंका जताई है।

मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है, जबकि पहले से ऑरेंज अलर्ट भी प्रभावी रहा। लोगों को सतर्क रहने और खुले स्थानों पर न जाने की सलाह दी गई है। इधर, शुक्रवार को सहित राज्य के कई हिस्सों में दोपहर बाद तेज हवा के साथ बारिश हुई और देर रात तक बूंदाबांदी जारी रही। आसमान में काले बादल छाए रहे। कोडरमा में सबसे अधिक 31 मिमी, जमशेदपुर में 12 मिमी, मेदिनीनगर में 10 मिमी, गुमला में 5 मिमी और हजारीबाग में 5 मिमी बारिश हुई। रांची में करीब 2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

कई इलाकों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की घटनाएं दर्ज की गईं। इस बदले मौसम ने जहां लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दी, वहीं कई जगहों पर यह जानलेवा साबित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार साइक्लोनिक सर्कुलेशन के प्रभाव से पूरे राज्य में यह बदलाव देखने को मिला।

वज्रपात की घटनाओं में हजारीबाग, चतरा और पलामू जिलों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हजारीबाग के कटकमसांडी और पत्थलगड्डा क्षेत्र के सीमावर्ती गांव जेहरा में संजय भुइयां अपनी दो पत्नियों पूनम देवी और कल्याणी देवी के साथ वज्रपात की चपेट में आ गए।

अस्पताल में दोनों महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि संजय का इलाज जारी है। चतरा के बंदरचुवा गांव में महुआ चुनने के दौरान शमा परवीन की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं उनकी बेटी और एक अन्य महिला घायल हो गईं।

झारखंड के वन-क्षेत्र में 58 वर्ग किमी की बढ़ोतरी

बाघ और हाथी परियोजना के लिए बजट मंजूर

रांची, 21 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड राज्य के गठन के बाद सूबे में वन क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2001 से 2023 तक की अवधि में 22,490 कि०मी० से बढ़कर 23,765.78 वर्ग कि.मी. हो गया। इस दौरान वन क्षेत्र में कुल 1,275.78 वर्ग कि०मी० की वृद्धि हुई। जबकि 2021 से 2023 तक 58.81 वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल वन क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गयी।

वन विभाग बड़े पैमाने पर वन और गैर-वन भूमि पर वृक्षारोपण और वन सुरक्षा समितियों के सहयोग से वनों की सुरक्षा के लिए उठाये गये कदमों से ही वन क्षेत्र में वृद्धि संभव हो पाई है। वन विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्त्तमान में राज्य का वनावरण 23,765.78 वर्ग कि. मी. और वृक्षावरण 3.637.55 वर्ग कि.मी. है। इस प्रकार राज्य का कुल वन और वृक्षावरण 27.403.33 वर्ग कि. मी. है जो राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल का 34.38 प्रतिशत है। भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून के इंडिया स्टेट ऑफ फोरेस्ट रिपोर्ट, 2023 में प्रकाशित आकलन के अनुसार राज्य में 2021 की तुलना में वनावरण में 58.81 वर्ग कि.मी. की वृद्धि हुई है।

अग्नि रोकथाम एवं प्रबंधन योजना (केंद्र प्रायोजित; 60:40) यह एक केन्द्र प्रायोजित योजना है। इसके लिए कुल 5 करोड़ का बजट रखा गया है, जिसमें कुल बजट उपबंध 500.00 लाख है, जिसका राज्यांश में बजट उपबंध 200.00 लाख और केन्द्रांश का उपबंध 300.00 लाख स्वीकृत है। इस योजना में स्थानीय वन अधिकारी के निर्देशानुसार ग्राम वन समिति सदस्यों के माध्यम से अग्नि रेखा की सफाई- निर्माण, अग्नि सुरक्षा के अन्य उपाय आदि कार्य करवाये ग्राम वन समिति के सदस्यों को वनों की अग्नि से सुरक्षा करने के लिए प्रशिक्षण देने, वन अग्नि बुझाने और उपकरण का क्रय आदि कार्य भी किए जायेंगे।

सृष्टि से प्रलय तक अविचल आस्था : मां विन्ध्यवासिनी धाम

सुरेश गांधी

उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर में गंगा की पावन लहरियों और विंध्य पर्वतमाला की गोद में अवस्थित विन्ध्याचल धाम, भारत की सनातन परंपरा का ऐसा दिव्य स्थल है, जहां आस्था, तांत्रिक साधना और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम साक्षात अनुभव किया जा सकता है। शास्त्रों में वर्णित 51 शक्तिपीठों में यह अकेला धाम है, जिसे पूर्णपीठ कहा गया है, क्योंकि यहां मां भगवती के किसी अंग की नहीं, बल्कि संपूर्ण विग्रह की पूजा होती है। यही अद्वितीयता विन्ध्याचल को अन्य सभी शक्तिपीठों से विलग करती है। पुराणों में वर्णित है कि सृष्टि के आरंभ से पहले और प्रलय के पश्चात भी इस क्षेत्र का अस्तित्व अक्षुण्ण रहेगा। शिवपुराण में मां विंध्यवासिनी को सती स्वरूप माना गया है, जबकि श्रीमद्भागवत में उन्हें नंदजा देवी कहा गया है। कभी कृष्णानुजा तो कभी वनदुर्गा, शास्त्रों में इनके अनेक नाम मिलते हैं।

आस्थावान श्रद्धालु मानते हैं कि यह वही त्रिकोण है, जहां महालक्ष्मी, महाकाली और महासरस्वती तीनों रूपों में देवी विराजमान हैं। त्रिकोण यंत्र पर स्थित यह धाम सृष्टि के उद्भव, स्मृति और संहार का प्रतीक है। खास यह है कि त्रिकोण पीठ पर विराजती मां के तीन स्वरूप महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी, भक्तों को लौकिक और अलौकिक दोनों सुख प्रदान करते हैं। मंदिर के गर्भगृह में पंचमुखी महादेव का अलौकिक दर्शन, अखंड ज्योति से दीप्त कुंड और लघु त्रिकोण परिक्रमाकृसब कुछ मानो साधक को सिद्धि का निमंत्रण देता है।

मंदिर के आंगन में विशाल नीम का वृक्ष विशेष श्रद्धा का विषय है। जनमान्यता है कि मां यहीं चूड़ा छोड़ती हैं। श्रद्धालु इसी नीम के तले चंदन घिसकर मां के श्रृंगार के लिए अर्पित करते हैं। मां के द्वार पर स्थापित गणेशजी की आराधना के बाद ही मुख्य श्रृंगार और आरती का विधान है। परिक्रमा पथ पर भक्त धागा बांधकर अपनी मनोकामना व्यक्त करते हैं।

पुराणों में विन्ध्याचल को शक्तिपीठ, सिद्धपीठ और मणिपीठ कहा गया है। चूणामणि पुराण में 51 शक्तिपीठ और श्रीमद्भागवत में 108 पीठों का उल्लेख है, जिनमें विन्ध्याचल का महत्व सर्वोपरि है। शास्त्र कहते हैं,

अर्थात ब्रह्मांड में विन्ध्याचल जैसा पावन क्षेत्र और कोई नहीं। भक्तों का विश्वास है कि मां के द्वार पर एक बार जो आ जाता है, उसका पुनः कहीं और मन नहीं लगता। दरबार में नित्य होने वाली मां के चारों रूपों की आरती का दर्शन मात्र से हजार अश्वमेघ यज्ञ के बराबर फल की प्राप्ति होती है। साधक यहां हलवे का प्रसाद बनाकर लाते हैं और मंदिर परिसर में वितरित करते हैं।

काशी के भोलेनाथ और प्रयागराज के विष्णुधाम के मध्य स्थित यह क्षेत्र पतित पावनी गंगा और शक्तिरूपी मां विन्ध्यवासिनी के कारण स्वतः पवित्र हो उठता है। घंट-घड़ियालों के संगीतमय स्वर से गूंजता यह धाम मन को एक अद्भुत शांति प्रदान करता है। चारों पहर की आरती में चार पुरुषार्थों का सार छुपा है। ब्रह्ममुहूर्त की मंगला आरती में बाल्यावस्था की कोमल आभा धर्म का वर देती है। दोपहर की राजश्री आरती में युवा राजेश्वरी का तेज अर्थ और वैभव का आशीष लुटाता है।

सांझ की छोटी आरती संतान और वंशवृद्धि का वर देती है, और रात की शयन आरती मोक्ष का मार्ग खोलती है। आरती की लौ में ऐसा प्रकाश है जो जीवन के अंधेरे को हर लेता है। यहां का हर शिला, हर जलधारा, हर पगडंडी पुराणों की स्मृति से भरी है। कहा जाता है कि जब सती का शरीर सुदर्शन चक्र से विखंडित हुआ, तब मां का पृष्ठभाग यहीं आ गिरा और यह स्थल शक्तिपीठ बना। इसलिए यह धाम न केवल सिद्धपीठ, बल्कि अनादिकाल से साधना की अखंड भूमि है।

देवासुर संग्राम का साक्षी

कहते है जब देवासुर संग्राम में देवगण असुरों के सामने पराजित होने लगे, तब ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने विन्ध्याचल आकर मां की उपासना की। मां के आशीर्वाद से ही उन्हें विजय प्राप्त हुई। इसी कारण यहां साधना करने वाले साधक के लिए सिद्धि की अनिवार्य प्राप्ति कही जाती है। महानिशा पूजन, विशेषकर नवरात्र की अष्टमी तिथि पर, तांत्रिक साधना का अनोखा दृश्य प्रस्तुत करता है। आधी रात के बाद होने वाला यह पूजन रोंगटे खड़े कर देता है, मां के अद्भुत, अलौकिक तेज का साक्षात अनुभव कराता है। अर्थात भगवती जी ने स्वयं बोली है मैं द्वापर युग में नंद के यहां यशोदा के गर्भ से पैदा होंगी और कंस के हाथों से मुक्त होकर विन्ध्य क्षेत्र में निवास करेगी। कहा जाता है कि जो मनुष्य इस स्थान पर तप करता है, उसे अवश्य सिद्वि प्राप्त होती है। विविध संप्रदाय के उपासकों को मनवांछित फल देने वाली मां विंध्यवासिनी देवी अपने अलौकिक प्रकाश के साथ यहां नित्य विराजमान रहती हैं।

नवरात्र का विराट उत्सव

चैत्र और शारदीय नवरात्र में विन्ध्याचल धाम पर आस्था का महासमुद्र उमड़ पड़ता है। मंदिर की ऊंची ध्वजा पर मां का सूक्ष्म रूप विराजता है, जिससे वे भक्त भी दर्शन लाभ पाते हैं जो भीड़ के कारण गर्भगृह तक नहीं पहुंच पाते। इन नौ दिनों में लगभग पच्चीस लाख से अधिक श्रद्धालु इस धाम में जुटते हैं। अनगिनत लोग तो केवल मां की पताका के दर्शन से ही स्वयं को धन्य मानते हैं।

त्रिकोण यंत्र पर अद्भुत विग्रह

मां का विग्रह त्रिकोण पर स्थापित है। त्रिकोण के तीन बिंदुओं पर क्रमशः महालक्ष्मी, महाकाली और मां सरस्वती के रूप में देवी का प्राकट्य है। अष्टभुजा देवी के नाम से प्रसिद्ध यह स्वरूप भक्तों को अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति कराता है। मंदिर से लगभग छह किमी की दूरी पर पहाड़ी पर महाकाली, महालक्ष्मी और अष्टभुजा के स्वरूप विराजमान हैं, जबकि कालीखोह में स्थित मां काली का मंदिर तांत्रिक साधना का महत्वपूर्ण केंद्र है।

ऋषि-मुनियों ने इस धरा पर अनगिनत तप साधनाएं कीं। मान्यता है कि यहां तप करने से साधक को अवश्य सिद्धि प्राप्त होती है। ब्रह्मा, विष्णु और महेश तक ने मातृभाव से उपासना की। यही शक्ति उन्हें सृष्टि की रचना और संचालन में समर्थ बनाती है। मार्कंडेय पुराण के दुर्गा सप्तशती में भी इस महिमा की स्पष्ट पुष्टि मिलती है।

जब वैकुण्ठ भी झुक गया मां के चरणों में

धरती का यह अंश केवल पर्वत नहीं, शक्ति का सनातन प्रतीक है। कहा जाता है कि जब स्वयं नारायण ने महादेव से विन्ध्य क्षेत्र की महिमा पूछी, तो महादेव ने मौन का आवरण ओढ़ लिया। शब्दों से परे उस तेज को कैसे बयान करें, जिसका गुणगान सहस्र शेष भी न कर सके, जिसे लिखने के लिए सहस्त्र भुजाएं भी कम पड़ जाएं?

अर्थात विन्ध्य क्षेत्र की महिमा हजार मुख वाले सिस, लिखने को हजार भुजा वाले अर्जुन व सहस्त्र शस्त्रों से युक्त इंद्र भी बताने में असमर्थ है। यही वह धरा है जहां कभी ब्रह्मा ने तराजू पर वैकुण्ठ और विन्ध्य को तोला था, और जब वैकुण्ठ का पलड़ा हल्का हुआ तो स्वर्ग लौट गया, जबकि विन्ध्य पर्वत अपने स्थान पर अडिग रहा।

मान्यता है कि इसीलिए विन्ध्याचल स्वर्ग से भी उत्तम है। सूर्य का मार्ग रोक देने वाला यह अकेला पर्वत अपने गुरु अगस्त्य की आज्ञा पाकर आज भी विनम्रता से सिर झुकाए खड़ा है। जब सूर्यदेव उसकी ऊंचाई से व्याकुल हुए, तब अगस्त्य मुनि ने कहा, "मैं वृद्ध हो चला हूं, अब इतनी ऊंचाई चढ़ नहीं सकता।" गुरु की वाणी सुनकर पर्वत ने अपना विस्तार थाम लिया। तब से विन्ध्य का मस्तक वहीं ठहरा है, गुरु के प्रति शाश्वत श्रद्धा का सजीव प्रतीक।

लोक आस्था का संगम:भद्रकाली मेला

अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान अपनी समृद्ध स्थापत्य कला, ऐतिहासिक धरोहरों और रंग-बिरंगी लोक संस्कृति के लिए पूरे देश में विशिष्ट पहचान रखता है। यहां के किले, मंदिर, हवेलियां और लोक परंपराएं जितनी प्रसिद्ध हैं, उतना ही महत्व यहां लगने वाले मेलों का भी है। राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष भर अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक मेले आयोजित होते हैं जो केवल आस्था के केंद्र ही नहीं बल्कि सामाजिक जीवन और लोक संस्कृति के जीवंत उत्सव भी होते हैं। इन्हीं मेलों में हनुमानगढ़ जिले में लगने वाला भद्रकाली मेला विशेष महत्व रखता है।

हनुमानगढ़ जिले में मां भद्रकाली का ऐतिहासिक मंदिर क्षेत्र की लोक आस्था का केंद्र है। नवरात्रों में यहां लगने वाला मेला सवा सौ साल से अधिक पुरानी परंपरा का जीवंत प्रतीक है जिसमें हर वर्ष हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। हनुमानगढ़ टाउन से लगभग सात किलोमीटर दूर स्थित मां भद्रकाली का ऐतिहासिक मंदिर इस मेले का मुख्य केंद्र है। यहां नवरात्रों के दौरान मेला भरता है। वैसे तो नवरात्रा स्थापना के साथ ही मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन आरंभ हो जाता है लेकिन चैत्र सुदी अष्टमी और नवमी को दो दिनों के विशाल मेला में तो हजारों लोग उमड़ते हैं । लोकशक्ति की प्रतीक मां भद्रकाली के दर्शन के लिए वैसे तो पूरे वर्ष श्रद्धालु यहां आते रहते हैं लेकिन इन विशेष तिथियों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। आसपास के गांवों और कस्बों के अलावा पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

मेले के दौरान आम दिनों में शांत और वीरान रहने वाला यह क्षेत्र चहल-पहल से भर उठता है। बड़ी संख्या में सजी दुकानों, खिलौनों और घरेलू वस्तुओं की बिक्री करने वाले फेरीवालों, बच्चों के झूलों और रंग-बिरंगे परिधानों में सजे लोगों की भीड़ इस स्थान को एक बड़े उत्सव स्थल में बदल देती है। हर ओर 'मां भद्रकाली की जय' और 'काली माता की जय' के जयकारे गूंजते रहते हैं। लंबी कतारों में जुटे श्रद्धालु घंटों खड़े रहकर मंदिर तक पहुंचते हैं, जहां वह अपनी मनोकामनाएं लेकर माता के चरणों में माथा टेकते हैं। लोक मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मुराद अवश्य पूरी होती है।

भद्रकाली का यह मेला सवा सौ वर्ष से भी अधिक समय से लगातार आयोजित होता आ रहा है। समय के साथ इसकी लोकप्रियता और श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती रही है। यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। मेले में आने वाले लोगों के लिए यह आस्था के साथ-साथ मेलजोल और आनंद का अवसर भी होता है। मंदिर की स्थापना को लेकर भी कई जन श्रुतियां प्रचलित हैं। माना जाता है कि यह मंदिर मुगल सम्राट अकबर के समय का है और इसकी स्थापना बीकानेर रियासत के छठे महाराजा राम सिंह ने करवाई थी। मंदिर की स्थापत्य शैली भी इसे विशिष्ट बनाती है। इसकी बनावट अन्य काली मंदिरों से अलग दिखाई देती है। मंदिर का गुंबद मस्जिद की शैली में बना हुआ है, जो इसे एक अनोखा स्थापत्य स्वरूप प्रदान करता है और उस दौर की सांस्कृतिक विविधता की झलक भी दिखाता है।

मंदिर की स्थापना से जुड़ी एक रोचक जनश्रुति प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सम्राट अकबर बीकानेर के महाराजा रामसिंह के साथ इस क्षेत्र से गुजर रहे थे। उस समय यहां घना जंगल था। भूख-प्यास से व्याकुल होने पर उन्हें एक टीले पर खड़ी महिला मिली, जिसने तुरंत भोजन-पानी की व्यवस्था कर दी। अकबर ने उसे दैवीय शक्ति मानते हुए सेवा का आग्रह किया, जिस पर उस महिला ने यहां काली माता का मंदिर बनवाने की इच्छा जताई। इसके बाद अकबर के आदेश पर महाराजा रामसिंह ने यहां मंदिर का निर्माण कराया।

मंदिर परिसर में माता के अनन्य भक्त अमरनाथ जी का मंदिर भी है। किवदंती है कि उन्होंने अकबर के साले को किले के निर्माण के लिए अक्षय खजाना दिया था लेकिन बाद में उसकी नीयत बिगड़ गई। पश्चाताप होने पर वह अमरनाथ जी के पास पहुंचा। तब अमरनाथ जी ने मां काली के मंदिर के सामने जीवित समाधि लेकर अपनी समाधि पर मंदिर बनवाने की बात कही। आज वहां स्थित अमरनाथ मंदिर भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

आज भद्रकाली मंदिर क्षेत्र की जनआस्था और भक्ति का प्रतीक बन चुका है। इस मंदिर से जुड़ी एक विशेष बात यह भी है कि हर वर्ष बरसात के मौसम में आने वाली घग्गर नदी की बाढ़ का पानी इन मंदिरों के आसपास फैल जाता है। उस समय पूरा क्षेत्र पानी से घिरा हुआ दिखाई देता है। हालांकि चैत्र मास तक यह पानी एक सीमित धारा में बहने लगता है और मेले के दिनों तक अधिकांश पानी सूख जाता है जिससे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर तक पहुंचना आसान हो जाता है।

नवरात्रि का चौथा व्रत:मां कूष्मांडा की आराधना से रोगमुक्त होंगे

नवरात्रि के चौथे दिन माता कूष्मांडा स्वरूप को समर्पित है। 'कू' का अर्थ है छोटा, 'ष' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला- सृष्टि या ऊर्जा का छोटा सा वृहद ब्रह्मांडीय गोला। माना जाता है कि सृष्टि की उत्पत्ति से पूर्व जब चारों ओर अंधकार था तो मां दुर्गा ने इस अंड यानी ब्रह्मांड की रचना की थी। आठ भुजाओं वाली कूष्मांडा देवी अष्टभुजा देवी के नाम से भी जानी जाती हैं।

स्वरूप मां कूष्मांडा का वाहन सिंह है। इनके हाथों में कमंडल, धनुष, बाण, कमलपुष्प, अमृत-पूर्ण कलश, चक्र तथा गदा रहते हैं।

महत्त्व मां कूष्मांडा के पूजन से हमारे शरीर का अनाहत चक्र जाग्रत होता है। इनकी उपासना से हमारे समस्त रोग और शोक दूर हो जाते हैं। साथ ही भक्तों को आयु, यश, बल और आरोग्य के साथ-साथ सभी भौतिक और आध्यात्मिक सुख भी प्राप्त होते

हैं। नवरात्रि के चौथे दिन श्रद्धालु ब्रह्मांड की रचना करने वाली कूष्मांडा मां की आराधना करते हैं। माता कूष्मांडा के रचे इस ब्रह्मांड को बचा रही हैं, कर्नाटक के रामनगर जिले के मगदी तालुका की थिमक्का जैसी सांसारिक देवी। अब 107 बरस की हो चुकीं थिमक्का 8 हजार से ज्यादा पेड़ों की मां हैं। इनमें 400 से ज्यादा बरगद के वृक्ष हैं। यही वजह है कि उन्हें 'वृक्ष माता' की उपाधि मिली है।

विवाह के काफी समय बाद थिमक्का को पता चला कि वे कभी मां नहीं बन सकतीं। परेशान होकर वे आत्महत्या के बारे में सोचने लगीं तो पति की सलाह पर उन्होंने बरगद का एक पौधा लगाया। उसकी बच्चे की तरह देखभाल की। समय से पानी दिया और मवेशियों से भी बचाया।

थिमक्का के जीवन में मां न पाने का खालीपन बरगद के इस पेड़ ने भरना शुरू कर दिया। इसके बाद तो उन्होंने एक के बाद एक पेड़ लगाने शुरू कर दिए। धीरे-धीरे उनका जुनून बढ़ने लगा। अब तक वह 8 हजार से ज्यादा पौधों को पालकर उन्हें पेड़ बना चुकी हैं। लोग उन्हें अब सालुमारदा थिमक्का के नाम से पुकारते हैं। दरअसल, 'सालुमारदा' कन्नड़ भाषा का एक शब्द है, जिसका अर्थ है 'वृक्षों की पंक्ति'।

एक बार मेरी बात मानो, सब ठीक हो जाएगा: प्रेमानंद महाराज

इस संसार में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जिसके जीवन में परेशानियां नहीं है. जब परेशानियां बढ़ती है तो बेचैनी बढ़ने लगती है, चिंताएं बढ़ जाती है. इस कठिन वक्त में फैसले लेना मुश्किल हो जाता है. इन सबका परिणाम यह होता है कि मन अशांत होने लगता है और शारीरिक और मानसिक परेशानियां बढ़ जाती है. पर मुश्किल यह है कि ऐसे में लोग आसान रास्ता अपनाने के बाद कठिन रास्तों में समाधान ढूंढने लगते हैं. संत शिरोमणि प्रेमानंद महाराज इस बिपरीत परिस्थितियों में भी बेहद आसान रास्ता बताते हैं. इसी कारण लाखों लोगों को प्रेमानंद महाराज की ये बात दिल छू रही है।

परेशानी में क्या करना चाहिए

एक वीडियो में जब एक भक्त महाराज जी से अपनी परेशानी बताते हैं तो प्रेमानंद महाराज बड़े ही शांत और गंभीरता से कहते हैं. चाहे कितनी भी बड़ी विपत्ति क्यों न हो, भगवान के नाम का जाप करो. यह जाप हर मुश्किल परेशानी से तुम्हें बचाएगा. यह जाप सुनने में बेहद आसान लगता है लेकिन एक बार मेरी बात मान लो, सब ठीक न हो जाए तो फिर कहना. आखिर उसी में एकमात्र शक्ति है जो हर तरह के दुख का निवारण करते हैं. प्रेमानंद महाराज ने बताया कि आध्यात्मिक ताकत हमेशा बड़े-बड़े अनुष्ठानों या कठिन साधना से ही नहीं आती. इसके लिए छोटे और सरल

प्रयास से भी शुरू करनी चाहिए. वे कहते हैं कि सच्चे मन से भगवान का नाम दोहराने से मन धीरे-धीरे शांत होता है, विश्वास बढ़ता है और जीवन के कठिन समय में भी स्पष्टता और सुकून महसूस होता है।

भगवान के नाम जप की शक्ति

हिंदू धर्म की कई भक्ति परंपराओं में भगवान के नाम का जाप, जिसे नाम जप कहा जाता है, सबसे सरल और शक्तिशाली आध्यात्मिक उपाय माना जाता है. मान्यता है कि भगवान के नाम में ही एक पवित्र ऊर्जा होती है. जब कोई व्यक्ति राम, कृष्ण या राधा जैसे नामों का बार-बार जाप करता है, तो उसका मन धीरे-धीरे चिंता से हटकर भक्ति की ओर जाने लगता है. प्रेमानंद महाराज के अनुसार, मन वही बनता है जो वह बार-बार दोहराता है. अगर मन हमेशा चिंता और डर को दोहराता है, तो डर बढ़ता है. लेकिन अगर वह भगवान का नाम दोहराता है, तो मन धीरे-धीरे शांत और स्थिर हो जाता है. यह अभ्यास किसी खास जगह या समय पर निर्भर नहीं है. इसे आप चलते हुए, चुपचाप बैठकर, यात्रा के दौरान या रोजमर्रा के काम करते हुए भी कर सकते हैं. बार-बार नाम जपने से मन धीरे-धीरे स्थिर होने लगता है।

सबके लिए आसान अभ्यास

प्रेमानंद महाराज इस अभ्यास को इसलिए महत्वपूर्ण मानते हैं क्योंकि यह हर व्यक्ति के लिए आसान है. उनका कहना है कि हर कोई बड़े अनुष्ठान या गहरे शास्त्र अध्ययन नहीं कर सकता लेकिन भगवान का नाम लेना हर कोई कर सकता है. इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी सादगी है. इसमें किसी खास तैयारी या ज्यादा ज्ञान की जरूरत नहीं होती. सिर्फ सच्चे मन और श्रद्धा की जरूरत होती है. राधे-राधे या राम-राम जैसे छोटे मंत्रों का ध्यान से जाप करने से धीरे-धीरे मन में शांति आती है और व्यक्ति अंदर से बेहतर महसूस करने लगता है. प्रेमानंद महाराज अपने एक प्रवचन में कहते हैं एक बार करके तो देखो सब ठीक हो जाएगा. एक बार मेरी बात तो मानो।

नववर्ष आध्यात्मिक साधना के लिए बहुत सहयोगी है

कुछ बातों को देव कृपा और देव प्रकोप मानना बंद करना चाहिए। बाढ़ आती है, हमारा कुछ नुकसान होता है, शरीर बीमार होता है तो हम कह देते हैं कि भगवान की इच्छा है। या उसने कृपा की है या वो नाराज है। लेकिन ये अधूरा सत्य है।

अगर प्रकृति प्रकोप कर रही है तो उसे केवल देव इच्छा न मानें, उसमें हमारा भी योगदान है। कुछ ना कुछ हमने प्रकृति के साथ ऐसी छेड़छाड़ की है कि वो पलटकर आ रही है। ये दुनिया बड़े अच्छे ढंग से ईश्वर ने बनाई है। इसमें किया हुआ व्यर्थ नहीं जाता।

हमारे ऊपर जब भी संकट आए, सबसे पहले हम अपनी भूमिका देखें कि इसमें हमारा क्या योगदान है? आज से रौद्र नाम का संवत्सर आरंभ हो रहा है। ज्योतिषियों के अनुसार इस वर्ष गुरु रहेंगे राजा और मंगल होंगे मंत्री। गुरु के कारण धार्मिक गतिविधियां बढ़ेंगी, तो यह वर्ष हमारे लिए आध्यात्मिक साधना के लिए बड़ा सहयोगी है।

इस वर्ष संकल्प लें कि थोड़ा अपने भीतर की यात्रा को बढ़ाएंगे। और चूंकि मंगल मंत्री हैं तो अग्नि, हिंसा, यह सब प्रकरण होते रहेंगे, पर यह हिंदू वर्ष अपनी आत्मा से जुड़ने के लिए बहुत अवसर देगा।

ताबड तोड बल्लेबाज़ी के प्रतीक : ईशान किशन

अतुल कुमार

टीम इडिया ने आई सी सी टी– 20–2026 की सर्वोच्च विश्व चैंपियन शिप जीत क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अव्वल टीम होने का श्रेय प्राप्त किया . नीली जर्सी वाली भारतीय टीम ने कप्तान सूर्य कुमार यादव की अगुआई में विश्व कप खिताब को अपने नाम किया .कुछ मुकाबले ऐसे होते हैं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता उन्हीं में यह एक था . टीम इंडिया ने विपक्षी दल न्यूज़ीलैंड के सामने 256 रन का लक्ष्य रखा जो टी – 20 में बडा स्कोर था . न्यूज़ीलैंड इस टक्कर में 96 रनों से हार गया . सन 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब जीतने के बाद यह धारणा बनी कि इन खिलाडियों के रिटायरमेंट के बाद क्या होगा ? लेकिन युवा खिलाडियों की खेप से निकले प्रतिभाशाली खिलाडियों ने इस खालीपन को जिस उम्दा तरीके से भरा उसकी खेल प्रेमियों के बीच चर्चा गर्म है . इन खिलाडियों ने अपने खेल प्रदर्शन से जैसा खेल खेला उसे देख क्रिकेट प्रेमी हैरान हैं . विशेष कर इनमें दो यंग प्लेयर्स ने खूब वाह वाही लूटी वो हैं ईशान किशन और संजू सैमसन जिनके खेल प्रदर्शन ने जम कर प्रशंसको की तालियां बटोरी और उनके दिलों दिमाग पर छा गये .किसी शायर ने खूब लिखा " कुछ लोगों की मोहब्बत दिल में इस कदर उतर जाती है / जब उन्हें दिल से निकालो तो वीरानी सी छा जाती है // इन दो युवा खिलाडियों ने अपने खेल से यही किया .

ईशान किशन ने जिस धूम धडाके से खेल में पदार्पण किया वह देखते बनता है . जुझारू क्रिकेटर हैं आक्रामक विकेट कीपर –बल्लेबाज़ हैं इस तथ्य को इसी से समझा जा सकता है कि विश्व कप टूर्नामेंट में इस विस्फोटक बल्लेबाज़ ने नौ मैचों में 317 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 193 . 29 का रहा . फाइनल में भी ताबडतोड बैटिंग करते हुए सिर्फ 25 गेंदों में 54 रन बनाये और टीम को बडे स्कोर तक पहुचाने में अहम भूमिका निभायी . उनका योगदान केवल बल्लेबाज़ी तक सीमित नहीं रहा बल्कि फील्डिंग में भी शानदार प्रदर्शन कर न्यूज़ीलैंड के खतरनाक बल्लेबाज़ रचिन का मुश्किल शानदार कैच पकडा और बाद में बाउंड्री लाइन पर टिम साइफर्ट का भी उम्दा कैच लपक न्यूज़ीलैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया .

ईशान अपनी तूफानी बल्लेबाज़ी के लिये जाने जाते हैं . मार्च 2021 में भारत के लिये पदार्पण किया और 2022 में बांगलादेश के विरुद्ध सबसे तेज़ दोहरा शतक (210) रन जोड कर इतिहास रचा . सन 2016 में अंडर -19 विश्व कप में टीम इंडिया के कप्तान थे . बिहार में जन्मे इस खिलाडी ने अपने दम पर क्रिकेट की उंचाइयों को हासिल किया जो यंग प्लेयर्स के लिये इंस्पिरेशन है . बांए हाथ के इस बल्लेबाज़ और विकेट कीपर ने जल्द ही खेल कौशल से जिस सक्सेस स्टोरीस को लिखा उसने क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीता . उनका पूरा नाम ईशान प्रणव कुमार पांडे किशन है . इस समय

आई पी एल में वह सनराइज़र्स हैदराबाद के कप्तान हैं . वन डे में सबसे तेज़ दोहरा शतक लगाने वाले कम उम्र के युवा खिलाडी हैं . अपने एक दशक के कैरीयर में लगभग 200 टी -20 मैच खेल चुके हैं जिनमें 30 से अधिक मैच भारत के लिये खेले . मुंबई इंडियंस के साथ दो आई पी एल खिताब जीते . इनमें तीन ऐसे सीज़न खेले जिनमें प्रत्येक में 400 से अधिक रन बनाए . जिसमें सन 2020 में 516 रन भी शामिल हैं आई पी एल 2025 की मेगा नीलामी में एस आर एच ने उनको रु 11.25 करोड में खरीदा था . सीज़न की शुरुआत धमाकेदार शतक से की और अंत में 94 रन बना नाट आउट रहे .लेकिन साथ ही पांच बार एकल अंक के स्कोर पर आउट भी हुए . टीम इंडिया से बाहर रहने के बाद सन 2023 में उन पर फिर से भरोसा जताया गया .

आईपीएल 2026 में सन राइसर्स हैदराबाद के कप्तान पेंट कमिंस के चोटिल होने के बाद किशन को इस टीम का कप्तान बनाया गया है .कप्तानी के रोल में उनकी भूमिका को भविष्य के एक बडे विकल्प के रूप में देखा जा रहा है . घरेलू क्रिकेट में झारखंड और आई पी एल में एस आर एच की ओर से खेलते हैं . सामान्य मध्यम वर्गीय परिवार से हैं जो ज़मीन से जुडा है .पिछले दिनों सोशल मीडीया में उनके दादा – दादी का वीडीयो काफी वायरल हुआ जिसमें उनका परिवार बडी आत्मीयता से उनके बारे में कहता दिखायी दिया विश्व कप जीतने के बाद ईशान उनसे मिलने गये तब दादा ने उनको बडे भाव पूर्ण ढंग से पुष्प हार पहनाया तब उनकी आंखें खुशी से नम हो उठीं तो दादी ने उनके बचपन की बातों को बडे उत्साह से बतलाया .

दादा – दादी और पोते के इस रिश्ते को देख लोग खुश हुए . प्रसंगानुसार विश्व कप फाइनल के पहले अचानक उनकी चचेरी बहन की दुर्घटना में मृत्यु हो गयी तब वो घर वापस लौटने की सोच रहे थे तब टीम के वरिष्ठ साथी खिलाडियों ने उनको समझाया कि मैच को प्राथमिकता दो . भव्य जीत के बाद उन्होंने इसका खुलासा किया . इस जीत को अपनी बहन को समर्पित किया .

टीम इंडिया में दो साल बाद वापसी कर उन्होंने कमाल का खेल दिखाया जिसकी आज सर्वत्र चर्चा है . शाट मारने का अंदाज़ इतना निराला है कि फील्डर उसे देख चकित होते है तो छक्के मारने के दिलकश तरीके से दर्शको को मोहित कर उनको खेल का भरपूर आनंद देते हैं .18 जुलाई 1998 को पटना में जन्मे ईशान ने क्रिकेट को नयी बुलंदियां दी हैं . उनकी कहानी मात्र 12 साल की उम्र में क्रिकेट के लिये घर छोडने से ले कर खेल की उंचाइयों तक पहुंचने की दिलचस्प गाथा है .

रांची क्रिकेट अकादमी में शामिल होने के बाद 12 साला ईशान सीनीयर खिलाडियों के साथ रहते थे .खाना बनाना न आने के कारण उन पर बर्तन धोने की ज़िम्मेदारी होती थी . खेल के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें जो मुकाम दिया वो प्रेरक है. किसी शायर ने खूब लिखा " दुनिया के सामने झुकने की चाह मत रखना /अपने हुनर से कुछ ऐसा करना कि दुनिया तुम्हारे अफसाने सुनाने लगे / . ईशान किशन ने यही किया , इसलिये वो ताबड तोड बल्लेबाज़ी के प्रतीक बन गये हैं .

काव्य कुंज

तू ही मेरा मां

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

तुम्हारे ही रंग में
रंगी जा रही हूं
अर्पण मैं खुद को
किए जा रही हूं ।
रखना मां अम्बे हरपल
लाज हमारी
तुझपे ही जीवन अपना
वारे जा रही हूं ।
तू ही मेरा संगी है मां
और तू ही साथी
तन-मन-धन न्यौछावर
किए जा रही हूं ।
सुख में भी तू ही मेरा
दुःख में भी तुम्हीं हो
चरण पकड़ तेरे संग
चली जा रही हूं ।
हृदय में जलाके दीप
तेरे विश्वास का
अंधरी डगर पे पग धर
आगे बढ़े जा रही हूं।
भू पर कदम हूं रखती
मुख में तेरा नाम है
रोम-रोम हर्षित धुन में
गाए जा रही हूं ।

कलयुग की त्रासदी

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

बिल से निकल मूषक ने इधर-उधर देखा कान खड़े कर बोला
यह भयानक शोर कैसा?
"यह धुएं का सैलाब कैसा ?
यह न चंडिका का हुंकार है ना ही,
महिषासुर का महिष व्यवहार है,
ना ही वासुकि का विषवमन है ।
फिर है क्या यह ?
कुछ देर बाद माहौल को भाँप कर मूषक बोले
अरे !यह तो युद्ध की विभीषिका है।
तम को चीरती उल्का -सी गिरती है,
नष्ट करती जाती है,
आसपास की, हरियाली खुशहाली को,
यह तो युद्ध की विभीषिका है, इंसान की कारगुजारी है।
इंसान की कारगुजारी है ।
विकास के नाम पर विनाश भारी है
मिसाइल परमाणु ड्रोन की मारामारी है
शांत समुद्र के बीच शोले और चिंगारी है
बाहुबलियों के जंग में पिसती जनता बेचारी है ।
मैं बड़ा मैं बड़ा, बड़ा ही घातक कारी है।
विश्व मोहिनी की माया भस्मासुर,
जैसे स्वयं ही सर्वनाशी है ।
हे मनुष्य इठ्लाते क्यों अपनी बुद्धिमत्ता पर,
एक दिन यही भस्म कर बैठेगी दुनिया सारी ।
है द्वंद प्रतिद्वंद अभिमान अपने अविष्कारों पर,
अभिमान अपने घातक अस्त्र-शस्त्रों पर,
बे मतलब किसी को ना तोड़ो यह अभिमान असुरों -सा है।
विनाश लीला हो रही है धरती के संचित द्रव्यों का,
यह मनुष्य बुद्धिमान है शुंभ निशुंभ की भांति,
भ्रमित और अनजान है सामने काल खड़ा है,
लीलने को भ्रमित सारा संसार है।

गणगौर तीज

मोनिका डागा,
चेन्नई

खुशियों से भर दो माता,
हम सबका माँ भण्डार,
भर दो सबकी झोलियाँ,
गवर ईशर सरकार ।
मीठे-मीठे भजनों से माँ,
मिलकर तुमको रिझाएंगें,
श्रद्धा भक्ति भाव प्रेम से, सारे तुम्हें मनाएंगे,
सुन लो ओ प्यारी मैया, भक्तों की करुण पुकार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार ।
सुनती हो माँ विनती उसकी, जो शरण तुम्हारी आता है,
खाली झोली वो फिर अपनी, प्रेम से भर ले जाता है,
कर जोड़ खड़े हम मैया, सपने कर दो साकार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार ।
बूंदी, लड्डू, रबड़ी, पेड़े , प्रेम से भोग लगाएंगे,
पाकर निज प्रशाद तुम्हारा, धन्य सभी हो जाएंगे,
मैया के दर्शन पाकर, हुआ आनंद पारावार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार ।
खुशियों से भर दो माता, हम सबका माँ भण्डार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार ।

जल जीवन की मुख्य धार

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

जल जीवन की मुख्य धार,
बिन जल न चले संसार।
पृथ्वी पर तीन चौथाई जल,
फिर भी जल संकट अपार।।
जल की एक एक बूंद कीमती ,
नादानी से हो रही कमी,
हर देश में बहती नदियाँ
फिर भी सूख रही है धरती,
मानव स्वयँ इसका जिम्मेदार।
जल जीवन की मुख्य धार ।।
प्रकृति विपरित करते काम,
तूफ़ानों को देते अन्जाम,
जहाँ चाहें वहां करें तोड़ फोड़,
अनुचित हो रहे निर्माण,
वनों से ही है जल की फुहार।
जल जीवन की मुख्य धार।।
प्रकृति से स्वयं करते खिलवाड़,
प्रकृति रौद्र रूप की सहते लताड़,
मानव स्वयँ को संकट में डाल,
अनावश्यक अनावृष्टि की झेले मार,
खुद ही खुद के अत्याचार।
जल जीवन की मुख्य धार ।।
जल संचयन पर देना जोर,
जल बचाने से सुहानी भोर,
एक बूँद भी जल न हो बर्बाद,
देखें कल कल झरनों का शोर,
प्रकृति कर रही मनुहार।
जल जीवन की मुख्य धार ।।
जल का असली मूल्य पहचान,
बिन जल संसार न चलायमान,
60 प्रतिशत जल से बना शरीर,
बिन जल शरीर होए निष्प्राण,
जल से जीवन में आए बहार।
जल जीवन की मुख्य धार ।।

मन के पेड़ में संवेदना के पल

संजीव ठाकुर,
रायपुर

चलो,आज धूप के आंगन में
कुछ कोमल पल बिछा दें,
माँ चूल्हे की आँच बचाकर
अगले दिन की रोटी के लिए
थोड़ी-सी तपिश रख लेती ।
ये जो मन के पेड़ पर
धीरे-धीरे पकते
संवेदना के पल,
इन्हें जोर से मत तोड़ो,
इनकी त्वचा पर
समय की ओस लगी है।
एक पल पिता की खामोश चिंता,
जो रात के अँधेरे में छत की दरारों को ताकती
और सुबह बन जाती हमारी हिम्मत।
एक पल बेटी की हँसी,
जो आँगन में उगती और घर को
घर होने का अर्थ देती है।
एक पल किसी की पीड़ा देखकर
भीतर उठती हल्की-सी टीस,
जो बताती कि हम अब भी मनुष्य हैं।
इन्हें लोभ की टोकरी में न रखें,
न ही बाज़ार में सजाएँ, ये बिकने की नहीं
ये आत्मा की बगिया में धीरे-धीरे पनपने वाली
विश्वास की मिठास हैं।
जब दुनिया पत्थरों के बीच रास्ता खोजने लगे,
तब यही पल हमारी हथेलियों में
कोमलता की ओस बनेंगे।
चलो, नाज़ुक संवेदनात्मक पलों को
सहेज कर रखे कि आने वाली पीढ़ी
जब विपरीत समय की धूप में प्यासी हो,
तो इन्हीं पलों से उन्हें आस मिले,
वे जान सकें मनुष्य होना अब भी आसान
और सरल है।

विस्फोटों के बीच रोटी की पुकार

स्नेहा सिंह
नोयडा

जब धरती की छाती पर लोहे के दानव चलते हैं,
और आकाश की नीली आंखों में धुएं के आंसू पलते हैं,
तब कहीं दूर किसी रसोई मेंचूल्हा ठंडा पड़ जाता है,
और एक मासूम बच्चा रोटी का अर्थ समझ जाता है।
तकनीक के चमकते पर्दों पर हम युद्ध को लाइव देखते हैं,
पर स्क्रीन के उस पार टूटते जीवन को कब लिखते हैं?
जहां एक क्लिक में मिसाइल छूटती है,
वहीं किसी मां की गोद उजड़ जाती है,
विज्ञान की यह प्रगति
मानवता पर प्रश्नचिह्न बन जाती है।
वर्चुअल दुनिया के रंगीन जाल में
हम यथार्थ से दूर हुए,
डिजिटल सपनों के पीछे भागते
अपने ही अस्तित्व से चूर हुए।
पर जब पेट में आग लगती है,
तो डेटा नहीं, दाना चाहिए,
तब समझ आता है,
जीवन को सिर्फ साधन नहीं, ठिकाना चाहिए।
कभी किताबों में पढ़ा था हमने
राख से ढकी हुई वह दुनिया, जहां सूरज भी बुझा-बुझा था,
और हवा में था केवल सन्नाटा गहरा।
आज वही कल्पनाएं हकीकत की देहरी पर खड़ी हैं,
मानव के लालच की लपटें भविष्य की सांसें जला रही हैं।
तेल की एक बूंद के पीछे कितने शहर जल जाते हैं,
ऊर्जा की भूख में हम अपने ही घर जला जाते हैं।
दूर कहीं युद्ध छिड़ता है, और यहां महंगी हो जाती रोटी,
धरती की कोख से हम उसकी सांसों से ज्यादा निकाल रहे हैं,
एक नहीं, डेढ़-डेढ़ पृथ्वी हर साल हम निगल रहे हैं।
नदियां जहर से भरती हैं, पेड़ों की छाया घटती जाती है,
और इस विनाश के मेले में मानवता चुपचाप मरती जाती है।
तोप की गर्जना जब होती है,चूल्हे की लौ बुझ जाती है,
एक ओर विजय का नारा उठता है,
दूसरी ओर भूख सिसक जाती है।
युद्ध का हर जयघोष दरअसल पराजय का गीत है,
जहां जीतता कोई नहीं, बस हारता मानव का मीत है।
आओ, तोपों की जगह हल उठाएं, और युद्ध की जगह
जीवन का गीत गाएं।
ताकि इस धरती पर फिर से वह सुबह आए,
जहां हर हाथ में हथियार नहीं,एक गर्म रोटी हो।

नूतन वर्ष

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

अपना नया नूतन वर्ष आया है।
सनातन धर्म का हर्ष लाया है।
माता आदि शक्ति आई धरती पे,
सबके मन उल्लास भर आया है।
युग का पहला दिन है युगादि।
नया अन्न नया पर्व है युगादि।
हरे खेत अन्न भरे खलिहानों में,
चैत के महीने से शुरू हुई युगादि।
चलो कच्चा आम लाते है।
नीम के सफ़ेद फूल लाते है।
साथ ख़स ख़स खोपरा भी हो,
गुड मिलाकर खूब बनाते है।
नया नया मिट्टी का घड़ा हो।
उसमें इमली का रस भी भरा हो।
सब चीजों को बारीक कसकर,
कड़क गर्मी सहने को पी जाते हैं।
अपने पूरे के पूरे त्यौहार।
है सेहत पर ही आधार।
हरेक त्यौहार के पकवान पकाओ,
जिस्म को हमेशा निरोगी पाओ।
पूरन पोली के पराठें।
खूब खाओ सबको बांटे।
गुड और आटा जब मिलता,
उस पर खूब घी भी चढ़ता।
सब सेहत को बनाते। शरीर हृष्ट पुष्ट है पाते।
दिनभर धूप सह लेते भारी, फिर भी खुद को निरोगी पाते।

कुरुक्षेत्र

डॉ डी डी देसाई

एक अरसा हुआ—
नींद रूठ गई है मुझसे।
मुझे बिलखता छोड़
बिस्तर की सलवटों पर,
वह निकल जाती है
जग की सैर पर।
और मैं... लावारिस सा पड़ा रहता हूँ, बेसुध।
टकराता हूँ मन की दीवारों से बार-बार।
मुसीबतें एक-एक कर फन उठाती हैं—
मानो शेषनाग मुझे निगलने को तत्पर हो।
मैं उनके चंगुल में और गहराता जाता हूँ।
पीड़ाएँ चारों दिशाओं से घेर लेती हैं मुझे—
जैसे कोई अदृश्य सेना धीरे-धीरे कुरुक्षेत्र में
कसती जा रही हो घेरा।
सदियों से दबोचा जा रहा हूँ मैं।
धँसता चला गया हूँ
इस चक्रव्यूह में...और अब
मन में एक ही प्रश्न उठता है—
क्या अभिमन्यु की तरहमेरा भी अंत होगा
इसी चक्रव्यूह में ?

इन्द्रधनुष

राज किशोर
ग्वालियर

भावों का है
इन्द्रधनुष यह,
प्रेरक भावों की जननी भी।
कवियों की यह मानदायिनी,
और चेतना की सुरसरि भी।।
कविता वहीं श्रेष्ठ होती है,
जो देती है संस्कार नये।
मूल्य जगाती सदा पुरातन,
थे जिनको हम सब भूल गये।।
नव-रस से श्रृंगारित कविता
लोक-मूल्य को धारित कविता।
मानवता की ध्वजा,पताका,
सत्य-वोध से पारित कविता।।
वेद काल इसका आँगन है,
व्यास मुनि जिसमें हैं खेले।
तुलसी,सूर चहकते इसमें,
पुण्य-कथा के रच कर मेले।।
कविता तो अमृत सम होती,
मरे भाव को जीवन देती,
जीवन नैया पड़ी भँवर में,
बन पतवार स्वयं है खे ती।।
कविता प्राण-सुधा संस्कृति की,
जीवन का अनमोल खजाना।
जब भी राह न सूझे मन को,
शरण सदा इसकी ही आना।।

शिकवा करूँ भी तो...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

शिकवा करूँ भी तो किस्से
दर्द भी मेरा और
दर्द देने वाला भी मेरा
धूप में चलते रहे
छाँव में गलते रहे
किसने देखी मेरी आग
तिलतिल जलते रहे
तुम से शिकवा क्या करें
तुम ने देखा अपना सुख
व्यापार का जमाना है
हम बातों से बहलते रहे
क्या समझूं , क्या समझाऊं
चला , अब और नहीं
था एक साया वह भी नहीं
संग हो लिए मेरे शिकवा करूँ भी तो...
कितनी निष्ठुर है यह दुनिया
शायद पहले जानते बचपन के ख़्वाब टूटे
हाथ ही मलते रहे कैसे कैसे रूप में आ कर
मिले हैं अजदहे सीने से जिन को लगाया
आस्तीन में पलते रहे नसीब ही नहीं..
शून्य संग साथ हो लिए मेरे शिकवा करूँ भी तो...

संदर्भ ढूंढते संबंध

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

हर रिश्ता,हर संबंध बंधा है, संदर्भों से,
संदर्भ जो निरंतर चला आ रहा है,
पीढ़ी दर पीढ़ी के क्रम से,
दादा-दादी, नाना-नानी, पड़दादा और पड़दादी,
सारे संदर्भ जुड़े हुए हैं संबंधों की कड़ी से,
पंक्तिबद्ध चले आ रहे हैं, जुड़े हैं संबंधों की लड़ी से।
भौतिकता और आपाधापी में चाहे,
कितने ही संयुक्त परिवार बलि चढ़े,
एकल परिवारों ने जनम लिया, और
व्यक्तिवाद को पनपाया, लेकिन फिर भी
संदर्भों की परम्परा न टूट सकी,
मजबूत रही,
अक्षुण्ण रही वह संस्कृति में।।
आधुनिकता की दौड़ में कितने ही आगे निकल जाएं,
परिवेश और परिधान चाहे कितने ही बदल जाएं,
लेकिन रक्त संबंधों की कभी परिणति नहीं होती,
पारिवारिक संदर्भों की कभी क्षति नहीं होती।।।
चाहे जितनी भी जद्दोजेहद कर लें,
संबंधों की व्याख्या तो संदर्भ सहित ही है होती,
हर संबंध ढूंढता है हरदम एक संदर्भ,
क्योंकि संदर्भ बिना संबंधों की पूर्णता नहीं होती।
रिश्तों की डोर में बंधी हुई है हर संतति,
इसमें होती एक अनुवांशिकता,एक परिष्कृति।
जिसने भी इसको विश्रृंखलित करने का यत्न किया,
उसकी सदा हुई एक दुःखद अवनति।।

आरजू

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

हर कोई चाहे मुझे,
ऐसी मेरी आरजू नहीं
हर कोई पूछे मुझे,
ऐसी मेरी तमन्ना नहीं
आरजू नहीं मशहूर होने की,
ख्वाहिश है कुछ पाने की
अरमान है आज मेरे,
दुनिया के कुछ काम आऊँ
आँखों में ना पानी लाऊँ,
होंठों पर मुस्कुराहट लाऊँ
यूं तो हर आरजू पूरी नहीं होती,
मगर दृढ़ निश्चय के आगे अधूरी नहीं रहती
ये आरजू ये ख्वाहिश,
एक दिन जरूर पूरी होगी,
एक दिन जरूर पूरी होगी।

हमने गलती की है..

डॉ विजय पांढरीपांडे
हैदराबाद

हमने गलती की है
केवल किताबो मे लिखा सिलॅबस पढा कर
हमने जबाब देना लिखना सीखाया
प्रश्नोको समझना नही
याद करो उगलो..
हमने चारित्र्य निर्माण की और
नहीं दिया ध्यान
गुणोकी स्पर्धा में बहती लंबी
कतार पैदा की हमने
मुझे शोध कर ढूँढ ना है
कौन थे शिक्षक
ट्रम्प न्येतनाहू को पढानेवाले
मैं हम के चक्कर मे फसे
भूल गये बाकी दुनिया
मिसाईल बम का निर्माण
किसने पढाया इन्हे ?s
मुझे ढूँढ ना हैं उन शिक्षकोको
जिन्हो ने ये राक्षस पैदा किये !

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

महंगा पेट्रोल, सस्ता समाधान : इलेक्ट्रिक बदलाव की जरूरत

भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अब केवल भविष्य की कल्पना नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता बन चुकी है। बढ़ते प्रदूषण, लगातार महंगे होते पेट्रोल-डीजल और ऊर्जा आयात पर निर्भरता ने देश को वैकल्पिक परिवहन की ओर तेज़ी से बढ़ने के लिए मजबूर किया है। ऐसे समय में पुराने पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने की तकनीक जिसे ईवी कन्वर्ज़न या रेट्रोफिटिंग कहा जाता है आम लोगों के लिए एक व्यवहारिक और किफायती विकल्प बनकर उभर रही है।

सरकार ने 2030 तक नए वाहनों की खरीद में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। इसके साथ ही कुल कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाने की रणनीति पर भी इसी दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है। हालांकि नए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना अभी भी हर व्यक्ति के लिए संभव नहीं है, इसलिए पुराने पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलना एक व्यावहारिक समाधान के रूप में सामने आया है।

बढ़ रही है ईवी कन्वर्ज़न की मांग

पिछले कुछ वर्षों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है। इसके साथ ही शहरों में प्रदूषण का स्तर भी चिंताजनक बना हुआ है। ऐसे में वाहन उपयोगकर्ताओं के सामने दोहरी चुनौती है खर्च भी कम करना और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी निभाना है। यहीं ईवी कन्वर्ज़न किट एक प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आती है। इन किट्स की मदद से पुराने दोपहिया और कुछ चारपहिया वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदला जा सकता है। इससे वाहन मालिक को नई गाड़ी खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती और कम खर्च में ही आधुनिक तकनीक का लाभ मिल जाता है।

दोपहिया वाहनों में यह प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान और किफायती है। लगभग 35 हजार से 90 हजार रुपये के बीच पुराने स्कूटर या बाइक को इलेक्ट्रिक में बदला जा सकता है। वहीं कारों के लिए यह खर्च 4 से 6 लाख रुपये तक हो सकता है।

पारंपरिक पेट्रोल वाहन को इलेक्ट्रिक में बदलने के लिए सबसे पहले इंजन, फ्यूल टैंक, एग्जॉस्ट सिस्टम और अन्य संबंधित पुर्जों को हटाया जाता है। इसके बाद वाहन में इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी पैक, कंट्रोलर, वायरिंग हार्नेस और चार्जिंग सिस्टम लगाया जाता है। इलेक्ट्रिक मोटर वाहन के पहिए को शक्ति देती है, जबकि बैटरी ऊर्जा का स्रोत होती है। कंट्रोलर इन दोनों के बीच समन्वय स्थापित करता है। बैटरी की क्षमता वाहन की रेंज तय करती है, इसलिए बैटरी का चयन बेहद महत्वपूर्ण होता है। आजकल अधिकतर कन्वर्ज़न किट में लिथियम-आयन बैटरी का उपयोग किया जाता है, जो हल्की, टिकाऊ और ज्यादा दूरी तय करने में सक्षम होती है।

भारत में ईवी कन्वर्ज़न पूरी तरह से वैध है, लेकिन इसके लिए कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। केवल एआरएआई (ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया) द्वारा प्रमाणित किट ही वाहन में लगाई जा सकती है। कन्वर्ज़न के बाद वाहन का दोबारा आरटीओ में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होता है। यदि यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती, तो वाहन अवैध माना जा सकता है। इसके अलावा वाहन की संरचना, वजन संतुलन और सुरक्षा मानकों की जांच भी जरूरी होती है। सही तकनीकी निरीक्षण के बिना कन्वर्ज़न कराना जोखिम भरा हो सकता है।

कितना फायदेमंद है यह बदलाव

इलेक्ट्रिक वाहन का सबसे बड़ा लाभ इसकी कम संचालन लागत है। पेट्रोल वाहन की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन चलाने का खर्च कई गुना कम होता है। उदाहरण के तौर पर जहां पेट्रोल स्कूटर 100 किलोमीटर चलाने में 150 से 200 रुपये तक खर्च करता है, वहीं इलेक्ट्रिक स्कूटर मात्र 15 से 20 रुपये में इतनी दूरी तय कर सकता है।

इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों में कम चलने वाले पुर्जे होते हैं, जिससे उनकी देखभाल का खर्च भी कम होता है। इंजन ऑयल, क्लच प्लेट और एग्जॉस्ट जैसी चीजों पर खर्च लगभग समाप्त हो जाता है। हालांकि शुरुआत में कन्वर्ज़न की लागत अधिक लग सकती है, लेकिन लंबे समय में यह निवेश लाभकारी साबित होता है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम

इलेक्ट्रिक कन्वर्ज़न केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है। यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। इलेक्ट्रिक वाहन शून्य उत्सर्जन करते हैं, जिससे शहरों की वायु गुणवत्ता में सुधार संभव है। भारत जैसे देश में जहां प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है, वहां ईवी कन्वर्ज़न पर्यावरण के लिए राहत का माध्यम बन सकता है। यह न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करता है, बल्कि ध्वनि प्रदूषण भी घटाता है।

नई गाड़ी या कन्वर्ज़न: क्या बेहतर विकल्प

यह सवाल अक्सर सामने आता है कि नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदना बेहतर है या पुरानी गाड़ी को इलेक्ट्रिक में बदलना। इसका उत्तर उपयोगकर्ता की जरूरत और बजट पर निर्भर करता है। यदि वाहन पुराना है और उसकी स्थिति ठीक है, तो कन्वर्ज़न एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे कम खर्च में आधुनिक तकनीक का लाभ मिल जाता है। लेकिन यदि वाहन बहुत पुराना है या उसकी संरचना कमजोर है, तो नई इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदना अधिक सुरक्षित विकल्प हो सकता है।

सरकार और उद्योग की भूमिका

सरकार पहले ही फेम योजना जैसी पहल के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा कई निजी कंपनियां भी अब कन्वर्ज़न किट के निर्माण और इंस्टॉलेशन में निवेश कर रही हैं। यदि सरकार इस क्षेत्र में और अधिक प्रोत्साहन देती है, तो यह उद्योग तेजी से विकसित हो सकता है और लाखों लोगों को रोजगार भी मिल सकता है।

भविष्य की दिशाः हर घर में इलेक्ट्रिक वाहन

भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का भविष्य उज्ज्वल दिखाई दे रहा है। जैसे-जैसे तकनीक सस्ती होगी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, वैसे-वैसे ईवी कन्वर्ज़न की मांग भी बढ़ेगी। पुराने वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलना केवल व्यक्तिगत सुविधा का समाधान नहीं है, बल्कि यह देश की ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। समय की मांग यही है कि हम पेट्रोल पर निर्भरता कम करें और स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ें। इलेक्ट्रिक कन्वर्ज़न इस बदलाव का सबसे सुलभ और प्रभावी रास्ता बन सकता है।

यूएई सरकार की मंत्री रीम अल हाशिमी कौन हैं ?

रीम अल हासिमी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा है। इजरायल-अमेरिका द्वारा किए हमलों के जवाब में ईरान ने कतर, यूएई, कुवैत, ओमान, सऊदी समेत कई देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डो और उनके रणनीतिक ठिकानों पर हमले किए है। अब यह संघर्ष तेल और ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले तक पहुंच गया है। खाड़ी में बढ़ते तनाव के बीच यूएई की अंतरराष्ट्रीय सहयोग मामलों की राज्य मंत्री रीम अल हासिमी का ओहदा काफी मायने रखने लगा है। उनसे मिल पाना आज की तारीख में काफी मुश्किल माना जाने लगा है। ऐसे में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात बडी आसानी से हो गई, जो भारतीय विदेश मंत्री की ताकत को दर्शाती है। इसलिए दोनों की यह मुलाकात दुनिया भर में काफी सुर्खियों में है, जानते हैं कौन हैं रीम अल हासिमी और इस मुलाकात में किन मुद्दों पर जयशंकर से उनकी क्या बात हुई।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को यूएई की अंतरराष्ट्रीय

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात करती रीम हाशिमी

सहयोग मामलों की राज्य मंत्री रीम अल हाशिमी के साथ बैठक की। इस दौरान पश्चिम एशिया में संघर्ष से जुड़े नवीनतम घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने भारतीय समुदाय की देखभाल करने के लिए यूएई सरकार का धन्यवाद भी किया।

रीम अल हाशिमी की जयशंकर से साथ मुलाकात में पश्चिम एशिया में संघर्ष के लेटेस्ट घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें ईरान के मिसाइल हमलों, क्षेत्रीय सुरक्षा और होर्मुज के माध्यम से शिपिंग के खतरे भी शामिल थे। तेल-गैस ठिकानों पर हमलों से पैदा हुई ऊर्जा सुरक्षा और सप्लाई चेन के मुद्दों पर भी बातचीत हुई। संघर्ष प्रभावित इलाकों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और सहयोग पर भी चर्चा की गई। यूएई की अंतरराष्ट्रीय सहयोग मामलों की राज्य मंत्री रीम अल हाशिमी से मिलकर प्रसन्नता हुई।

भारतीय समुदाय की देखभाल करने के लिए यूएई सरकार का धन्यवाद किया। पश्चिम एशिया में संघर्ष से संबंधित नवीनतम घटनाक्रमों पर चर्चा की। रीम अल हासिमी की जयशंकर से यह मुलाकात 17 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बात के बाद हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने यूएई पर हुए सभी हमलों की कड़ी निंदा की थी। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करने के महत्व पर भी सहमति जताई।

कौन हैं रीम अल हाशिमी ?

रीम अल हाशिमी यूएई की अंतरराष्ट्रीय सहयोग मामलों की राज्य मंत्री हैं। उनकी पहचान मिडिल ईस्ट की प्रमुख राजनीति हस्तियों में की जाती है, वह वर्तमान में यूएई के लिए डिप्लोमैट की भूमिका निभाती हैं। उन्होंने अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से मास्टर्स किया है। जबकि चाइना की एक यूनिवर्सिटी से पीएचडी की डिग्री हासिल की है। वह शुरुआती दौर से ही विदेश नीति और वैश्विक सहयोग से जुड़े कामों में सक्रिय रहीं। यूएई सरकार में 2008 से मंत्री स्तर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। रीम दुबई में आयोजित एक्सपो 2020 दुबई की मैनेजिंग डायरेक्टर रहीं और इस मेगा वैश्विक आयोजन को सफल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई। रीम अल हाशिमी यूएई के लिए भारत समेत एशिया, यूरोप और अफ्रीका के देशों के साथ रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

बंगाल में ममता की मंदिर पॉलिटिक्स से आखिर क्या बदलेगा

एक साल में तीन मंदिरों का शिलान्यास-उद्घाटन 16 जनवरी 2026 को पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सिलीगुड़ी में महाकाल महातीर्थ मंदिर का शिलान्यास किया। 17 एकड़ में बनने वाला ये दुनिया के सबसे भव्य शिव मंदिरों में से एक होगा। करीब एक महीने पहले दिसंबर 2025 में ममता ने कोलकाता में दुर्गा आंगन का शिलान्यास किया था। इससे करीब 6 महीने पहले दीघा में पुरी की तर्ज पर जगन्नाथ धाम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की थी।

पश्चिम बंगाल के इतिहास में ये पहला मंदिर है, जिसकी प्राण प्रतिष्ठा किसी मुख्यमंत्री ने की हो। सरकार का दावा है कि मंदिर बनने से इन इलाकों में लोकल बिजनेस बढ़ा है। सरकार को भी 100 करोड़ रुपए का फायदा हुआ है। हालांकि बीजेपी इसे चुनावी तुष्टीकरण बता रही है। उसका कहना है कि ममता को कुर्सी जाने का डर है, इसलिए मंदिर बना रही हैं।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव होने हैं। चुनाव में ममता की मंदिर पॉलिटिक्स से क्या बदलेगा, आखिर ममता को सॉफ्ट हिंदुत्व की जरूरत क्यों पड़ी? दैनिक भास्कर की टीम ने दीघा में ग्राउंड पर पहुंचकर इसे समझने की कोशिश की।

दीघा में मंदिर की बाहर सामान बेचने वाली कुछ महिलाओं ने कैमरे पर बात करने से हिचकिचाहट की , लेकिन कैमरा हटते ही बातचीत के लिए तैयार हो गईं। इनमें से एक सुमित्रा शंख बेचती हैं। वे कहती हैं, 'ये मंदिर टूरिस्ट प्लेस पर बना है। दीघा में पूरे साल लोग घूमने आते हैं। इसके बनने से मेरे जैसी महिलाओं को रोजगार मिल गया। सुबह-शाम दो वक्त आती हूं और सामान बेचकर घर चली जाती हूं।' पारस रुइदास कहते हैं, 'ममता बनर्जी ने आम लोगों के लिए मंदिर बनवाया है। लोग दीघा घूमने आते हैं, तो मंदिर भी घूम लेते हैं।'

राज्य में लोगों के पास रोजगार नहीं है। फिर मंदिर-मस्जिद बनाने से क्या होगा। लोगों को रोटी, कपड़ा और मकान चाहिए। सामान और रुपए बांटने से कुछ नहीं होने वाला है। यहां काम मिलना बंद हो गया है, कोई इस पर ध्यान नहीं दे रहा है।

ममता के प्राण प्रतिष्ठा करने पर बीजेपी के विरोध को लेकर सुगतो कहते हैं, 'ये बीजेपी का उत्तर प्रदेश नहीं है, जहां महिलाओं को घर की चारदीवारी में रखा जाता है। यहां की महिलाएं मजबूत हैं। अगर दीदी पूजा कर रही हैं, तो इसका विरोध क्यों।'

पश्चिम बंगाल में मंदिर पॉलिटिक्स ज्यादा पुरानी नहीं है। ये अभी हाल के कुछ साल में शुरू हुई है। ममता बनर्जी पर हमेशा प्रो-मुस्लिम होने का इल्जाम लगता रहा है। इस छवि से बाहर आने के लिए उन्होंने सॉफ्ट हिंदुत्व का सहारा लिया है। मुस्लिम बहुल इलाकों के छोड़ दें, तो हिंदुओं का वोट ही तय करता है कि सत्ता किसे मिलने वाली है।' 'ममता बनर्जी ने सिर्फ तीन मंदिरों का ही शिलान्यास नहीं किया, बल्कि गंगासागर में स्नान करने वालों को भी नदी पर पुल का तोहफा दिया है। उन्होंने ही पहली बार दुर्गापूजा कर्निवाल कराया।'

पश्चिम बंगाल में मंदिर पॉलिटिक्स की एंट्री के बारे में पूछने पर वे कहते हैं, 'ममता बनर्जी की छवि एंटी-हिंदू की रही है। इसके अलावा सरकार के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी है। इसे कम करने के लिए भी मंदिर पॉलिटिक्स की जा रही है। पश्चिम बंगाल में एक नए तरह की राजनीति शुरू हो रही है। ममता से पहले बंगाल में लेफ्ट की सरकार थी और उनके मुद्दों में धर्म कभी नहीं था।'

इसके असर के बारे में नेगर कहते हैं, 'दीघा में ओडिया भाषी के अलावा, बांग्ला और हिंदी बोलने वाले रहते हैं। पहले लोग भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी जाते थे, लेकिन अब यहां घूमने के साथ-साथ धार्मिक यात्रा भी होती है। दूसरी ओर गंगासागर में बड़ी संख्या में हिंदी भाषी स्नान करने आते हैं। इसके लिए फेरी घाट से होकर जाना पड़ता है। पुल बन जाने से लोकल लोगों और श्रद्धालुओं को जो फायदा होगा, उसका असर वोट में जरूर दिखेगा बंगाल की मंदिर पॉलिटिक्स को लेकर हमने कोलकाता में आरएसएस प्रचारक डॉ. जीशानु बसु से भी बात की। वे कहते हैं, 'पश्चिम बंगाल में मंदिर बनाने के ज्यादा जरूरी हिंदुओं की सुरक्षा है। ये तय करना जरूरी है कि यहां हिंदू सुरक्षित रह भी पाएंगे या नहीं क्योंकि उन पर लगातार अत्याचार हो रहा है।' वे कहते हैं, 'संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति मंदिर का शिलान्यास नहीं कर सकता।'

हमने पूछा फिर राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री ने कैसे की? इसके जवाब में वे कहते हैं, 'राम मंदिर किसी सरकार ने नहीं बल्कि ट्रस्ट ने बनवाया है। सरकार का मंदिर या मस्जिद कुछ भी बनवाना सही नहीं है। ये समाज का काम है।' 'पुरी का जगन्नाथ मंदिर चार धामों में से एक है। ऐसे में पश्चिम बंगाल में उसी के नाम से एक और मंदिर बनवाना सही नहीं है। ये देश की एकता और अखंडता के लिए भी ठीक नहीं। यही वजह है कि शंकराचार्य ने भी इसका विरोध किया। आप ही सोचिए अगर कोलकाता के कालीघाट मंदिर के नाम पर कहीं और मंदिर बना दिया जाए, तो क्या वो सही होगा।'

वे आगे कहते हैं, 'पहली बात मंदिर के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। ये इतिहास और श्रद्धा का विषय है, न की राजनीति का। ममता बनर्जी ने मंदिर का निर्माण और शिलान्यास अगर सियासी फायदे के लिए किया है, तो ये देश और राज्य के लिए बहुत ही गलत है। बंगाल की स्थिति ये है कि नॉर्थ बंगाल के डेवलपमेंट के लिए जो बजट पास किया गया है, उससे ज्यादा बजट मदरसों के लिए है। हिंदू बेवकूफ नहीं है, जो मंदिर निर्माण के झांसे में आ जाएंगे।'

क्या एनडीए में जाने वाले हैं थलपति विजय

तलाक केस-सीबीआई जांच का प्रेशर, स्टालिन के खिलाफ क्या बीजेपी का साथ देंगे?

23 फरवरी 2026, तमिलनाडु के वेल्लोर से सटे नेशनल हाईवे-48 पर हजारों लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई। इतना ट्रैफिक कि 4 घंटे तक गाड़ियां अपनी जगह से हिल नहीं पाईं। भगदड़ या किसी तरह की अनहोनी के डर से प्रशासन को 900 पुलिसवालों को मौके पर लगाना पड़ा। ये दीवानगी साउथ फिल्मों के सुपरस्टार थलापति विजय की पब्लिक रैली के लिए थी।

वेल्लोर रैली में थलापति विजय ने पहली बार ऐलान किया कि 2026 का विधानसभा चुनाव 'विजय बनाम स्टालिन' की लड़ाई है। एमके स्टालिन पर आरोप लगाते हुए विजय ने कहा- राज्य में अभी एक स्टैंड-अप कॉमेडी वाली सरकार राज कर रही है। मुख्यमंत्री के असली दोस्त रिश्वत-भ्रष्टाचार हैं। अगर दम है तो वे चुनाव से पहले अपनी संपत्ति का खुलासा करें।

तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोटिंग होगी। उससे पहले विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम यानी टीवीके को सत्ताधारी डीएमके-कांग्रेस के गठबंधन के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। दूसरी तरफ बीजेपी, स्टालिन और विजय की तकरार को चुनाव में भुनाना चाहती है। टीवीके को एनडीए में लाने लिए बीजेपी लीडरशिप पूरा जोर लगा रही है। यहां तक कि एक दूसरे राज्य के उपमुख्यमंत्री के जरिए विजय को मनाने की कोशिशें चल रही हैं।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले क्या विजय बीजेपी से हाथ मिलाने वाले हैं? एनडीए अलांयस में शामिल होने से टीवीके को कितना फायदा होगा? दो साल पहले तक तमिलनाडु में मेन मुकाबला डीएमके-कांग्रेस के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस और एआईएडीएमके -बीजेपी के एनडीए गठबंधन के बीच माना जा रहा था। 2 फरवरी 2024 को साउथ फिल्मों के सुपरस्टार विजय ने अपनी पॉलिटिकल पार्टी टीवीके की ऑफिशियल घोषणा कर दी। अब 2026 विधानसभा चुनाव में टीवीके थर्ड फ्रंट के तौर पर उभरी है।

विजय का इम्पैक्ट कम करने के लिए डीएमके ने कांग्रेस और वामपंथी दलों सहित 23 पार्टियों को अपने अलायंस में शामिल किया है। मुख्यमंत्री स्टालिन की अगुआई वाले एसपीए का रुख साफ है कि वो विजय के साथ किसी भी सूरत में हाथ नहीं मिलाएंगे।

2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने 234 सीटों में से 133 सीटें जीती थीं और सहयोगियों की मदद के बिना ही सरकार बनाई थी। वहीं, एनडीए गठबंधन महज 75 सीटों पर ही सिमट गया था। इसमें एआईएडीएमके 66 और बीजेपी महज 4 सीट ही जीत पाई थी। बीजेपी चुनाव से पहले इस नुकसान की भरपाई के लिए विजय से लगातार संपर्क कर रही है।

तमिलनाडु के चेन्नई, कांचीपुरम, कोयंबटूर, मदुरै और तंजावुर में विजय की अच्छी फैन फॉलोइंग है। करूर में 18 से 35 साल के वोटर्स सबसे ज्यादा हैं। विजय यहां आकर फिल्म रिलीज और सोशल मीडिया कैंपेन जैसे इवेंट में शामिल हो चुके हैं। 27 सितंबर 2025 को करूर में ही विजय की रैली में भगदड़ के दौरान 41 लोगों की मौत हुई थी। इसकी जांच सीबीआई कर रही है। बीजेपी को लगता है कि अगर उसके 2-3% वोट भी टीवीके के साथ जुड़ते हैं, तो ये एनडीए के लिए निर्णायक हो सकता है।

'इलेक्शन से पहले वोटर्स का मूड जानने के लिए कई सर्वे किए गए, जिनमें एनडीए गठबंधन के लिए बहुत पॉजिटिव तस्वीर पेश नहीं की गई। यही वजह है कि बीजेपी विजय को साथ लाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही है।'

कुछ दिनों पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पास भी इलेक्शन से जुड़े कई प्री-सर्वे मिलाकर एक इंटरनल रिपोर्ट भेजी गई। इसमें चुनाव से पहले एआईएडीएमके और बीजेपी की हालत पतली बताई गई।रिपोर्ट में बताया गया कि तमिलनाडु की कई सीटों पर एनडीए गठबंधन तीसरे नंबर पर भी रह सकता है। इन आकलनों के बाद से ही पार्टी की लीडरशिप नाराज है।

'विजय को मनाने के लिए साउथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े बड़े चेहरों के साथ-साथ उनके दोस्तों और दूसरे राज्य के एक उपमुख्यमंत्री से दबाव बनाया जा रहा है।' तमिलनाडु बीजेपी से जुड़े सोर्स के मुताबिक, बीजेपी ने टीवीके के सामने पेशकश की है कि अगर एनडीए गठबंधन चुनाव जीतता है कि वो विजय को तमिलनाडु के डिप्टी सीएम का पद और पार्टी के प्रस्तावित सीट-बंटवारे में लगभग 55 सीटें देने को तैयार है। फिलहाल इस बात को लेकर दोनों पार्टियों की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले थलपति विजय से जुड़ा तलाक का विवाद भी राजनीतिक समीकरणों का मुद्दा बना हुआ है। विजय से अलग रह रही उनकी पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने दिसंबर 2025 में चेंगलपट्टू कोर्ट में तलाक की याचिका दायर कर गुजारे भत्ते की मांग की थी। संगीता ने अंतरिम राहत के लिए एक और याचिका दायर की, जिसमें उन्होंने कोर्ट से पनयूर वाले घर में रहने की इजाजत मांगी। ये मामला अब भी चल रहा है।

विजय की निजी जिंदगी के उतार-चढ़ाव और उनके तलाक को डीएमके चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। लेकिन इससे डीएमके को राजनीतिक तौर पर कोई फायदा होने की संभावना नहीं है।' 'हालांकि, कुछ हद तक पत्नी को घर से बेदखल करने का मामला विजय की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है क्योंकि इससे लोगों (खासकर महिला वोटर्स) के मन में संगीता के प्रति सहानुभूति पैदा होगी। डीएमके विजय को कट्टर विरोधी के तौर पर देखती है।

‘द इंडिया हाउस’ का हिस्सा बनने पर सई मांजरेकर ने जताई खुशी; राम चरण को लेकर कही ये बात

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म ‘द इंडिया हाउस’ को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

ऐतिहासिक फिल्म में काम करना मेरा सपना था

एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

उस दौर के बारे में जानना काफी अच्छा रहा

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा।

मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर ‘प्लीज’ या ‘धन्यवाद’ जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं इन स्टार्स के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है।

निखिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है। इतने प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ सेट पर रहना आपको हर दिन अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं जो प्यार, क्रांति और भारत की भावना का जश्न मनाती है।

'मैं 'धुरंधर' से बहुत दूर'; रणवीर की फिल्म के क्रेज के बीच प्रकाश राज ने किया धुरंधर पर तंज?

फिल्म 'धुरंधर' के बाद दर्शकों के बीच 'धुरंधर 2' का उत्साह देखा जा रहा है। कल गुरुवार को इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। ओपनिंग डे पर इसकी कमाई काफी शानदार रही। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को लेकर जब हर तरफ चर्चा हो रही है, तब प्रकाश राज ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

'धुरंधर' से दूर पुराने गाने सुन रहे प्रकाश राज

इस बीच जब लोग 'धुरंधर 2' की कहानी और इस बार सितारों के परफॉर्मेंस पर चर्चा कर रहे हैं, तब चर्चित एक्टर प्रकाश राज ने क्रिप्टिक पोस्ट से ध्यान खींचा है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है कि वे 'धुरंधर' से बहुत दूर हैं। साझा किए वीडियो में वे पुराने गानों का आनंद ले रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने दर्शकों से पूछा है कि वे क्या कर रहे हैं? प्रकाश राज ने फिल्म 'धुरंधर' का नाम हैशटैग के साथ लिखा है।

प्रकाश राज ने किया धुरंधर पर तंज?

प्रकाश राज के एक्स अकाउंट पर साझा किए गए हालिया पोस्ट को देखकर लग रहा है मानों वे इस स्पाई थ्रिलर फिल्म को लेकर तंज कस रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म की तारीफ करने वाले साउथ सितारों, अल्लू अर्जुन और जूनियर एनटीआर पर भी अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी की है। दरअसल, प्रकाश राज ने एक्स पर एक पोस्ट री-शेयर किया है। इसमें लिखा है, 'धुरंधर 2 की तारीफ अब तक अल्लू अर्जुन, विजय देवरकोंडा, जूनियर एनटीआर, महेश बाबू और राम चरण कर चुके हैं। क्या किसी बॉलीवुड स्टार ने ट्वीट किया है'? प्रकाश राज ने इस पोस्ट को कोट करते हुए लिखा है, 'दायित्वों के संकेत दक्षिण में भी फैल रहे हैं'।

साउथ सितारों ने की फिल्म की तारीफ

बता दें कि फिल्म 'धुरंधर 2' की तारीफ में साउथ एक्टर राम चरण पोस्ट कर चुके हैं। उनके अलावा अल्लू अर्जुन और विजय देवरकोंडा जैसे सितारे भी फिल्म की तारीफ सोशल मीडिया पोस्ट साझा करके कर चुके हैं। बता दें कि फिल्म 'धुरंधर 2' ने ओपनिंग डे पर 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है।

अंजलि की कमर छूने पर हरियाणा महिला आयोग सख्त

चेयरपर्सन बोलीं- हरियाणवी एक्ट्रेस-पवन सिंह को फरीदाबाद बुलाएंगे

हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव की स्टेज पर भोजपुरी सिंगर-एक्टर पवन सिंह द्वारा कमर छूने पर महिला आयोग ने सख्ती दिखाई है। अंजलि ने हरियाणा महिला आयोग को शिकायत कर ई-मेल के जरिये सबूत भेजे थे, जिसके बाद दोनों पक्षों को फरीदाबाद बुलाया गया है।

महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने बताया कि 2 अप्रैल को फरीदाबाद में सुनवाई रखी गई है। इस दौरान दोनों पक्षों को फरीदाबाद में उपस्थित होने के लिए बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को नोटिस भेजकर तलब किया जाएगा।

असल में रैपर सिंगर बादशाह के मामले में महिला आयोग के सख्त रवैये के बाद अंजलि ने शिकायत करने की हिम्मत जुटाई। अंजलि ने कहा कि उस दिन लखनऊ में पहले मंच पर पवन सिंह ने गलत तरीके से कमर छुई। यह अनुचित व्यवहार था। यही नहीं बाद में बदनाम करने के लिए सुनियोजित तरीके से सोशल मीडिया और मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया।

अंजलि ने आयोग से आग्रह किया है कि उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर किए गए आपत्तिजनक कमेंट हटवाए जाएं। एक्ट्रेस का कहना है कि इसी वजह से उनका दिल्ली रामलीला में सीता का रोल छिन गया।

आयोग को भेजी शिकायत में क्या अहम बातें

सोशल मीडिया से अपमानजक पोस्ट हटवा

अंजलि राघव ने हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष को ई-मेल के जरिए भेजी शिकायत में कहा- सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ चल रहे अपमानजनक पोस्ट और झूठे प्रचार को तुरंत हटवाने के निर्देश दिए जाएं।

सीता का किरदार छिन गया

शिकायत में आगे लिखा- मैं 16 वर्ष की आयु से विभिन्न रामलीलाओं में माता सीता का किरदार निभाती थी। इसी के जरिए पहचान बनाई। इस विवाद के बाद दिल्ली की रामलीला में मेरा यह किरदार छीन लिया गया।

लखनऊ कार्यक्रम में हुआ विवाद

कुछ माह पहले मैं अपने एक गाने के प्रमोशन के लिए लखनऊ गई थी। वहां भोजपुरी गायक पवन सिंह ने मंच पर मेरी अनुमति के बिना मुझे छुआ, जिसका वीडियो भी उनकी टीम ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

अक्षय कुमार से इंस्पायर हुईं वामिका गब्बी, हॉरर-कॉमेडी फिल्म ‘भूत बंगला’ में खुद किये अपने एक्शन सीन

फिल्म ‘भूत बंगला’ को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं। जानिए, ऐसा क्या कर रही हैं वामिका गब्बी।

अक्षय कुमार के साथ बिठाया तालमेल

सूत्रों के अनुसार फिल्म ‘भूत बंगला’ में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि वामिका को इस सीन के लिए अक्षय पर पूरा भरोसा था। उन्होंने बिना किसी एक्सट्रा सपोर्ट के सीन किया।'

टीजर में भी दिखी वामिका गब्बी की झलक

पिछले दिनों फिल्म ‘भूत बंगला’ का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आईं। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्मयी जीव है जो सबको डराता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म ‘भूत बंगला’ में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

महेश बाबू ने धुरंधर 2 की तारीफ की:बोले-एकदम शानदार तरीके से बनाई गई धमाकेदार फिल्म, रणवीर सिंह की एक्टिंग की भी सराहना की

साउथ एक्टर महेश बाबू ने फिल्म ‘धुरंधरः द रिवेंज’ की जमकर तारीफ करते हुए इसे शानदार फिल्म बताया। साथ ही आदित्य धर के डायरेक्शन, रणवीर सिंह और आर माधवन की एक्टिंग और फिल्म के म्यूजिक की सराहना की। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर फिल्म को लेकर उन्होंने लिखा, ‘धुरंधरः द रिवेंज एकदम शानदार तरीके से बनाई गई धमाकेदार फिल्म है! रणवीर का अब तक का सबसे शानदार रूप देखने को मिला है। आदित्य धर ने इसे जिस तरह से

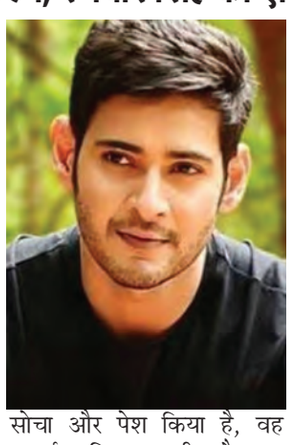

सोचा और पेश किया है, वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है। आर माधवन की एक्टिंग और शाश्वत सचदेव का म्यूजिक खास तौर पर शानदार है। यह फिल्म देखने और जश्न मनाने लायक है। पूरी टीम को बधाई।'

अल्लू अर्जुन ने भी धुरंधर 2 की तारीफ की

साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन ने भी फिल्म धुरंधर 2 देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि यह हर भारतीय को गर्व महसूस कराएगी। उन्होंने रणवीर सिंह और आर माधवन समेत फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की परफॉर्मेंस की भी सराहना की।

अनन्या पांडे ने पैपराजी को धमकाया, दी चेतावनी बोलीं- 'ऐसा किया तो 'धुरंधर 3' बन जाएगी'

अनन्या पांडे इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच अनन्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अनन्या पैपराजी की बातों पर उन्हें चेतावनी देती नजर आ रही हैं।

अनन्या पांडे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैंस के बीच काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अनन्या व्हाइट शर्ट के साथ ब्लैक पेंट में किसी मॉल में नजर आ रही हैं।

लेकिन जब अनन्या की नजर पैपराजी पर पड़ती हैं तो वह उन्हें प्यार से धमकाती हैं और कहती हैं, 'तुम्हें एक बार और देखूंगी तो 'धुरंधर 3' बन जाएगी।' बस इतना बोलने के बाद वहां पर मौजूद सभी आस पास के लोग अनन्या की बातों पर हंसने लग जाते हैं। अनन्या के इस वीडियो पर उनके कई फैंस ने लाल दिल वाला और फायर इमोजी बनाया है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी अनन्या पांडे

अनन्या पांडे जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ रोमांटिक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा...' और लक्ष्य के साथ 'चांद मेरे दिल' में नजर आएंगी। इसके अलावा, वह अपनी लोकप्रिय ओटीटी सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में भी मुख्य भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा वह कथित तौर पर फिल्म 'शंकरा' में भी नजर आ सकती हैं।

गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार ओटीटी पर करेंगी डेब्यू; बोलीं- 'सपने के सच होने जैसा लग रहा'

फिल्म 'घुड़चढ़ी' में रवीना टंडन और संजय दत्त के साथ अभिनय कर चुकीं खुशाली कुमार अब फिल्मों के बाद जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने वाली हैं। यह सीरीज का दूसरा भाग होगा, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगा।

किस सीरीज में नजर आएंगी खुशाली

फैशन और म्यूजिक वीडियो से शुरुआत करने वाली खुशाली अब फिल्मों और वेब सीरीज पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। खुशाली कुमार वेब सीरीज 'सपने vs एवरीवन' के सीजन 2 में नजर आएंगी। इस सीरीज में खुशाली 'तृप्ती' नाम की लड़की की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज को लेकर खुशाली काफी उत्साहित हैं।

सीरीज को लेकर खुशाली की राय

हाल ही में मुंबई में एक इवेंट में खुशाली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सपने सच होने जैसा लग रहा है। पहली बार ओटीटी पर काम करना उनके लिए बहुत खास और भावुक अनुभव है।

किन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं खुशाली

खुशाली कुमार कई फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार संजय दत्त और रवीना टंडन की फिल्म 'घुड़चढ़ी' में देखा गया था। इसके अलावा वह 'धोखाः राउंड डी कॉर्नर', 'स्टारफिश',, 'डेढ़ बीघा जमीन' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने टी-सीरीज के कई लोकप्रिय संगीत वीडियो जैसे 'मैनु इश्क दा', 'हाईवे स्टार', और 'रात कमाल है' में भी काम किया है।

कांग्रेस में अलग राह पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह

चंबल के बाद अब बुंदेलखंड में घर-घर घूम रहे, तीन साल माला नहीं पहनेंगे

भोपाल, 21 मार्च (एजेंसियां)। एमपी में विधानसभा चुनाव में पौने तीन साल बाकी हैं। लेकिन, कांग्रेस में पावर की रेस तेज है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कई नेताओं को मंत्री, उपमुख्यमंत्री बनाने की बात कह चुके हैं। तो कई मंचों से आदिवासी सीएम बनाने की मांग भी उठ चुकी है।

अब पूर्व नेता प्रतिपक्ष और सीधी जिले की चुरहट सीट से सात बार के कांग्रेस विधायक अजय सिंह "राहुल" प्रदेश भर में दौरे पर निकले हैं। अजय सिंह ने पिछले महीने चार दिनों तक चंबल का दौरा किया। अब वे बुन्देलखंड के दौरा करके पुराने कांग्रेसियों से मिल रहे हैं।

अजय सिंह के पिता अर्जुन सिंह मप्र के मुख्यमंत्री और केन्द्र सरकार में मंत्री के साथ ही राज्यपाल भी रहे हैं। अजय सिंह भी मप्र सरकार में मंत्री और नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। अब वे अपने विंध्य क्षेत्र के अलावा दूसरे क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ा रहे हैं।

दौरों में अजय सिंह के बयान साफ बता रहे हैं कि वे अपनी जगह खुद बना रहे हैं। और चुनाव

के पहले विंध्य क्षेत्र तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश में अपनी टीम बनाने में जुटे हैं।

16 मार्च को बुन्देलखंड के दौरे पर निकले अजय सिंह ने ओरछा में रामराजा सरकार के दर्शन किए। इसके बाद वे निवाड़ी पहुंचे।

यहां मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा-मैं फुर्सत में हूं सात बार का विधायक हूं, ज्यादा काम धाम है नहीं तो सोचा यही करूं।

अजय सिंह राहुल अपने पिता और स्वर्गीय अर्जुन सिंह से जुड़े. पुराने कांग्रेसियों से मिल रहे हैं। मंचीय कार्यक्रमों के बजाए वे सिर्फ जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मेल-मुलाकातें कर रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के घर जाकर मिल रहे हैं।

अजय सिंह राहुल बीते फरवरी के महीने में 11 से 15 फरवरी तक चंबल अंचल में घूमे। ग्वालियर से लेकर मुरैना, भिंड और दतिया जिले में वे पुराने कांग्रेसियों से मिले।

लहार में डॉ. गोविन्द सिंह के निवास पर मीडिया से अजय सिंह ने कहा मैं प्रदेश की प्रत्येक उस विधानसभा में जाकर संपर्क करूंगा, जहां हमारे कार्यकर्ता शांत बैठे हैं या जागरुक नहीं है।

अजय सिंह राहुल ने प्रदेश के दौरे की शुरुआत चंबल अंचल से की। चंबल में कांग्रेस मजबूत स्थिति में रही है। पिछले 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे कम अंतर से हारने वाली सीटें चंबल-ग्वालियर अंचल की ही थी। ऐसे में अजय सिंह ने चंबल से दौरों की शुरुआत की है।

4 मार्च को वे मुरैना जिले के पहाड़गढ़ में दलकू बाबा की प्रतिमा अनावरण के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर की मौजूदगी में उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था- यहां के लोग विंध्य में रिश्तेदारी करने नहीं जाते, और वहां के लोग यहां शादी संबंध नहीं करते। अब समय आ गया है कि चंबल और विंध्य के बीच रिश्तेदारियां बढें।

विंध्य क्षेत्र से लगे बुन्देलखंड में अर्जुन सिंह के जमाने से कई कद्दावर कांग्रेसी अजय सिंह से जुडे. रहे हैं। लेकिन, अजय सिंह विंध्य क्षेत्र को छोड़कर बुन्देलखंड में ज्यादा सक्रिय नहीं रहे।

मध्य प्रदेश गठन के पहले बुन्देलखंड भी विंध्य प्रदेश में शामिल था। अब अजय सिंह इस क्षेत्र में कांग्रेसियों के घर-घर जाकर संपर्क बढ़ा रहे हैं।

3 लाख 49 हजार खिलाड़ी, विजेता को मिलेगा 3 करोड़ तक का इनाम

सरगुजा ओलंपिक का सीएम ने किया शुभारंभ

सरगुजा, 21 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद अब सरगुजा ओलंपिक की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को अंबिकापुर जिले स्थित पीजी कॉलेज ग्राउंड में सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ किया। सीएम साय को इस दौरान संभाग के सभी जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट लेकर सलामी दी।

मुख्यमंत्री साय ने मां महामाया का स्मरण करते हुए प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद अब सरगुजा में भी इस आयोजन की शुरुआत की गई है, जिससे यहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि बस्तर ओलंपिक में पहले वर्ष 1.65 लाख और इस वर्ष 3.91 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया, जबकि सरगुजा ओलंपिक में इस बार लगभग 3.49 लाख खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है।

इनमें से 2000 से अधिक खिलाड़ी संभाग स्तरीय तीन

दिवसीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 3 लाख 49 हजार खिलाड़ियों की स्वस्फूर्त सहभागिता खेल के प्रति उनके प्रेम और समर्पण को दिखाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए बजट में बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक के वार्षिक आयोजन हेतु 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

सरगुजा ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 21 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जबकि स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को 2 और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

सीएम ने कहा- नक्सलवाद अंतिम चरण में

सीएम ने नक्सलवाद उन्मूलन के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र अब तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। नक्सल मुक्ति का संकल्प हमारे जवानों के अदम्य साहस से पूरा होने की कगार पर है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर ओलंपिक में आत्म समर्पित नक्सलियों की टीम ने जोआ बाट के नाम से हिस्सा लिया, जिसमें लगभग 700 आत्म समर्पित नक्सली शामिल हुए।

गीता फोगाट भी हुईं शामिल

मुख्यमंत्री ने बताया कि खेलों के माध्यम से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है और बस्तर व सरगुजा अंचल खेल अधोसंरचनाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरगुजा के पंडरापाठ में 20 करोड़ रुपए की लागत से आर्चरी अकादमी स्थापित की जा रही है, जिससे क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता गीता फोगाट ने भी खिलाड़ियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक में बड़ी संख्या में बेटियों की भागीदारी देखना सुखद है। उन्होंने युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने का संदेश दिया, साथ ही नशे और गलत आदतों से दूर रहने की अपील की।

नियम टूटे तो होगा कड़ा विरोध

ममता बनर्जी का एनआरसी वादा, महुआ माझी का संविधान वाला प्रहार

रांची, 21 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माझी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने यह दावा करते हुए कहा था कि अगर हमारे राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो एनआरसी को हर हाल में लागू किया जाएगा। महुआ माझी ने शनिवार को मीडिया से कहा कि मैं इस पूरे मामले में कुल मिलाकर यही कहना चाहूंगी कि अगर कोई भी सरकार संविधान के अनुरूप काम करे, तो बेहतर रहेगा। अगर सरकार संविधान के अनुसार हर काम करेगी, तो हम उसका हर हाल में स्वागत करेंगे, लेकिन हम इस बात को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकते कि कोई संवैधानिक नियमों का उल्लंघन करें।

उन्होंने झारखंड सरकार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लगातार समाज के हर तबके के लिए काम कर रही है। हम किसी के भी हितों के साथ किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं कर रहे हैं। हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज में हर तबके के लोगों का सर्वांगीण विकास हो। लोगों के विकास के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा रहा है। मुझे लगता है कि पश्चिम बंगाल में इसी तरह का काम होना चाहिए, लेकिन अगर कोई संविधान के विरोध में जाएगा, तो हम उसका विरोध करेंगे।

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने प्रदेश की महिलाओं को रिझाने के लिए कई तरह के लोक लुभावने वादे किए हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए महुआ माझी ने कहा कि महिलाओं के हित के लिए भाजपा शासित सरकारों में भी कई तरह की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। ऐसी स्थिति में अगर ममता बनर्जी ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए किसी तरह की योजनाओं का ऐलान किया है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए।

महुआ माझी ने पश्चिम एशिया

में चल रहे युद्ध पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत को जरूर इस युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए, क्योंकि कोई भी युद्ध किसी के भी हित में नहीं होता है। अगर मान लीजिए, पाकिस्तान में कुछ होता है, तो जाहिर सी बात है कि उसका असर हिंदुस्तान पर भी पड़ेगा, क्योंकि हम लोग आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में अगर किसी एक को भी कुछ होता है, तो उसका असर अन्य लोगों को भी होता है।

उन्होंने कहा कि आप देख सकते हैं कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की वजह से भारत में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत पैदा हो गई है।

डॉ. लोहिया की 116 वीं जयंती पर कौशल विकास केंद्र का शिलान्यास समारोह कल

रॉंची, 21 मार्च (एजेंसियां)। डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले स्थित बहरागोड़ा में डॉ. राममनोहर लोहिया चैतन्यता एवं कौशल विकास केंद्र के भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश एवं लोहिया विचार मंच, हैदराबाद के अध्यक्ष टी. गोपाल सिंह करेंगे। समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की 116वीं जयंती के अवसर पर बहरागोड़ा में 23 मार्च को यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कौशल विकास केंद्र डॉ. लोहिया के समाजवादी मूल्यों को आगे बढ़ाने और स्थानीय युवाओं को कौशल से लैस करने के लिए प्रशिक्षण देने सहित रोजगार के भी अवसर मुहैया कराने में मददगार होगा। साथ ही यहां डॉ. लोहिया एवं अन्य प्रखर समाजवादी नेताओं पर रिसर्च करने वाले रिसर्चरों के लिए भी उन्नत पुस्तकालय एवं अन्य जरूरी सामग्रियों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यक्रम के लिए रॉंची (झारखंड) रवाना होने से पहले लोहिया विचार मंच के अध्यक्ष टी. गोपाल सिंह ने बताया कि डॉ. राममनोहर लोहिया और बदरीविशाल पित्ती का सपना था कि भारत के सुदूर में समाजवादी प्रशिक्षण एवं कौशल विकास का एक केंद्र बने, ताकि ग्रामीण विकास और लोगों को स्वरोजगार का एक अवसर उपलब्ध हो सके। डॉ. लोहिया की असामयिक मृत्यु के बाद सामाजिक स्वावलंबन का यह प्रकल्प पूरा नहीं हो सका। उनकी मृत्यु के 59 साल बाद ही सही, डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन, दिल्ली के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह और फाउंडेशन से जुड़े सदस्यों के परिश्रम से डॉ. लोहिया का सपना पूरा हो रहा है।

इस समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के उद्योग, श्रम नियोजन एवं कौशल विकास मंत्री संजय प्रसाद यादव होंगे। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि झारखंड के पूर्व मंत्री डॉ. दिनेश कुमार षड़ंगी एवं रामचंद्र केसरी, बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती, जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय, महाराजा मयूरभंज एवं ओडिशा के पूर्व मंत्री प्रवीण चंद्र भंजदेव, राजनारायण के लोग ट्रस्ट के अध्यक्ष सैयद शाहनवाज कादरी, घाटशिला के विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजवादी विचारक गोविंद अग्रवाल दोदराजका होंगे। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि श्री अव्यक्त होंगे।

भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से समाजवादी विचारक एवं बुद्धिजीवियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इनमें जैविक खेती अभियान, तिरहुत, बिहार के संस्थापक क्रांति प्रकाश, सतना के एडवोकेट सुरेंद्र शर्मा, इंदौर से रामबाबू अग्रवाल, जौनपुर से परवेज आलम सिद्दीकी, कोलकाता से अमिताभ चक्रवर्ती एवं रमेश कुमार लोधा शामिल हैं।

लड़की की आईडी बना इंस्पेक्टर से 40 लाख ठगे

हिसार, 21 मार्च (एजेंसियां)। हिसार में ठगों ने लड़की के नाम से आईडी बनाकर इंस्पेक्टर से 40 लाख रुपए ऐंठ लिए। ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर इंस्पेक्टर को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करने के नाम पर फंसाया। पहले पीड़ित से 50 हजार रुपए जमा कराए।

इसके बाद कुछ मुनाफा देकर 40 लाख रुपए और जमा करा लिए। इंस्पेक्टर का कहना है कि करीब एक माह पहले फेसबुक पर एक लड़की के नाम फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। दोस्ती होने के बाद बातचीत होने लगी। नंबर शेयर हुआ तो दोनों व्हाट्सएप पर भी बातें करने लगे। मामले में साइबर थाना पुलिस का कहना है कि इंस्पेक्टर की शिकायत पर शिकायत दर्ज कर ली है। आरोपियों को ट्रैस करने का प्रयास किया जा रहा है। हिसार के सेक्टर 16 निवासी शिकायतकर्ता घनश्याम (40) ने पुलिस को 40 लाख रुपए ठकी की शिकायत दी है। वह अभी कैथल के कृषि विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है। इंस्पेक्टर ने शिकायत में बताया कि 20 फरवरी को उनकी फेसबुक आईडी पर रेखा यादव नाम की प्रोफाइल से फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। इंस्पेक्टर ने शिकायत में बताया कि उन्होंने रिक्वेस्ट अक्सेप्ट कर ली। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इसके बाद दोनों के नंबर शेयर हो गए।

दोस्ती होने के बाद बातचीत व्हाट्सएप पर होने लगी। इसके बाद महिला ने उन्हें ग्लोबल प्राइम नामक प्लेटफॉर्म पर निवेश करने का झांसा दिया।

पीड़ित के मुताबिक, शुरू में उन्होंने निवेश से मना कर दिया। मगर महिला के बार- बार कहने के बाद उन्होंने 50 हजार रुपए निवेश कर दिए। इसके बाद ठगों ने उनके अकाउंट में 53,890 रुपए वापस ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद रेखा यादव नाम की आईडी से बातचीत कर रहे ठग ने 20 लाख रुपए निवेश करने को कहा। घनश्याम ने अपनी माता कृष्णा देवी के पीएनबी खाते से ये रुपए ट्रांसफर कर दिए।

प्रेमी ने ब्लेड से गर्लफ्रेंड को घायल किया

कानपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में एक प्रेमी ने घर में घुसकर गर्लफ्रेंड पर ब्लेड से हमला कर दिया। इसके बाद अपनी गर्दन और कलाई चाकू से काट ली। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस बुलाई।

पुलिस ने किसी तरह दरवाजा खुलवाकर दोनों को बाहर निकाला। इलाज के लिए CHC भेजा। यहां से डॉक्टरों ने दोनों को हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। घटना शनिवार को बिल्हौर थाना क्षेत्र में हुई। प्रेमी का कहना है कि दोनों एक-दूसरे से प्यार करते थे। 3-4 महीने से लड़की मुझसे बात नहीं कर रही थी। वह किसी और से बात करने लगी थी।

ईद पर भोपाल में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे

राजस्थान में लोगों ने काली पट्टी बांधी, बंगाल में 'बाबरी मस्जिद' की साइट पर पहली बार नमाज

भोपाल, 21 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में आज ईद मनाई जा रही है। इस दौरान अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर दौराने को मिला है।

शिया समुदाय के लोगों ने श्रीनगर, भोपाल, जयपुर, अजमेर, सीकर, बंगाल के मुर्शिदाबाद और यूपी के संभल में नमाज के दौरान लोग काली पट्टी बांधकर पहुंचे।

भोपाल के इमामबाड़ा में अयातुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तकरीर में मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही।

शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगे। राजस्थान के जयपुर, सीकर, अजमेर सहित कई जिलों में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की गई।

मस्जिदों पर काले झंडे लगाए गए थे। शिया समुदाय ने विरोध में आज नए कपड़े भी नहीं पहने। घरों में बनने वाले परंपरिक भोजन खीर, सेवइयां भी नहीं बनाई गईं। मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ने के लिए लोग इकट्ठे हो रहे हैं। ईद-उल-फित्र के मौके पर राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह शरीफ में सुबह 5 बजे दरगाह का 'जन्नती दरवाजा' खोला गया।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय जबलपुर में बड़ा घोटाला

अकाउंटेंट ने सैलरी के नाम पर निकाल लिए 1.11 करोड़, 14 पर एफआईआर दर्ज

जबलपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। जबलपुर में शिक्षा विभाग के पनागर विकासखंड में पदस्थ अकाउंटेंट ने शासन को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर ना सिर्फ अपने और परिवार की जेब भरी, रिटायर हो चुके कर्मचारियों को कई सालों तक हर माह वेतन भी दिया।

खुलासा होने के बाद पनागर थाने में तीन शिक्षा अधिकारियों सहित 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि जल्द ही सभी की गिरफ्तारी होगी। इधर फर्जीवाड़ा से घिरे लोगों को जैसे ही एफआईआर को पता चला, तो सभी अंडरग्राउंड हो गए हैं, जिनकी पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। दरअसल कोष लेखा विभाग भोपाल से जबलपुर कलेक्टर को इनपुट मिला कि स्कूल शिक्षा विभाग के पनागर ब्लाक में करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ है, जिसमें कि अतिथि शिक्षकों के नाम पर 2018 से वेतन निकाला जा रहा है, जो कि उन लोगों को दिया जा रहा है, जो कि या तो रिटायर हो गए हैं, या फिर कभी नौकरी ही नहीं की हो। यह राशि अकाउंटेंट विजय कुमार भलावी ने लागइन-पासवर्ड से निकाली और फिर अलग-अलग खातों में जमा करवाई। कलेक्टर के निर्देश पर शिक्षा और लेखा विभाग की टीम गठित की और जब विजय कुमार सहित अन्य लोगों के बैंक खाते चेक किए, तो सभी के खातों में लाखों रुपए निकले।

शिक्षा विभाग में पदस्थ विजय कुमार के साथ-साथ उनकी पत्नी दो बेटी के खातों में कई लाख रुपए मिले। तीन पूर्व शिक्षा अधिकारी शैलबाला डोंगरे,त्रयंबक गणेश खरे और नरेंद्र तिवारी शामिल के नाम भी इस घोटाले मे सामने आए हैं, इसके अलावा जयंती भलावी, माधुरी भलावी, रागिनी भलावी, रानू भलावी, समीर कोष्ठा, माला कोष्ठा, अंकुश नेमा एवं पूर्व अतिथि शिक्षक सुचित्रा पटेल के बैंक खातों में राशि भेजी गई है, जो कि करीब 1 करोड़ 11 लाख रुपए हैं।

जांच के दौरान यह भी पता चला कि विजय कुमार भलावी 2016 से पनागर ब्लाक में पदस्थ था। तभी से उसने यह घोटाला हर माह करना शुरू कर दिया था। 2018 से 2026 के बीच तीन शिक्षा अधिकारी पदस्थ रहे, जिनकी लागइन-पासवर्ड से यह राशि निकाली गई और बाद में फिर अलग-अलग 16 खातों में ट्रांसफर की गई।

बीईओ कार्यालय पनागर में पदस्थ अकाउंटेंट विजय कुमार भलावी ब्लॉक के शिक्षकों की सूची में फर्जी तरीके से ऐसे नाम जोड़ देता था, जो कि कहीं शिक्षक हैं ही नहीं। इसके बाद उनके नाम की सैलरी जब आती थी, तो उसे निकालकर अपने और पत्नी, दो बेटियों सहित अन्य साथियों के खातों में डाल लेता था। यह पूरा कारनामा वह बेहद शातिर तरीके से किया गया था, जिसकी विभाग में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी को भनक ही नहीं लगी। हाल ही में जब कोषलेखा विभाग भोपाल में राशि का मिलान नहीं हुआ तब मामला सामने आया और शिकायत कलेक्टर तक पहुंची।

शिक्षा विभाग से लेकर जिला कोषालय भी शक के दायरे में बताया जाता है कि इस मामले में जहां स्कूल शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारियों पर भी शंका जाहिर की जा रही है, वहीं जिला कोषालय के अधिकारी और कर्मचारी भी निशाने पर हैं। इतना बड़ा मामला बिना सहभागिता के संभव नहीं है। शिक्षा विभाग के पास भी शिक्षकों की सूची होती है और उनमें नए नाम शामिल होने की जानकारी अधिकारियों को नहीं मिल पाई यह चौंकाने वाली बात है। वहीं जिला कोषालय ने भी बिना सत्यापन लगातार सैलरी निकाली, इस पर भी संदेह जताया जा रहा है।

जमशेदपुर में मिला 227 किलो का जिंदा बम, एरिया सील

रांची, 21 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा प्रखंड में सुवर्णरेखा नदी किनारे काफी पुराने विस्फोटक के मिलने से हड़कंप मच गया है। रांची से पहुंची बम निरोधक टीम ने प्रारंभिक जांच में इसे एक शक्तिशाली जिंदा बम होने की पुष्टि की है।

बताया जा रहा है कि यह एएन-एम 64 500 बी. अमेरिकन मेड श्रेणी का बम हो सकता है, जिसका वजन करीब 227 किलो है और यह बेहद घातक स्थिति में है। बम निरोधक दस्ते के प्रभारी नंदकिशोर सिंह ने बताया कि यह बम आकार में काफी बड़ा और खतरनाक है।

इसे सामान्य तरीके से नष्ट करना संभव नहीं है। इसे निष्क्रिय करने के लिए उच्च स्तरीय तकनीक की जरूरत है, जो केवल सेना के पास उपलब्ध है। मालूम हो कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने बम मिलने वाले क्षेत्र को पूरी तरह सील कर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने आसपास के ग्रामीणों को सख्त निर्देश दिया है कि वे नदीकिनारे उस स्थान पर न जाएं और किसी भीतरह की छेड़छाड़ से बचें। इसके बावजूद घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके प रपहुंचे और दूर से इस बम को देखने की कोशिश करते रहे।

बालू में दबा था मौत का गोला

नदी किनारे बालू-मिट्टी के भीतर दबा यह बम मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पहले इसे साधारण लोहे की वस्तु समझा जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार, यह विस्फोटक गिरातो था, लेकिन फटा नहीं, वह वर्षों बाद भी सक्रिय रह सकता है और कभी भी विस्फोट कर सकता है।

स्थानीय बुजुर्गों से मिली जानकारी के अनुसार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इस क्षेत्र में हवाई गतिविधियां हुई थीं। आशंका जताई जा रही है कि उस समय किसी विमान ने वजन कम करने के लिए हथियार नीचे गिराए थे, जिनमें से कुछ को बाद में हटाया गया, लेकिन यहबम दबा रह गया। करीब सात महीने पहले पश्चिम बंगाल के गोपीवल्लभपुर थानाक्षेत्र के धरमपुर गांव के पास भी सुवर्णरेखा नदी में इसी प्रकार का बम मिला था, जिसे बाद में एयरफोर्स की मदद से सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया गया था। घटना के बाद इलाके में भय का माहौल है।

पूरे बिहार में बारिश, आंधी-बिजली से 6 मौतें, 10 झुलसे

पटना, 21 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में शुक्रवार से मौसम बदला हुआ है। बिहार के सभी जिलों में शनिवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। बांका, गोपालगंज में तेज बारिश हुई। रक्सौल में तेज बारिश के चलते कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई। खगड़िया में भी मौसम खराब रहा। यहां सुबह से ही रुक-रुककर बारिश होती रही। पटना में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। शनिवार सुबह से ही बगहा और बेतिया में भी तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 25 जिलों में बारिश और तेज हवा का अलर्ट जारी किया है। 4 जिलों में तेज बारिश, बिजली गिरने का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में 60किमी की स्पीड से हवा चल सकती है।

मां-नानी ने जन्म से पहले किया बच्चे का सौदा

समस्तीपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। समस्तीपुर में एक मां ने कोख में पल रहे अपने बच्चे का सौदा किया। अपनी मां के साथ मिलकर महिला ने जन्म से पहले ही ढाई लाख में बच्चे की डील की और डिलिवरी के बाद उसे बेच दिया।

डिलिवरी के बाद महिला ससुराल न जाकर मायके चली गई और ससुराल वालों से कहा कि उसका बेटा मर गया। शोक में डूबे परिवार के 24 लोगों ने मुंडन भी करवाया। बाद में गांव में बच्चे के सौदे की बातें होने लगी तो पूरा मामला खुला। जिसके बाद महिला ने जिसे बच्चा दिया था, उससे वापस ले लिया और अब पूरे मामले की लीपापोती कर रही है। बड़ी बात ये है कि महिला ने गर्भ में पल से भ्रूण की लिंग जांच करवाई, बेटे का पता चलने के बाद उसका सौदा तय किया।

जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला 28 फरवरी 2026 की रात लेबर पेन होने पर महिला विभूतिपुर सीएचसी में भर्ती हुई। यहां 1 मार्च को उसने बेटे को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ थे। प्रसव के बाद महिला ने ससुराल नहीं जाकर मायके जाने की जिद की। आशा ने एंबुलेंस से जाने की सलाह दी, लेकिन महिला टोटो से जाने की बात कह कर निकल गई।

आरोप है कि सीएचसी से निकलने के बाद रास्ते में ही नवजात को बेच दिया गया। ससुराल वालों को बच्चे की मौत होने की झूठी सूचना दे दी।

शाम में परिजनों को फोन कर बच्चे की मौत की सूचना दे दी गई। सूचना मिलते ही घर में मातम छा गया। 2 मार्च को होलिका दहन के दिन ससुराल के करीब डेढ़-दो दर्जन लोगों ने बाल मुंडवा कर शोक प्रकट किया।

बच्चे की दादी ने बताया कि जब वे रो रही थीं तो बच्चे की नानी ने कहा कि ज्यादा चिंता करने से क्या होगा, जहां से आया था वहीं चला गया।

ईरान के पास बेचने को न तेल है और न ही फ्लोटिंग स्टाक

प्रतिबंधों में ढील के बाद इस दावे ने मचाई खलबली

नई दिल्ली,21 मार्च(एजेंसियां)। ईरान पर लगे प्रतिबंधों में अस्थायी ढील के बाद भारत समेत एशिया के कई देशों में रिफाइनरियों ने ईरानी कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करने की तैयारी कर दी है। यह कदम अमेरिका द्वारा ऊर्जा संकट को कम करने के लिए उठाया गया है, जो हालिया अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष के चलते पैदा हुआ है। रॉयटर्स ने सूत्रों के आधार पर बताया है कि भारत की प्रमुख रिफाइनरियां ईरानी तेल खरीदने की योजना बना रही हैं और सरकार के निर्देशों तथा भुगतान व्यवस्था को लेकर वॉशिंगटन से स्पष्टता का इंतजार कर रही हैं। भारत ने हाल ही में रूसी तेल पर से प्रतिबंध हटने के बाद भारी मात्रा में बुकिंग की थी। वहीं दूसरी ओर ईरान के एक बयान ने खलबली मचा दी है। ईरान ने साफ कहा है कि उसके पास अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने के लिए न तो कोई अतिरिक्त कच्चा तेल है और न ही फ्लोटिंग स्टॉक उपलब्ध है।

अमेरिका ने दी 30 दिन की छूट

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि अमेरिका ने ईरान के तेल पर 30 दिनों के लिए प्रतिबंधों में छूट दी है। यह छूट उन तेल खेपों पर लागू होगी जो 20 मार्च तक जहाजों में लोड हो चुकी हैं और 19 अप्रैल तक डिलीवर की जाएंगी। इसका मकसद ईरान-इजरायल युद्ध के कारण वैश्विक बाजार में तेल की कमी और आसमान छूती कीमतों को नियंत्रित करना।

समुद्र में तैर रहा 'खजाना'!

डेटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के अनुसार लगभग 17 करोड़ बैरल ईरानी कच्चा तेल अभी समुद्र में मौजूद टैंकरों में है। यह तेल मिडिल ईस्ट गल्फ से लेकर चीन के समुद्र तक फैला हुआ है। वहीं कंसल्टेंसी ऊर्जा के पहलू का अनुमान है कि यह मात्रा 130 से 140 मिलियन बैरल के बीच है।

एशिया की निर्भरता और संकट

एशिया अपनी करीब 60% कच्चे तेल की जरूरतों के लिए मिडिल ईस्ट पर निर्भर है। होर्मुज जलडमरूमध्य में हालिया तनाव और लगभग बंदी की स्थिति के कारण रिफाइनरियां उत्पादन घटाने और ईंधन निर्यात कम करने पर मजबूर हैं। भारत, जिसके पास अन्य बड़े एशियाई देशों की तुलना में कम कच्चा तेल भंडार है, पहले ही रूसी तेल की ओर रुख कर चुका है। अब ईरानी तेल की वापसी से आपूर्ति में राहत मिल सकती है।

साल 2018 में लगाया था बैन

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान साल 2018 में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बैन लगाया था। इसके बाद चीन ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया। प्रतिबंधों से पहले भारत, दक्षिण कोरिया, जापान, इटली, ग्रीस, ताइवान और तुर्की भी ईरानी तेल के बड़े खरीदार थे।

ईरानी बयान ने मचाई खलबली

इस मामले में एक नया मोड़ आ गया है। ईरान ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि उसके पास बेचने के लिए कोई अतिरिक्त तेल बचा ही नहीं है। मुंबई स्थित ईरानी दूतावास की ओर से जारी एक बयान में अमेरिकी दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। ईरान का तर्क है कि वर्तमान में ईरान के पास अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए समुद्र में तैरता हुआ या कोई अतिरिक्त तेल मौजूद नहीं है। अमेरिका पर तंज कसते हुए ईरान ने कहा कि अमेरिकी ट्रेजरी सचिव का बयान केवल खरीदारों को सांत्वना देने और बाजार की धारणा को कंट्रोल करने की एक कोशिश मात्र है।

क्रेडिट कार्ड बंद करा दिया, 10 साल बाद आया 33 लाख का डिमांड

पहुंचा कोर्ट तो मिला 5 लाख का हर्जाना

बेंगलुरु, 21 मार्च (एजेंसियां)। क्रेडिट कार्ड का सारा बकाया आपने चुकता कर उसे बंद करा दिया। 10 साल बाद बैंक ने 33.83 लाख का डिमांड नोटिस भेज दिया। ग्राहक की तो हवा खराब हो गई। उसने बैंक को वस्तुस्थिति से अवगत कराया लेकिन वह मानने को तैयार नहीं। तब ग्राहक पहुंचा कंज्यूमर कोर्ट। वहां से ग्राहक को मिला पांच लाख रुपये का हर्जाना। हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार यह घटना कर्नाटक के मैसूर की है। वहां रहने वाले वेंकटेश ने 27 अगस्त 2010 को बैंक को रिक्वेस्ट दिया कि उनका क्रेडिट कार्ड बंद कर दिया जाए। उस समय उस कार्ड पर 15,500 रुपये का बकाया था, जिसे जमा करा दिया गया। बैंक ने इसे कंफर्म कर दिया कि उनका अकाउंट बंद हो चुका है।

10 साल बाद मिला डिमांड नोटिस

क्रेडिट कार्ड बंद करने के बाद वेंकटेश को लेकिन एक दशक बाद, 25 दिसंबर 2020 को बैंक की तरफ से एक लीगल नोटिस मिला। इसमें कहा गया था कि आउटस्टैंडिंग ड्यूज है उनके ऊपर। उस समय कुल बकाया 33.83 लाख रुपये का बताया गया। इसके बाद उनके पास बैंक से कॉल, मैसेज और कुछ अन्य तरीके से संदेशा आने लगा कि बकाये का भुगतान करो। बैंक ने 15 जून 2022 को फिर से एक लीगल नोटिस भेजा कि 33.83 लाख रुपये का बकाया जमा कर दो। इस तरह के लीगल नोटिस और फोन कॉल से परेशान होकर वेंकटेश ने 18 जून 2022 को बैंक को लिखित में जवाब दिया। इसमें बताया गया कि 10 साल पहले ही उन्होंने अपना क्रेडिट कार्ड बंद करा दिया था। उसके बाद कोई ट्रांजेक्शन किया ही नहीं। ऐसे में कहां से ड्यूज सैटल करने का सवाल उठता है। इसके बाद भी बैंक नहीं माना। वेंकटेश के पास बैंक से हाराशिंग कॉल और पत्र आते रहे। हार कर उन्होंने डिस्ट्रिक कंज्यूमर फोरम का दरवाजा खटखटाया।

साल 2024 में डिस्ट्रिक कंज्यूमर फोरम का फैसला वेंकटेश के पक्ष में आया। कोर्ट ने उन्हें बैंक से एक लाख का हर्जाना दिलवाया। साथ ही उस पर अवार्ड के डेट से भुगतान होने तक 10 फीसदी का ब्याज भी दिलवाया। साथ ही मुकदमे के खर्च के रूप में 3,000 रुपये दिलवाये। जिला उपभोक्ता फोरम के फैसले से वेंकटेश नाखुश दिखे। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक स्टेट कंज्यूमर कमीशन गए। वहां 12 फरवरी 2026 को उसके पक्ष में फैसला आया। राज्य उपभोक्ता आयोग ने बैंक को हर्जाने के रूप में 5 लाख रुपये दिलवाए। साथ ही एक लाख रुपये वकील की फीस और 50,000 रुपये मुकदमे का खर्च दिलवाया।

ईरान वॉर का दिखा घातक असर!

अमेरिकी बाजार के डूब गए 94 लाख करोड़

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी शेयर बाजार लगातार चौथे हफ्ते दबाव में रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स पिछले हफ्ते 2.50 फीसदी से ज्यादा गिरा, जिससे मार्केट कैप को 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा यानी 94 लाख करोड़ रुपए ज्यादा कम हो गया। वास्तव में जब से ईरान और इजराइल के बीच वॉर शुरू हुआ है। तब से एसएंडपी 500 इंडेक्स में दबाव देखने को मिल रहा है। बीते एक महीने में यह इंडेक्स 5.83 फीसदी गिरा है, जिसकी वजह से इंडेक्स का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा कम हो गया है। अमेरिकी शेयर बाजार शेयर लगातार चौथे हफ्ते गिरावट के साथ बंद हुए — जो एक साल में गिरावट का सबसे लंबा स्ट्रीक है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, बेंचमार्क एसएंडपी 500 गुरुवार को अपने 200-दिन के मूविंग एवरेज से नीचे बंद हुआ; यह मार्केट के ओवरऑल हेल्थ का एक महत्वपूर्ण लेवल है, जिसके कारण फोर्स्ड सेलिंग शुरू हो सकती है। शेयर बाज़ार के विशेषज्ञों के अनुसार, यूएस-ईरान युद्ध के जल्द खतम होने की उम्मीदें कम होने के कारण यूएस शेयर बाज़ार में गिरावट आ रही है। यूएस-ईरान वॉर के लंबा खिंचने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे महंगाई का डर फिर से बढ़ गया है और केंद्रीय बैंकों के पास ब्याज दरें घटाने की कोई गुंजाइश नहीं बची है। बाज़ार बढ़ती अस्थिरता के लिए तैयार हो रहा है, क्योंकि शुक्रवार को व्यक्तिगत शेयरों, इंडेक्स और एक्सचेंज-ट्रेडेड फ़ंड से जुड़े लगभग 5.7 ट्रिलियन डॉलर के ऑप्शन की समय सीमा समाप्त होने वाली थी। इस तिमाही घटना को ट्रेडर ट्रिपल-विचिंग कहते हैं; यह घटना अचानक कीमतों में उतार-चढ़ाव लाने के लिए जानी जाती है, क्योंकि डेरिवेटिव्स से जुड़ा बड़ा निवेश अचानक समाप्त हो जाता है। सिटीग्रुप इंक। के 1996 से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को समाप्त होने वाले ऑप्शन का यह आंकड़ा मार्च महीने में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। ब्याज दरें कम होने से इकोनॉमी और निवेश की कीमतों को बढ़ावा मिलेगा, और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लगातार गुस्से में आकर इन्हीं दरों को कम करने की मांग कर रहे हैं। यूएस और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ वॉर शुरू करने से पहले, ट्रेडर इस बात पर जोरदार दांव लगा रहे थे कि फेडरल रिज़र्व इस साल कम से कम दो बार ब्याज दरें घटाएगा। लेकिन ब्याज दरें कम करने से महंगाई के और बिगड़ने का जोखिम बना रहता है। अब जब तेल की कीमतें इतनी ज्यादा हो गई हैं, तो निवेशकों को लगता है कि दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों के पास अपनी अर्थव्यवस्थाओं की मदद के लिए ब्याज दरें घटाने की गुंजाइश बहुत कम बची है। फेडरल रिज़र्व के अलावा, यूरोप, जापान और यूनाइटेड किंगडम के सेंट्रल बैंकों ने भी पिछले हफ़्ते अपनी ब्याज दरें स्थिर रखीं। ईरान ने फारसी खाड़ी में अरब देशों पर हमले जारी रखे, जबकि इजरायल ने संकेत दिया था कि वह इस्लामिक गणराज्य के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने से परहेज करेगा।

एलपीजी संकट-राज्यों को 23 मार्च से 20% ज्यादा गैस मिलेगी

केंद्र बोला– ढाबों–होटलों को प्राथमिकता मिले प्रवासी मजदूरों को 5किग्रा सिलेंडर दिए जाएं

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट से पहले के स्तर (प्री-क्राइसिस लेवल) के 50% तक पहुंच जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया कि सामुदायिक रसोई, रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को प्राथमिकता दी जाए।साथ ही प्रवासी मजदूरों को प्राथमिकता से 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, गैस की कालाबाजारी या गलत इस्तेमाल रोकने के लिए कदम उठाने को भी कहा गया है।

क्या है 'प्री-क्राइसिस लेवल'?

'प्री-क्राइसिस लेवल' का मतलब उस समय से है जब देश में गैस संकट शुरू नहीं हुआ था। फिलहाल राज्यों को बहुत कम सप्लाई मिल रही थी, जिसे अब बढ़ाकर पुरानी डिमांड का आधा (50%) किया गया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल और गैस सप्लाई लगभग रुक गई है।

ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को मिलेगी प्राथमिकता

यह अतिरिक्त 20% गैस खास सेक्टरों को प्राथमिकता देकर दी जाएगी। डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के मुताबिक, यह सप्लाई सबसे पहले रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल और इंडस्ट्रियल कैंटीन को मिलेगी। सरकार का मकसद है कि खाने-पीने की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर किसी तरह का असर कम से कम पड़े।

गैस की अतिरिक्त सप्लाई का फायदा फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी सेक्टर को भी मिलेगा। इसके साथ ही, राज्य सरकार या स्थानीय निकायों द्वारा चलाए जा रहे सस्ती दर वाले कैंटीन और आउटलेट्स को भी इसमें शामिल किया गया है। सामुदायिक रसोई (कम्युनिटी किचन) को भी प्राथमिकता दी गई है, ताकि आम लोगों को आसानी से खाना मिलता रहे।

प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलो वाले सिलेंडर की व्यवस्था

मंत्रालय ने प्रवासी मजदूरों की जरूरतों का भी ध्यान रखा है। पत्र में कहा गया है कि 5 किलो वाले एफटीएल गैस सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को दिए जाएं। साथ ही, राज्यों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि इस अतिरिक्त गैस की कालाबाजारी या गलत इस्तेमाल न हो, इसके लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

अगले आदेश तक जारी रहेगी यह व्यवस्था

यह नई व्यवस्था 23 मार्च से लागू होगी और अगली सूचना तक जारी रहेगी। फिलहाल देश में एलपीजी की कमी है, ऐसे में सप्लाई को 50% तक बढ़ाना एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार हालात पर नजर रखे हुए है, ताकि आगे चलकर सप्लाई को पहले जैसे सामान्य स्तर (100%) तक पहुंचाया जा सके।

जिस कंपनी में विजय केडिया ने लगा रखा है 1 करोड़ से ज्यादा का दांव, उसे भूटान में मिला बड़ा काम

नई दिल्ली,21 मार्च(एजेंसियां)। सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी स्मॉल कैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग को भूटान की कंपनी दोरजलुंग हाइड्रो पावर लिमिटेड से 230 करोड़ रुपये का एक प्रोजेक्ट मिला है। कंपनी ने बताया कि कंपनी को 'पैकेज-1' के तहत प्री-कंस्ट्रक्शन कार्यों का ठेका मिला है। इनमें दो डाइवर्जन टनल, एक हाईवे टनल और हाइड्रामैकेनिकल काम जैसे कि गेट वगैरह बनाने हैं। दोरजलुंग हाइड्रो पावर लिमिटेड भूटान की ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत की टाटा पावर कंपनी लिमिटेड का एक जॉइंट वेंचर है। कंपनी ने बताया कि दोरजलुंग हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट भूटान के ऊर्जा क्षेत्र में एक अहम पहल है। यह पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत भूटान का सबसे बड़ा हाइड्रो प्रोजेक्ट है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह देश की घरेलू ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सके, साथ ही बची हुई साफ ऊर्जा को भारत को एक्सपोर्ट करने में भी मदद करे, जिससे क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो। दोरजलुंग हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट की कैपेसिटी 1125 मेगावाट है। यह भूटान के मोंगर जिले में कुरीचू नदी पर एक 'रन-ऑफ-द-रिवर' प्रोजेक्ट है।

विमानों में 60% फ्री सीट का मामला गरमाया

एयरलाइंस ने दी किराया बढ़ाने की चेतावनी, कर दी बड़ी मांग

नई दिल्ली,21 मार्च(एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने हाल ही में एयरलाइंस कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे कम से कम 60% सीटें बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के उपलब्ध कराएं। सरकार के इस निर्देश पर अब एयरलाइंस कंपनियों ने कड़ा ऐतराज जताया है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सरकार को चेतावनी दी है कि इस कदम से हवाई टिकटों के दाम बढ़ सकते हैं।

क्या है विरोध का कारण?

एयरलाइंस कंपनियों ने नागरिक उड्डयन सचिव समीर सिन्हा को पत्र लिखकर अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। इस पत्र में उन्होंने इन कारणों का जिक्र किया है: एयरलाइंस का कहना है कि सीट सिलेक्शन से होने वाली कमाई उनके रेवेन्यू का एक बड़ा हिस्सा है। अगर इसे बंद किया गया, तो घाटे की भरपाई के लिए उन्हें बेस फेयर बढ़ाना पड़ेगा। इसका बोझ उन यात्रियों पर भी पड़ेगा जो सीट सिलेक्ट नहीं करना चाहते। कंपनियों ने इसे रेगुलेटरी ओवररीच (नियामकीय अतिक्रमण) करार दिया है। उनका मानना है कि सरकार को एयरलाइंस के कमर्शियल फैसलों और सीट की कीमतों में दखल नहीं देना चाहिए। एफआईए के मुताबिक भारत में एयरपोर्ट चार्ज और फ्यूल की लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में सहायक राजस्व ही कंपनियों को टिके रहने में मदद करता है।

सरकार का क्या था निर्देश?

हाल ही में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइंस को निर्देश दिया था कि वे चार्ट में कम से कम 60% सीटें बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के रखें। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले परिवार या दोस्त बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक साथ बैठ सकें। अक्सर देखा जाता है कि साथ यात्रा करने के बावजूद यात्रियों को पास की सीटें पाने के लिए अलग से पैसे देने पड़ते हैं।

एसबीआई को मिला 6337 करोड़ रुपये का डिमांड नोटिस, बैंक ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। शुक्रवार, 20 मार्च को शेयर बाजार (एक्सचेंज) को दी गई बैंक की एक आधिकारिक सूचना ने वित्तीय जगत में काफी हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, आयकर विभाग ने एसबीआई को पूरे 6,338 करोड़ रुपये का भारी-भरकम टैक्स डिमांड नोटिस थमा दिया है। दरअसल, यह पूरा मामला वित्त वर्ष 2023-24 (असेसमेंट ईयर) के टैक्स आकलन से गहराई से जुड़ा हुआ है। बैंक की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, इनकम टैक्स विभाग ने हाल ही में बैंक के बही-खातों की कड़ी जांच-पड़ताल (स्क्रूटनी) की थी। इस गहन समीक्षा के दौरान टैक्स अधिकारियों ने बैंक द्वारा दिखाए गए कुछ खर्चों या दावों को नामंजूर कर दिया, जिसे वित्तीय भाषा में 'डिसअलाउंस' कहा जाता है। आयकर विभाग द्वारा खारिज किए गए इन्हीं दावों और उन पर लगाए गए भारी ब्याज को मिलाकर यह 6,338 करोड़ रुपये की विशाल देनदारी बनी है। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह आदेश 19 मार्च 2026 को आयकर अधिनियम की धारा 143(3), 144सी(3) और 144बी के सख्त प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। वहीं बैंक प्रबंधन ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि टैक्स के नियमों और दावों को लेकर ऐसे ही कई मामले पिछले कुछ वर्षों से कानूनी लड़ाई के दौर से गुजर रहे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि आयकर विभाग का यह ताजा नोटिस किसी नई या अलग-थलग गलती का नतीजा नहीं है। बल्कि, यह विभाग और बैंक के बीच चल रहे उन पुराने टैक्स विवादों की एक लंबी कड़ी का ही हिस्सा है। चूंकि 6,338 करोड़ रुपये की यह रकम बहुत बड़ी है और यह बैंक के तय नियमों (मटेरियलिटी थ्रेशोल्ड) के दायरे में आती है, इसलिए कॉरपोरेट पारदर्शिता का पालन करते हुए बैंक ने बिना देरी किए इसकी जानकारी अपने शेयरधारकों और आम जनता के साथ साझा की है।

मेटल स्टॉक्स में कोहराम, हिंदुस्तान कॉपर और टाटा स्टील के शेयर 14% तक टूटे, आगे क्या रहेगी चाल?

नई दिल्ली,21 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों ने दुनियाभर के शेयर बाजार पर असर डाला है। इससे भारतीय शेयर बाजार भी अछूता नहीं रहा है। हाल के दिनों में मेटल सेक्टर के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली है। पिछले एक महीने में हिन्दुस्तान कॉपर, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों के शेयर 7% से लेकर 14% तक गिर चुके हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कड़े रुख के कारण भी मेटल स्टॉक्स में गिरावट आई है। हालांकि, एक्सपर्ट्स का मानना है कि भू-राजनीतिक संकट के कारण आने वाले समय में मेटल की कीमतों में उछाल आ सकता है।

एक महीने में किन शेयरों में कितनी गिरावट?

हिंदुस्तान कॉपरः 14% हिंदुस्तान जिंकः 13%
टाटा स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टीलः 11%
अडानी एंटरप्राइजेजः 10% हिंडाल्को इंडस्ट्रीजः 7%

फेड चेयरमैन ने ब्याज दरों में कोई कटौती नहीं करने का फैसला लिया है। महंगाई के ऊंचे स्तर और डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों के कारण ब्याज दरें ऊंची बनी रहने की आशंका है, जो मेटल इंडस्ट्री के लिए नकारात्मक है। मिडिल ईस्ट संकट के कारण तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई का दबाव बढ़ गया है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण शिपिंग रूट प्रभावित हुए हैं, जिससे माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है।

क्या है एक्सपर्ट्स की राय?

एलारा कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, मेटल की कीमतों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। हॉट-रोल्ड कॉइल की कीमतों में 13% और प्राइमरी रीबार में 20% की बढ़ोतरी हुई है। इससे स्टील उत्पादकों के मार्जिन में सुधार हो सकता है। दुनिया के कुल एल्युमीनियम उत्पादन का 8% हिस्सा मिडिल ईस्ट से आता है। वहां जारी युद्ध और गैस की कमी के कारण एल्युमीनियम की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं।भारत से यूरोप जाने वाले माल को अब 'केप ऑफ गुड होप' के रास्ते भेजा जा रहा है, जिससे ट्रांजिट समय 10-20 दिन बढ़ गया है। हालांकि, घरेलू बाजार में मांग और कीमतों में रिकवरी देखी जा रही है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मीन	मे
चंद्र	मेष	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मीन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मीन....	06-00 बजे
मेष.....	07-36 बजे
वृष....	09-20 बजे
मिथुन..	11-21 बजे
कर्क...	13-33 बजे
सिंह---	15-45 बजे
कन्या--	17-52 बजे
तुला----	19-57 बजे
वृश्चिक..	22-07 बजे
धनु.....	00-20 बजे
मकर...	02-27 बजे
कुंभ....	04-17 बजे

श्री रौद्र नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-22
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -23
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष रविवार 22 March 2026
तिथि - चतुर्थी 21-16 रात्री तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - भरणी 22-41 रात्री तक उप कृत्तिका
योग - वैधृति 15-40 तक रात्री उप विष्कुंभ
करण - वणिज 10-36 तक उप विष्टी (भद्रा)

भद्रा 10-37 से

श्रीगणेश दमनक चतुर्थी व्रत

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-55 से 18-26 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 06-22 - 07-51 अशुभ	शुभ। 18-23 - 19-55 शुभ
चंचल 07-51 - 09-22 शुभ	अमृत 19-54 - 21-25 शुभ
लाभ 09-22 - 10-52 शुभ	चंचल 21-25 - 22-54 शुभ
अमृत 10-52 - 12-23 शुभ	रोग 22-54 - 00-23 अशुभ
काल 12-23 - 13-54 अशुभ	काल 00-23 - 01-52 अशुभ
शुभ 13-54 - 15-25 शुभ	लाभ 01-52 - 03-21 शुभ
रोग 15-25 - 16-55 अशुभ	उत्पात 03-21 - 04-50 अशुभ
उत्पात 16-55 - 18-23 अशुभ	शुभ 04-50 - 06-22- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करे । इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे । आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है , इसलिए अपने खर्चे और निवेश को कम करे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यो को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था , लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है , हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है । व्यय बढ़ेंगे लेकिन आपको बहुत जल्द ही कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त होने के आसार है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं। आज यात्रा के लिए न कोई योजना बनाये और न ही कोई भुगतान करें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चो की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन उन लोगों के लिए सबसे अनुकूल है , जो किसी भी स्वास्थ्य से संबंधित व्यवसायों में हैं । डॉक्टरों, नर्सों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों और यहां तक कि मेडिकल छात्रों की सफलता के लिए आज का दिन उपयुक्त है । अगर आप किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें रहे है तो इस सलाह को माने क्यों की ये आपके पेशेवर जीवन के लिए इस समय बहुत ही प्रासंगिक होगी।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा । आप से कम प्रतिभाशाली व्यक्ति आपके समक्ष आ सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

किसानों ने अफसरों के जड़े थप्पड़

सेफ्टी हेलमेट फेंका, जान बचाकर स्कॉर्पियो में भागे

किसान बोला- बिना परमिशन लगाने आए थे

बाड़मेर, 21 मार्च (एजेंसियां)। बाड़मेर में खेत में पवन चक्की(विंड मिल) लगाने के विरोध में किसान ने खुद पर पेट्रोल डालकर सुसाइड का प्रयास किया। साथी किसानों ने उसे बचाया। इसके बाद गुस्साए किसान मौके पर मौजूद स्टर्लिंग एंड विल्सन कंपनी के अफसरों से भिड़ गए और अधिकारियों से मारपीट की। घटना शिव थाने के मौखाब गांव में आज शाम करीब साढ़े 4 बजे हुई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

शिव थानाधिकारी सत्यप्रकाश ने बताया- कंपनी अधिकारियों और किसानों के बीच गाड़ी लगाने को लेकर बहसबाजी हो गई थी। दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई है। कंपनी के लोग रिपोर्ट दर्ज करवाने आए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

किसानों की अनदेखी करने का आरोप

दरअसल, बाड़मेर के शिव इलाके में कंपनी सोलर और विंड एनर्जी का काम करती है। कंपनी मौखाब कला, रामदेव नगर, भीयाड़, बलाई और बीसूकला गांव में काम कर रही है।

कंपनी ने वांकल पावर एलएलपी को भी काम सौंप रखा है। काम के सिलसिले में वांकल कंपनी ने ओरण-गोचर, आगौर, मगरा, नाड़ी जमीन पर अस्थाई आने-जाने की अनुमति जिला कलेक्टर से मांगी थी। हालांकि उस पर किसी तरह का निर्माण या सड़क बनाने की अनुमति नहीं दी गई।

पक्के सड़क निर्माण को लेकर 14 मार्च को भी विवाद हुआ था। हालांकि किसानों के विरोध को देखते हुए कंपनी ने सड़क निर्माण का काम रोक दिया था। शनिवार को कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर और कर्मचारी विंड और पंखे ट्रेलर में लोड करके मौखाब गांव पहुंचे थे।स

किसान बोला- बिना परमिशन विंड मिल लगा रहे थे, विरोध किया

किसान श्रवणसिंह का कहना है- खेत में मेरी परमिशन के बिना विंड मिल और विंड टर्बाइन लगाया जा रहा था। मैंने विरोध किया। जब कंपनी अधिकारी और कर्मचारी जबरदस्ती करने लगे तो मैंने खुद पर पेट्रोल डालकर सुसाइड करने का प्रयास किया। हालांकि मौके पर मौजूद दूसरे लोगों ने बचा लिया।

आरोप है कि जब कंपनी प्रबंधन को ऐसा करने से रोका तो वे बहस करने लगे।

बदसलूकी करने लगे। इसके बाद गुस्साए किसानों ने कंपनी प्रबंधन से जुड़े लोगों के साथ मारपीट की और थप्पड़ मारे। विवाद बढ़ता देख कर्मचारी और अधिकारी स्कॉर्पियो गाड़ी में भाग निकले।

सांगानेर टेक्सटाइल हब को भजनलाल सरकार में बड़ी राहत, 848 फैक्ट्रियों की कुर्की का आदेश रद्द

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। गुलाबी नगरी के औद्योगिक फेफड़े कहे जाने वाले सांगानेर के टेक्सटाइल कारोबारियों के लिए राहत की एक बड़ी खबर आई है। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर की 848 रंगाई-छपाई फैक्ट्रियों को सीज करने और उनकी कुर्की करने के कॉमर्शियल कोर्ट के आदेश को पूरी तरह रद्द कर दिया है। जस्टिस की पीठ ने स्पष्ट किया कि अदालतें अपनी सीमाओं से बाहर जाकर नए दायित्व थोप नहीं सकतीं। इस फैसले के साथ ही हजारों मजदूरों और व्यापारियों के माथे से चिंता की लकीरें मिट गई हैं।

क्या था विवाद: 145 करोड़ का प्लांट और जीएसटी का पेच

विवाद की जड़ एक सीईटीपी है, जिसे फैक्ट्रियों से निकलने वाले

रासायनिक पानी को ट्रीट करने के लिए बनाया जाना था। सांगानेर की 'रंगाई-छपाई एसोसिएशन' के सदस्य घनश्याम कूलवाल के अनुसार, इस प्लांट के लिए 'मैसर्स सांगानेर एनवायरो प्रोजेक्ट डवलपमेंट' नाम की कंपनी बनाई गई थी। इसमें केंद्र की 50%, राज्य सरकार की 25% और एसोसिएशन की 25% हिस्सेदारी तय हुई।

साल 2016 में 145 करोड़ का टेंडर एडवेंट एं वा य र के य र टेक्नोलॉजी को दिया गया। काम शुरू हुआ, लेकिन बीच में GST लागू होने से लागत बढ़कर 159 करोड़ हो गई। एसोसिएशन ने 129 करोड़ का भुगतान भी कर दिया, लेकिन बकाया रकम को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि मामला कोर्ट पहुंच गया।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी: 'दायरे से बाहर न जाएं अदालतें'

14 फरवरी 2025 को जयपुर कॉमर्शियल कोर्ट ने भुगतान न होने पर इन 848 फैक्ट्रियों को कुर्क करने का कड़ा आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने विस्तृत सुनवाई के बाद इस आदेश को यह कहते हुए पलट दिया कि एग्जिक्यूशन की कार्यवाही के दौरान कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जाकर नए पक्षकारों पर व्यक्तिगत दायित्व तय नहीं कर सकती। कोर्ट ने माना कि एग्रीमेंट 'डवलपमेंट कंपनी' और 'निर्माता कंपनी' के बीच था, न कि व्यक्तिगत फैक्ट्री मालिकों के बीच। इसलिए, वसूली का आदेश केवल डवलपमेंट कंपनी के खिलाफ ही प्रभावी हो सकता है।

हाईकोर्ट ने मामले को वापस कॉमर्शियल कोर्ट भेज दिया है और निर्देश दिए हैं कि सभी पक्षकारों को दोबारा सुना जाए। फिलहाल, सांगानेर का यह प्रसिद्ध उद्योग अपनी रफ्तार पकड़ सकेगा, क्योंकि राज्य सरकार अब इस अधूरे प्लांट को अपने स्तर पर पूरा करा रही है।

पानी और रॉयल्टी पर बढ़ी सियासी बयानबाजी

भगवंत मान के दावे पर क्या बोले जल संसाधन मंत्री?

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद राजस्थान से एक लाख चवालीस हजार करोड़ रुपये की रॉयल्टी मांगने के मुद्दे पर सियासी हलचल तेज हो गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने सवाल उठाते हुए कहा कि भगवंत मान ने यह बयान किस आधार पर और किसके दबाव में दिया है, यह वही बेहतर जानते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान पर किसी प्रकार की कोई राशि बकाया नहीं है।

सुरेश रावत ने कहा कि दो राज्यों के बीच पानी को लेकर होने वाले समझौते प्रोजेक्ट कॉस्ट शेयरिंग के आधार पर होते हैं, न कि पानी की रॉयल्टी के आधार पर। उन्होंने यह भी कहा कि देश में अब तक इस प्रकार का कोई

समझौता नहीं हुआ है, जिसमें पानी की रॉयल्टी की मांग की गई हो। उनके अनुसार यह दावा स्थापित परंपराओं और समझौतों के अनुरूप नहीं है।

जल संसाधन मंत्री ने भगवंत मान द्वारा 1920 के समय का हवाला देने पर भी सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि वह समय अंग्रेजों के शासन का था और बाद में देश का बंटवारा हुआ, जिसमें कुछ क्षेत्र पाकिस्तान में चले गए और कुछ भारत में रहे। उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि यदि उस आधार पर रॉयल्टी की बात की जाए तो क्या पाकिस्तान वाले क्षेत्रों से भी रॉयल्टी ली जाएगी।

सुरेश रावत ने इस मुद्दे के साथ-साथ पंजाब से आने वाले दूषित जल को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित होने से बचाना जरूरी है और इसके लिए पंजाब को जिम्मेदारी के साथ कदम उठाने होंगे।

मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि पंजाब की ओर से इस संबंध में कोई लिखित पत्र या औपचारिक कार्रवाई की जाती है, तो राजस्थान सरकार विधिक राय लेकर अपना पक्ष रखेगी। उन्होंने संकेत दिया कि इस मुद्दे पर राज्य सरकार सभी पहलुओं पर विचार कर उचित कदम उठाएगी।

पूर्व सांसद विष्णु मोदी का निधन

राजनीति से लेकर शिक्षा जगत तक छोड़ी अमिट छाप

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति के दिग्गज स्तंभ और अजमेर के पूर्व सांसद विष्णु मोदी का शनिवार को जयपुर के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे 1984 में अजमेर से लोकसभा सांसद रहे थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

उनके निधन की खबर फैलते ही प्रदेश के राजनीतिक और व्यावसायिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। मुख्यमंत्री से लेकर विभिन्न दलों के नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

विष्णु मोदी का जन्म एक राजनीतिक परिवार में हुआ था और उन्होंने सार्वजनिक सेवा की विरासत को बखूबी आगे बढ़ाया।

सांसद के रूप में: उन्होंने 1984 में अजमेर लोकसभा सीट से भारी बहुमत से चुनाव जीता और 8वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में दिल्ली पहुंचे।

विधायक के रूप में: वे दो बार राजस्थान विधानसभा के सदस्य भी रहे। उन्होंने 1993 से 1998 तक पुष्कर और 2003 से 2008 तक मसूदा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

युवा नेतृत्व: वे 1981 से 1985 तक राजस्थान युवा कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे, जहाँ उन्होंने प्रदेश के हजारों युवाओं को राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ा। उनके पिता किशन मोदी भी एक बड़े राजनेता थे, जो 1971 से 1977 तक सीकर से सांसद रहे।

एमपी का निवेश रोड शो, सीएम मोहन यादव बोले- राजस्थान और मध्यप्रदेश भाई-भाई

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में मध्यप्रदेश सरकार की ओर से एक बड़ा इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट रोड शो आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आईटीसी राजपूताना में हुआ, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के सामने राज्य की निवेश नीतियों, प्रोत्साहन योजनाओं और औद्योगिक संभावनाओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में मोहन यादव ने राजस्थान और मध्यप्रदेश के गहरे सांस्कृतिक, एतिहासिक और सामाजिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों राज्य भाई-भाई हैं। उन्होंने पार्वती–कालीसिंध–चंबल नदी जोड़ो परियोजना को दोनों राज्यों के साझा विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बताया, जिससे जल प्रबंधन, कृषि और उद्योग क्षेत्रों को लाभ मिलने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश केवल पूंजी का प्रवाह नहीं है, बल्कि यह रोजगार सृजन, कौशल विकास, तकनीकी साझेदारी और क्षेत्रीय विकास का माध्यम भी है। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश अब स्पष्ट नीतियों, तेज निर्णय प्रक्रिया और मजबूत प्रशासन के कारण एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मोहन यादव ने वर्ष 2026 को 'कृषि वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य खेती को उद्योग से जोड़ना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करना है। उन्होंने फूड प्रोसेसिंग, डेयरी, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन और एग्री-लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भजनलाल शर्मा की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि दोनों राज्य मिलकर विकास के पथ पर आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापार के साथ-साथ संस्कृति और वन संपदा के आदान-प्रदान से दीर्घकालिक लाभ संभव है।

इस अवसर पर प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी आयोजित की गईं, जिनमें निवेशकों ने नई औद्योगिक नीति, प्रोत्साहन पैकेज, भूमि उपलब्धता, लॉजिस्टिक नेटवर्क और क्लस्टर आधारित विकास मॉडल से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। कई उद्योग समूहों ने संभावित परियोजनाओं पर सरकार के साथ प्रारंभिक स्तर पर चर्चा भी की।

नाथी देवी मर्डर केस: मूंगफली के कट्टों ने दी हत्याकांड की गवाही

गांव के युवक ने गहनों के लिए काटा था महिला का गला

नागौर, 21 मार्च (एजेंसियां)। बुजुर्ग महिला की नृशंस हत्या सात लाख के गहने लूटने के लिए की गई थी। हत्याकांड का सुराग उन मूंगफली के कट्टों ने दिया, जिनमें पैक कर उसके शव के टुकड़े फेंके गए थे। कट्टों में मिले चारे के अवशेष को महत्वपूर्ण सुराग मानकर पुलिस ने पूरे गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया।

इस सनसनीखेज हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में मूंगफली के कट्टों में मिले चारे के अवशेष सबसे अहम कड़ी साबित हुए, जिन्होंने पुलिस को हत्यारे तक पहुंचा दिया।

नागौर एसपी रोशन मीणा के अनुसार, पादूकलां थाना क्षेत्र के पालड़ी कलां गांव निवासी 15 मार्च को नाथी देवी (75) अपने गांव के ही आरोपी मुकेश भारती के यहां पशु चारा खरीदने गई थी। नाथी के लाखों के गहने देखकर मुकेश की नीयत बिगड़ गई।

वह चारा दिखाने के लिए बाड़े की ओर ले गया, वहीं कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। लूट के लिए पैर काटकर चांदी के कड़े निकाल लिए। शव के तीन हिस्से कर अलग-अलग कट्टों में भरकर कार से पचरंडा क्षेत्र में फेंक दिया। पुलिस ने मुकेश को गिरफ्तार कर, उसकी पत्नी माया और भांजे चंदन पुरी को हिरासत में लिया है।

दरअसल, 16 मार्च को पादूकलां थानाक्षेत्र के पाचरंडा के जंगल में एक कट्टे में बुजुर्ग नाथी देवी (75) का शव बिना सिर और पैरों के मिला था। 15 मार्च को नाथी देवी के पोते मुकेश बावरी ने दादी के लापता होने की शिकायत दी थी।

बेनीवाल के बयान पर भड़की जाट महासभा

जानू बोले- हनुमान राजनीति करें, तेजाजी बनने की कोशिश न करें

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। जाट महासभा ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के हालिया बयानों पर कड़ा रुख अपनाया है। महासभा के महासचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण कुमार जानू ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बेनीवाल को राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित रहना चाहिए और 'तेजाजी बनने का प्रयास' नहीं करना चाहिए।

नेतृत्व पर टिप्पणी और नसीहत

कृष्ण कुमार जानू ने कहा कि हनुमान बेनीवाल जिस प्रकार के बयान दे रहे हैं, वे समाज को जोड़ने के बजाय तोड़ने वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक ओर बेनीवाल जाट मुख्यमंत्री की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके बयान समाज में विभाजन पैदा

कर सकते हैं। जानू ने स्पष्ट किया कि इस तरह की बयानबाजी से अंततः नुकसान स्वयं बेनीवाल को ही होगा।

समाज और संगठन की भूमिका पर सवाल

जानू ने यह भी कहा कि समाज के अध्यक्ष राजाराम मील को चुनाव नहीं लड़ना है, ऐसे में इस प्रकार की बयानबाजी से समाज के भीतर अनावश्यक तनाव पैदा होता है। उन्होंने संकेत दिया कि समाज को एकजुट रखने के लिए जिम्मेदार नेतृत्व और संतुलित वक्तव्य आवश्यक हैं।

राजनीतिक परिप्रेक्ष्य और चिंता

कृष्ण कुमार जानू ने आगे कहा कि प्रदेश की दोनों बड़ी राजनीतिक पार्टियों में जाट राजनीति अब दूसरे पायदान पर पहुंच गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है और इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने हनुमान बेनीवाल को बयानबाजी से बचने की सलाह दी, ताकि समाज के साथ उनकी दूरी न बढ़े।

जानू ने कहा कि उन्हें हनुमान बेनीवाल में अपार संभावनाएं नजर आती हैं, लेकिन यदि वे इसी प्रकार के बयान देते रहे तो समाज से उनका जुड़ाव कमजोर हो सकता है। उन्होंने दोहराया कि संतुलित और जिम्मेदार बयान ही समाज को एकजुट रख सकते हैं।

मंदिर से चांदी के छत्र चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, 21 मार्च (एजेंसियां)। गुलाबबाड़ी बालाजी मंदिर से चांदी के छत्र चोरी के मामले में अलवर गेट थाना पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का माल सामान बरामद कर लिया है।

थानाप्रभारी नरेन्द्र सिंह जाखड़ ने बताया कि मंदिर में चांदी के छत्र चोरी के मालमे में रामगंज चन्दवरदाई नगर बी ब्लॉक 94 हाल नव दुर्गा कॉलोनी हेमन्त उर्फ राजा(38) और शेखर उर्फ लक्की (25) को हिरासत में लेकर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की। जिसमें उन्होंने चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपियों की निशानदेही पर चांदी के छत्र बरामद किए। जाखड़ ने बताया कि मंदिर में चोरी की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ व वृत्ताधिकारी मनीष बड़गुर्जर के सुपरविजन में थाना पुलिस ने टीम का गठन कर तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच की। फुटेज के आधार पर संदिग्धों का रूट तैयार किया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों की पहचान हुई। पुलिस ने दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया।

तीरंदाज़ दंपति' ने रचा इतिहास, अब ओलंपिक में गोल्ड जीतने की तैयारी

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर ने दुनिया को एक से एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। तीरंदाजी में लिंबाराम के बाद राजस्थान का नाम अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमकाने वाले अर्जुन अवॉर्डी रजत चौहान और उनकी पत्नी स्वाति दुधवाल का चयन एशिया कप के कंपाउंड स्पर्धा के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

एशिया कप में भाग लेने वाली यह राजस्थान की पहली पति-पत्नी की जोड़ी है। बैंकॉक रवाना होने से पूर्व रजत-स्वाति ने 'पत्रिका' से बात करते हुए कहा कि कोलकाता के कैंप के जरिए हमारा चयन भारतीय टीम के लिए हुआ है। रजत ने कहा कि यह कहते हुए भी मुझे गर्व हो रहा है

हमारी जोड़ी राजस्थान की पहली पति-पत्नी की जोड़ी है जो भारतीय टीम में एक साथ चयनित हुई है। वहीं स्वाति ने कहा कि एशिया कप में गोल्ड जीतने का लक्ष्य है और राजस्थान का नाम रोशन करना चाहेंगे।

अर्जुन अवॉर्डी रजत ने बताया कि हम दोनों का 2026 में होने वाले एशियन गेम्स के संभावित 16 खिलाड़ियों में भी चयन हो गया है। इसमें भी हम दोनों राजस्थान के लिए एक-साथ भाग लेने वाले पहले दंपति हैं। रजत राजस्थान पुलिस में डीएसपी पद पर हैं वहीं स्वाति विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं।

रजत ने बताया कि हम दोनों 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। ओलंपिक में हमारा इवेंट कंपाउंड पहली बार शामिल किया गया है। मुझे बड़ी बेसब्री से इसका इंतजार था। अब हम दोनों का यही लक्ष्य है कि ओलंपिक में स्वर्ण जीत राजस्थान और देश का नाम रोशन करें। एशिया कप के चुनी गई भारतीय टीम के कोच राजस्थान के अंतरराष्ट्रीय आर्चर योगेंद्र सिंह हैं। भरतपुर निवासी योगेंद्र के अनुसार रजत चौहान और स्वाति दुधवाल बेहद ही प्रतिभाशाली तीरंदाज हैं। दोनों ने जनवरी में कोलकाता के साई स्टेडियम में आयोजित हुए चयन स्पर्धा में अव्वल रहकर इस टूर्नामेंट में जगह बनाई थी। भारतीय टीम बहुत ही मजबूत टीम है और हमें पूरा विश्वास है कि टीम देश का नाम रोशन करेगी। रजत-स्वाति राजस्थान के पहले दंपति हैं जो एक साथ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जयपुर रेल मंडल के जांबाज अफसरों का हिमालय में कीर्तिमान, 15 हजार फीट ऊंचे शिखर पर फहराया तिरंगा

जयपुर, 21 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के नाम एक और गौरवशाली उपलब्धि जुड़ गई है। उत्तर-पश्चिमी रेलवे के जयपुर मंडल के तीन वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने उत्तराखंड स्थित हिमालय की चुनौतीपूर्ण पांगारचुला चोटी पर सफलतापूर्वक फतह हासिल की है। लगभग 15,069 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस शिखर पर तिरंगा फहराकर इन जांबाजों ने साबित कर दिया कि रेलवे के अधिकारी केवल प्रशासनिक कार्यों में ही नहीं, बल्कि साहसिक अभियानों में भी अग्रणी हैं।

जयपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ओंकार सिंह ने इस

गौरवशाली अभियान की जानकारी साझा की। डीआरएम रवि जैन के कुशल निर्देशन और प्रोत्साहन के साथ इस टीम ने हिमालय की चढ़ाई शुरू की थी। इस सफल आरोहण दल में शामिल अधिकारी हैं:

उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित पांगारचुला शिखर अपनी खड़ी चढ़ाई और बर्फ से ढके संकरे रास्तों के लिए पर्वतारोहियों के बीच जाना जाता है।

यह केवल एक ट्रेकिंग अभियान नहीं था, बल्कि भारतीय रेलवे के अधिकारियों की शारीरिक दक्षता और मानसिक दृढ़ता का प्रमाण था। डीआरएम रवि जैन ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ अधिकारियों में नेतृत्व क्षमता अनुशासन और साहसिकता की भावना पैदा करती हैं। जयपुर मंडल के अन्य रेलकर्मियों के लिए भी यह एक बड़ी प्रेरणा है।

राजस्थान के रेतीले धोरों से निकलकर हिमालय की बर्फीली चोटियों तक का यह सफर जयपुर मंडल की कार्यक्षमता को दर्शाता है। जब ये अधिकारी शिखर पर पहुंचे और तिरंगा लहराया, तो वह दृश्य न केवल रेलवे बल्कि पूरे राजस्थान के लिए गौरवमयी था। सोशल मीडिया पर भी इन अधिकारियों की तस्वीरें और सफलता की कहानी वायरल हो रही है, जिसे लोग 'रियल लाइफ हीरोज' की संज्ञा दे रहे हैं।

ब्राह्मण कल्याण के लिए पांच हजार करोड़ रुपये की मांग

एसोसिएशन ने सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाया

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्लोबल ब्राह्मण्स वेलफेयर एसोसिएशन ने शनिवार को राज्य सरकार पर ब्राह्मण समुदाय के साथ गंभीर अन्याय करने का आरोप लगाया और राज्य विधानसभा में पेश किए गए वार्षिक बजट में उनके कल्याण के लिए तुरंत 5,000 करोड़ रुपये की धनराशि जारी करने की मांग की।

हैदरगुडा में एनएसएस कार्यालय में आयोजित प्रेस मीट में एसोसिएशन के नेताओं गिरिप्रसाद शर्मा और रुद्रवीणा बालासुब्रह्मण्यम ने राज्य सरकार से अपील की कि सभी लंबित देयताओं को तुरंत जारी किया जाए और ब्राह्मण कॉरपोरेशन को पूर्णकालिक आईएएस अधिकारी के नेतृत्व में सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान शुरू की गई योजनाओं के लिए कोई धनराशि जारी नहीं की गई और वर्तमान सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की। नेताओं ने कहा कि यदि राज्य सरकार ब्राह्मण कॉरपोरेशन नाम के प्रति हिचकिचाती है, तो वे इसे सोनिया गांधी कॉरपोरेशन नाम से बदलने पर कोई आपत्ति नहीं करेंगे। उन्होंने ब्राह्मण कॉरपोरेशन के प्रमुख के रूप में तुरंत एक आईएएस अधिकारी की नियुक्ति की मांग भी दोहराई। उल्लेखनीय है कि पिछली सरकार ने ब्राह्मण कॉरपोरेशन की स्थापना की थी, लेकिन इसे नेतृत्व देने के लिए कोई समर्पित आईएएस अधिकारी नहीं नियुक्त किया गया। एसोसिएशन ने दावा किया कि लगभग 20 लाख ब्राह्मण परिवार पारंपरिक पुरोहित और संबंधित सेवाओं पर निर्भर हैं और उनकी आर्थिक उन्नति के लिए तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई, तो विरोध प्रदर्शन और तीव्र हो सकते हैं।

रोहित शेट्टी के घर गोलीबारी मामले में पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता

यूपी से पकड़ा गया घटना का 14वां आरोपी

मुंबई, 21 मार्च (एजेंसियां)। रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में अब पुलिस के हाथ एक और सफलता लगी है। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने यूपी एसटीएफ की मदद से उत्तर प्रदेश में 14वें आरोपी गोलू पंडित को हिरासत में ले लिया है। अब उसे मुंबई लाया जा रहा है और कल अदालत में पेश किया जाएगा। यह जानकारी खुद मुंबई पुलिस ने साझा की है।

14वें आरोपी की गिरफ्तारी मामले की जांच में एक और अहम कदम है। अधिकारी रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग से जुड़े इस मामले में कथित तौर पर शामिल लोगों का पता लगाने में लगातार जुटे हुए हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी को लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम के शहर पहुंचने के बाद ही इस गिरफ्तारी और आरोपी की भूमिका के बारे में और ज्यादा जानकारी सामने आने की संभावना है।

मुंबई पुलिस ने 1 फरवरी, 2026 को फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद कर लिया गया है। इस मामले की जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच मिलकर कर रही हैं। जुहू इलाके में हुई इस गोलीबारी की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है, जिसके बाद अब इस गैंग से जुड़े संबंधों की भी जांच की जा रही है।

सभी विकास कार्य पूरी तरह आगम शास्त्र के अनुसार ही किए जाएं : रेवंत रेड्डी

सीएम ने श्री सीतारामचंद्र मंदिर के विकास कार्यों पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भद्राचलम श्री सीतारामचंद्र मंदिर के विकास कार्यों पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क सहित मंत्री कोंडा सुरेखा, तुम्मला नागेश्वर राव, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और सांसद वेंकट नरेंद्र रेड्डी, बलराम नायक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने अब तक हुए भूमि अधिग्रहण के आधार पर मंदिर विकास से जुड़े विभिन्न डिजाइनों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मंदिर की प्राकृतिक सुंदरता और पवित्रता को बनाए रखते हुए सभी विकास कार्य पूरी तरह आगम शास्त्र के अनुसार ही किए जाएं।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विकास कार्यों को तीन चरणों में पूरा करने की योजना बनाई जाए। साथ ही, आने वाले गोदावरी पुष्करालु को ध्यान में रखते हुए पहले चरण के कार्यों की पहचान कर उनका विस्तृत प्रस्ताव और अनुमान तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पुष्करालु के अनुरूप मंदिर के आसपास घाटों का निर्माण और विकास किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पहले चरण के विकास कार्य 31 मार्च 2027 तक हर हाल में पूरे किए जाएं। इसके अलावा, पुष्करालु समाप्त होने के बाद किए जाने वाले शेष कार्यों के लिए भी अभी से योजनाएं और लागत का आकलन तैयार करने के निर्देश दिए गए।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 24-मेका.-पीयु-डब्ल्यूइटी-टीपीटीवाय-25-26 दि.17-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए डीवाय. सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा विवरित निम्न निविदा संख्या की बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युअल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युअल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः 24-मेका.-पीयु-डब्ल्यूइटी-टीपीटीवाय-25-26 दि. 17-03-2026, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर आईसीएफ डिजाइन कोचेस पर पीयु पेन्टिंग की आपूर्ति व लागू या अप्लाई करना, एलएचबी कोचेस पर डब्ल्यूइटी ओएन डब्ल्यूटी पीयु पेन्टिंग, आइसीएफ/एलएचबी कोचेस की अंदरुनी व अन्डर फ्रेम पेन्टिंग।

अनुमानित मूल्य रु.13,17,40,473.26 बोली सुरक्षा रु.26,34,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 08-04-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्र हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/कैरेज रिपेयर शाप/तिरुपति

निविदा सं.44_2025-26_ एसआर.डीइइ_टीआरडी _एचवायबी, दि. 18-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए, एसआर. डीडीइ/टीआरडी/एचवायबी द्वारा विवरित निम्न निविदा सं.44_2025-26_ एसआर.डीइइ_टीआरडी _एचवायबी, दि. 18-03-2026, बंद करने की तिथि 10-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युअल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युअल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-एचवायबी डिवीजन के आईओएल स्थानों पर 105 स्के.एमएम से 160 स्के.एमएम तक जी जम्पर का उन्नयन। निविदा का विज्ञापित मूल्य रु.1,30,85,533.00 अग्रधन रु.2,15,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः06 महिने बंद करने की तिथिः10-04-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का पूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीइइ/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/हैदराबाद

निविदा सं.45_2025-26_ एसआर.डीइइ_टीआरडी _एचवायबी, दि. 18-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए, एसआर. डीइइ/टीआरडी/एचवायबी द्वारा विवरित निम्न

निविदा सं.45_2025-26_ एसआर.डीइइ_टीआरडी _एचवायबी, दि. 18-03-2026, बंद करने की तिथि 10-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युअल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युअल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-एसडब्ल्यू (1)-एचवायबी डिवीजन के केसीजी डिपो क्षेत्राधिकार में प्लाटफार्म पर लाइव ओएचइ पोर्शन को टालने या एवाइड करने हेतु ओएचइ व्यवस्था का परिवर्तन। एसडब्ल्यू (॥)- केसीजी डिपो क्षेत्राधिकार में आइसोलेटर हेतु एआय बस बार के स्थानपर जंग लगे हुए कैन्टिलेवर्स तथा कापर बस बार का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट। निविदा का विज्ञापित मूल्य रु.1,51,95,553.00 अग्रधन रु.2,26,000.00 कार्य पूरा करने की अवधिः06 महिने, बंद करने की **तिथिः10-04-2026**

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का पूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीइइ/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/हैदराबाद

निविदा सं.46_2025-26_ एसआर.डीइइ_टीआरडी _एचवायबी, दि. 18-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए एसआर. डीइइ/टीआरडी/एचवायबी द्वारा विवरित निम्न

निविदा सं.46_2025-26_ एसआर.डीइइ_टीआरडी _एचवायबी, दि. 18-03-2026, बंद करने की तिथि 10-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युअल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युअल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-एसडब्ल्यू (।)- कौकुन्टला स्टेशन-बाल्लास्ट साइडिंग पर ट्रैक्शन का प्रावधान-बिजली टीआरडी व्यवस्थाएं। एसडब्ल्यू (॥) महबूबनगर (एमबीएनआर) क्षेत्राधिकार-विविध याड्र्स पर सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार कार्य व उन्नयन कार्य।

एसडब्ल्यू (।॥) (केआरएनटी)क्षेत्राधिकार-विविध याड्र्स पर सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार कार्य व उन्यन कार्य। बिजली टीआरडी व्यवस्थाएं।

निविदा का विज्ञापित मूल्य रु. 80,33,197.00 अग्रधन रु.1,60,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने बंद करने की तिथिः10-04-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का पूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीइइ/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/हैदराबाद

नीता कागड़ा का पीएचडी उपाधि

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिले की निवासी नीता कागड़ा ने हैदराबाद के प्रतिष्ठित उस्मानिया विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त करके विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। अपने शोध कार्य के अंतर्गत, नीता ने लखनवराम झील पर शैवाल विविधता के संदर्भ में पारिस्थितिक अध्ययन विषय पर गहन अध्ययन किया। इस शोध के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया कि जल की गुणवत्ता जलीय जीवन के लिए अनुकूल है, क्योंकि इसमें डीऑक्सीजन, पीएच और कठोरता का स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर है। लखनवराम झील के फाइटोप्लांकटन में क्लोरोफाइसी की प्रधानता है, जो पोषक तत्वों से भरपूर मीठे पानी के आवास का संकेत देती है। क्लोरोफाइसी (75.2 प्रतिशत) पर्याप्त प्रकाश और पोषक तत्वों के साथ स्वीकार्य जल गुणवत्ता को दर्शाती है। यूग्लेनोफाइसी (3.25 प्रतिशत) और साइनोफाइसी (6.5 प्रतिशत) की कम संख्या यह दर्शाती है कि कार्बनिक प्रदूषण और सुपोषण कोई गंभीर समस्या नहीं है। अन्य मीठे पानी की झीलों की तुलना में लकनावराम झील में लगातार मेसोट्रोफिक परिस्थितियां पाई जाती हैं, जो इसे जलीय जैव विविधता और टिकाऊ मत्स्य पालन के लिए उपयुक्त बनाती हैं। शिक्षाविदों का मानना है कि यह शोध, विशेष रूप से वनस्पति विज्ञान और पारिस्थितिकी के क्षेत्र में, भविष्य में पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र में उपयोगी होगा। उस्मानिया विश्वविद्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में नीता को प्रोफेसर के. शैलजा के हाथों डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।

निविदा सं.47_2025-26_ एसआर.डीइइ_टीआरडी _एचवायबी, दि. 18-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए, एसआर. डीइइ/टीआरडी/एचवायबी द्वारा विवरित निम्न

निविदा सं.47_2025-26_ एसआर.डीइइ_टीआरडी _एचवायबी, दि. 18-03-2026, बंद करने की तिथि 10-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युअल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युअल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम स.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 3 वर्ष की अवधि हेतु आरडीएसओ विनिर्देशन टीआय/एसपीसी/आरसीसी/एससीएडीए/0130 (रेव.2) नुसार, एचवायबी डिवीजन के एससी, केसीजी, एसएफएक्स, एमइडी, बीएमओ, युआऱ, एचपीजी स्वीचिंग स्टेशनों पर रिमोट कंट्रोल सेन्टर (आऱसीसी) व रिमोट टर्मिनल युनिट्स (आरटीयुज) हेतु एससीएडीए के सिस्टम कम्प्लीट के प्रति विस्तृत वार्षिक रखरखाव ठेका। निविदा का विज्ञापित मूल्य रु. 47,80,416.84, अग्रधन रु.95,600.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 03 वर्ष (36 महिने), बंद करने की तिथिः 10-04-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का पूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीइइ/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआऱडी/ हैदराबाद

निविदा सूचना सं. 25-डीआरएम_ डब्ल्यू_एचवायबी _26 दि. 20-03-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से दि.13-04-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. 25-डीआरएम_ डब्ल्यू_एचवायबी_26 कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एसटीसी/एससी पर सीएण्डडब्ल्यू हेतु लाइट शेड का निर्माण कार्य। अनुमानित मूल्य रु.80,53,960.00 अग्रधन रु.1,61,100.00

अधिक जानकारी हेतु हमारा **वेबसाइटःwww.ireps.gov.in** देखें।

वरिष्ठ विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/हैदराबाद

A2738

निविदा नियम शर्ते/अधिक विवरण एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

रबी फसल की खरीद दो हफ्तों में शुरू होगी : रवीन्द्र

राज्य ने भंडारण और लॉजिस्टिक्स को बढ़ाया

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 2025-26 की रबी धान की खरीद अभियान दो हफ्तों में शुरू होने वाली है। इस मौके पर सिविल सप्लाइज कमिश्नर एम. स्टीफन रवीन्द्र ने शनिवार को सभी जिला कलेक्टरों को तुरंत अतिरिक्त भंडारण सुविधाओं की पहचान और तैयारी करने के निर्देश दिए। सिविल सप्लाइज भवन में धान मिलर्स के साथ हुई बैठक में कमिश्नर ने कहा कि खरीद प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी न हो, इसके लिए परिवहन, तेज़ उतार-चढ़ाव और खरीद केंद्रों पर पर्याप्त श्रमिक तैनाती सुनिश्चित की जाए। मिलर्स ने सरकार के साथ पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। पैकेजिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलर्स से कहा गया कि 35 करोड़ पुराने गनी बैग में से 10 करोड़ बैग वापस लौटाए जाएं। अधिकारियों ने खरीफ 2025-26 के एफसीआई खातों को भी अंतिम रूप दिया और 5.22 लाख मीट्रिक टन धान में से 3.5 लाख मीट्रिक टन कस्टम मिलिंग राइस (सीएमआर) आवंटित करने की मंजूरी दी। सरकार ने 10 जिलों में लंबित मिलिंग चार्जों को मंजूरी दे दी है, जबकि मिलर्स की बकाया राशि और अन्य मुद्दों पर की गई प्रस्तुतियों की समीक्षा की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि किसानों के लिए पूरे तेलंगाना में खरीदी प्रक्रिया को सुचारू और परेशानी-मुक्त बनाने के लिए सभी कदम बारीकी से निगरानी में हैं।

विभिन्न शहरों में बैक्टीरिया में सामान्य एएमआर जीन पाए गए

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एंटीमाइक्रोबियल दवाएं जैसे एंटीबायोटिक्स बैक्टीरिया को मारती हैं और कई घातक बैक्टीरियल बीमारियों से बचाती हैं। लेकिन अब बैक्टीरिया एंटीबायोटिक्स के प्रति प्रतिरोधी हो रहे हैं, जिससे ये दवाएं पहले जैसी प्रभावी नहीं रहीं। इस स्थिति को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) कहा जाता है, जो हर साल दुनियाभर में लाखों लोगों की मौत का कारण बनती है। भारत में स्थानीय स्तर पर एएमआर का डेटा अभी तक काफी हद तक उपलब्ध नहीं है। हमें यह नहीं पता कि हमारे आसपास कौन से घातक बैक्टीरिया सबसे ज्यादा प्रतिरोधी हैं और क्या ये सभी समान तरीके अपनाकर प्रतिरोधी बनते हैं। पारंपरिक लैब कल्चर विधियां इस तरह का विवरण नहीं देतीं। सीएसआईआर- सेलुलर एंड मॉलिक्युलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) और साझेदार संस्थानों के शोधकर्ताओं ने नेचर कम्युनिकेशन्स में एक महत्वपूर्ण अध्ययन प्रकाशित किया है, जो भारतीय शहरी अपशिष्ट जल में एएमआर का पहला व्यापक मानचित्र प्रस्तुत करता है। शोधकर्ताओं ने शॉटगन मेटाजेनॉमिक्स दृष्टिकोण अपनाया, जिससे बैक्टीरिया के जीनों का विश्लेषण किया जा सके। इन जीनों के माध्यम से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि बैक्टीरिया कैसे प्रतिरोध विकसित करते हैं। अध्ययन मार्च 2022 से मार्च 2024 तक दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई के 19 स्थानों से 447 नमूनों का विश्लेषण कर किया गया। परिणामों से पता चला कि विभिन्न शहरों में अलग-अलग बैक्टीरिया प्रचलित हैं, लेकिन वे एंटीबायोटिक्स के प्रतिरोध के समान तरीके अपनाते हैं। बैक्टीरिया कुछ विशेष जीनों के कारण एंटीबायोटिक्स के प्रतिरोधी बनते हैं। ये जीन बैक्टीरिया की कोशिका दीवार को मजबूत बनाते हैं जिससे दवा प्रवेश न कर सके, या दवा को बाहर निकालने या उसे नष्ट करने में मदद करते हैं। ये जीन बैक्टीरिया न केवल अपनी संतानों के साथ बल्कि अपने पड़ोसियों के साथ भी साझा कर सकते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि स्थानीय पर्यावरणीय कारकों के आधार पर माइक्रोबियल समुदाय बदलते हैं। उदाहरण के लिए, क्लेबसिएला न्यूमोनिया चेन्नई और मुंबई में ज़्यादा फैलता है, जबकि स्यूडोमोनास एरुगिनोसा कोलकाता में अधिक पाया गया। लेकिन एंटीबायोटिक प्रतिरोध के लिए जिम्मेदार जीन सभी चार महानगरों में समान रहे। एंटीबायोटिक्स अलग-अलग रासायनिक वर्गों जैसे टेट्रासाइक्लिन, बीटा-लैक्टम्स और मैक्रोलाइड्स में आते हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि बैक्टीरिया टेट्रासाइक्लिन और बीटा-लैक्टम्स के खिलाफ प्रतिरोधी जीन साझा करने में मैक्रोलाइड्स की तुलना में कहीं अधिक सक्षम हैं। खतरों की पहचान के अलावा, शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि देश में वेस्टवाटर आधारित पैथोजन सर्विलांस को अधिक व्यापक रूप से अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक व्यावहारिक मार्ग भी प्रस्तुत किया है।

डेंटल काउंसिल की जगह बना नया राष्ट्रीय आयोग

बीडीएस छात्रों के लिए लागू होंगे नए नियम

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया की जगह डेंटल कमीशन ऑफ इंडिया (डीसीआई) का गठन किया है। इसके साथ ही दंत चिकित्सा शिक्षा में बड़े बदलाव लागू होंगे और बीडीएस छात्रों के लिए नए नियम तय किए गए हैं। राष्ट्रीय दंत आयोग अधिनियम 2023 के तहत अब अंतिम वर्ष के छात्रों को एक समान राष्ट्रीय निकास परीक्षा देनी होगी, जो प्रैक्टिस लाइसेंस और एमडीएस में प्रवेश दोनों के लिए अनिवार्य होगी। इसके अलावा, निजी डेंटल कॉलेजों में 50 प्रतिशत सीटों की फीस नियंत्रित करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे छात्रों को राहत मिल सकती है। एक राष्ट्रीय डिजिटल रजिस्टर भी बनाया जाएगा, जिससे डॉक्टर आसानी से दूसरे राज्यों में प्रैक्टिस कर सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत राज्य दंत परिषदों का पुनर्गठन एक वर्ष के भीतर करना होगा। शिकायतों के निपटारे के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपील प्रणाली भी शुरू की जाएगी।

साइबर ठगी का नया तरीका

बिना ओटीपी और अलर्ट के बैंक खाते से 40 लाख पार

पुप्पलागुडा के व्यक्ति के साथ हुई धोखाधड़ी, जांच में जुटी साइबर सेल

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध के एक सनसनीखेज और संदिग्ध मामले में पुप्पलागुडा निवासी 57 वर्षीय बी. अच्युता राव के बैंक खाते से कथित तौर पर 40 लाख रुपये गायब होने का मामला सामने आया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस भारी-भरकम लेनदेन के दौरान पीड़ित को न तो कोई ओटीपी प्राप्त हुआ, न ही कोई फोन कॉल या एसएमएस अलर्ट मिला। पीड़ित का एक प्रमुख निजी बैंक की रायदुर्गम शाखा में खाता है। जानकारी के अनुसार, ये अनधिकृत लेनदेन 23 से 27 जनवरी के बीच किए गए, जिनकी भनक पीड़ित को काफी बाद में लगी।

अच्युता राव ने बताया कि जिस अवधि में पैसे निकाले गए, उस दौरान उनका मोबाइल फोन पूरी तरह सक्रिय था, लेकिन बैंक की ओर से प्रमाणीकरण का कोई भी संदेश नहीं आया। धोखाधड़ी का पता चलते ही उन्होंने तुरंत साइबरबाद साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क कर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस इस बात से चिंतित है कि बिना किसी डिजिटल पदचिह्न या अलर्ट के इतनी बड़ी राशि कैसे निकाल ली गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक संदेह जताया जा रहा है कि अपराधियों ने सिम क्लोनिंग, मैलवेयर या बैंकिंग क्रेडेंशियल्स तक अनधिकृत पहुंच जैसी किसी उन्नत और जटिल तकनीक का इस्तेमाल किया होगा। साइबर विशेषज्ञों की एक टीम ट्रांजेक्शन ट्रेल का पता लगा रही है ताकि यह समझा जा सके कि सुरक्षा घेरे को कैसे तोड़ा गया। पुलिस ने लोगों को नियमित रूप से अपने बैंक स्टेटमेंट चेक करने और मोबाइल की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की सलाह दी है।

सब्जी कचरे से बन रही बायोगैस एलपीजी का बन रहा विकल्प

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के सब्जी बाजारों में जैविक कचरे से बायोगैस बनाने की पहल एलपीजी संकट के बीच एक प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आई है। बोवेनपल्ली और गुडिमल्कापुर मंडियों में स्थापित संयंत्र कचरे से बिजली और जैव ईंधन तैयार कर रहे हैं। बोवेनपल्ली मंडी में 2021 में शुरू संयंत्र प्रतिदिन करीब 500 यूनिट बिजली और 30 किलोग्राम बायोगैस बना रहा है, जिसका उपयोग स्ट्रीट लाइट, दुकानों और कैंटीन में हो रहा है। वहीं गुडिमल्कापुर संयंत्र से भी बिजली और जैविक खाद का उत्पादन किया जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा विकसित इस तकनीक को प्रधानमंत्री द्वारा भी सराहा जा चुका है। यह पहल न केवल कचरा प्रबंधन में सहायक है, बल्कि सस्ती ऊर्जा का विकल्प भी बन रही है।

5 खिलाड़ी जो सैम करन को रिप्लेस कर सकते हैं :

राजस्थान रॉयल्स के पास एक से बढ़कर एक ऑप्शन

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। वह राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे। करन सीएसके से ट्रेड होकर रविंद्र जडेजा के साथ राजस्थान पहुंचे थे।

ग्रोइन इंजरी की वजह से करन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। राजस्थान रॉयल्स को जल्द से जल्द उनका रिप्लेसमेंट चाहिए। हम आपको 5 खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जो सैम करन की जगह राजस्थान रॉयल्स में ले सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के सीन एबॉट भी सैम करन की जगह लेने के अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उनके पास 208 टी-20 मैचों का अनुभव है। एबॉट 269 विकेट ले चुके हैं। वह निचले क्रम पर विस्फोटक बैटिंग कर सकते हैं। एबॉट के नाम टी-20 में शतक भी है। साउथ अफ्रीका के वियान मुल्डर को ऑक्शन में किसी ने नहीं खरीदा था। उनके नाम टी-20 क्रिकेट में 2334 रन के साथ ही 78 विकेट भी हैं। वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक मैच भी खेल चुके हैं।

राजस्थान रॉयल्स की टीम न्यूजीलैंड के डैरेल मिचेल पर भी दांव खेल सकती है। वह पहले भी इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं। वह स्पिन गेंदबाजी के साथ ही पेस बॉलर की शानदार बल्लेबाज हैं। किसी भी नंबर पर मिचेल बैटिंग कर सकते हैं। सैम करन के भाई टॉम करन भी उनकी जगह ले सकते हैं। टॉम तेज गेंदबाजी के साथ ही निचले क्रम में छक्के-चौके मार सकते हैं। 258 टी-20 मैचों में टॉम के नाम 2456 रन के साथ ही 271 विकेट हैं। उनके पास दुनिया भर की लीग में खेलने का अनुभव है।

श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका के पास टी-20 क्रिकेट का काफी अनुभव है। उन्होंने 283 मैचों में 5000 सन ज्यादा रन बनाने के साथ ही 111 विकेट भी ले चुके हैं। टी-20 विश्व कप 2026 के अपने आखिरी मैच में पाकिस्तान के खिलाफ शनाका ने 31 गेंद पर 76 रन ठोके थे।

पटाखों से भरे ट्रक में लगी आग, धमाकों से मचा हड़कंप

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम क्षेत्र में शनिवार को पटाखों से लदे एक ट्रक में आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, बेंगलुरु से हैदराबाद आ रहा ट्रक उच्च तनाव बिजली तार के संपर्क में आ गया, जिससे अचानक आग लग गई। इसके बाद ट्रक में रखे पटाखे एक के बाद एक फटने लगे, जिससे तेज धमाके सुनाई दिए और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। चालक और सहायक समय रहते वाहन से बाहर निकलकर सुरक्षित बच गए, लेकिन ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सम्राट अशोक जयंती समारोह आज

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। काची कुशवाहा (राजपूत) समाज, हैदराबाद द्वारा सम्राट अशोक जयंती के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रविवार, 22 मार्च को प्रातः 9:30 बजे आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन एचएमटी हिंदू मंदिर, टाउनशिप, चिंतल में किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं नागरिकों की उपस्थिति रहेगी।

समाज के जनालाल एवं बी. मोहन सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महान सम्राट अशोक के आदर्शों शांति, मानवता, धर्म एवं न्याय को समाज में प्रसारित करना है। ताकि आने वाली पीढी उनके आदर्शों पर चल कर अपना भविष्य सफल बनाएं। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभी से कार्यक्रम में उपस्थित होकर उसे सफल बनाने की अपील की है।

घटकेसर स्थित परिहारियां परिवार महिला मंडल द्वारा आयोजित गणगौर पूजन, कलश-यात्रा कार्यक्रम में उपस्थित भालीदेवी, कांतादेवी, प्रियंकादेवी परिहारियां, मंजूदेवी, लीलादेवी, पिंकुदेवी, सुमनदेवी, रेखादेवी, विद्यादेवी, प्रेमदेवी, दरियादेवी, दुर्गादेवी, चम्पादेवी, शालूसिंह, किरन कंवर सोलंकी व अन्य।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं. CAT-Premium-02

(1) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-DVD-PS-106-26-2 (Misc-Static-Services-Premium Stores)

विवरण : दुव्वाडा (DVD) रेलवे स्टेशन पर 8*6 मीटर क्षेत्र के साथ स्टॉल नं. 1 पर आइस क्रीम एवं पेय के लिए प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट की संस्थापन एवं परिचालन।

(2) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-DVD-PS-110-26-2 (Misc-Static-Services-Premium Stores)

विवरण : दुव्वाडा (DVD) रेलवे स्टेशन पर 8*6 मीटर क्षेत्र के साथ स्टॉल नं. 3 पर ब्रेकफास्ट/टिफिन आउटलेट के लिए प्रीमियम कैटरिंग ब्रांड की संस्थापन एवं परिचालन।

(3) लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-DVD-PS-108-26-2 (Misc-Static-Services-Premium Stores)

विवरण : दुव्वाडा (DVD) रेलवे स्टेशन पर 8*6 मीटर क्षेत्र के साथ स्टॉल नं. 2 पर शीघ्र प्रस्तुत होने वाले खाद्य पदार्थ या फास्ट फूड आउटलेट (उदाहरण: पिज्जा, बर्गर, फ्राइड चिकन, नूडल्स आदि) के लिए प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट की संस्थापन एवं परिचालन।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 30.03.2026 को 1100 बजे (सभी क्रम सं. हेतु)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 30.03.2026 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु) एवं 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु)।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-1253/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'कोहली से मुझे जलन है'

अश्विन का हैरान करने वाला बयान

चेन्नई, 21 मार्च (एजेंसियां)। आर अश्विन ने आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले के लिए आरसीबी की प्लेइंग 11 का चयन किया। आरसीबी अपना पहला मैच 28 मार्च को हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। इस मैच के लिए उन्होंने अपनी प्लेइंग इलेवन में वेंकटेश अय्यर और देवदत्त पडीक्कल में से किसी को जगह नहीं दी।

अश्विन ने आरसीबी की प्लेइंग 11 का चयन अपने यूट्यूब चैनल पर किया और इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे विराट कोहल से जलन है। इसका उन्होंने कारण भी बताया साथ ही साथ उन्होंने ये भी बताया कि इस सीजन में आरसीबी की तरफ से सबसे ज्यादा रन कौन बनाएगा और सबसे ज्यादा विकेट लेने में कौन सफल रहेगा। अश्विन ने कहा कि कोहली सबसे ज्यादा रन बनाएंगे जबकि सुयश शर्मा सबसे ज्यादा विकेट लेंगे।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर विराट कोहली के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे उनसे जलन है। उन्होंने आगे कहा कि कोहली से मुझे जलन इसलिए है कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता और फिर टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो गया। इसके बाद उसने चैंपियंस ट्रॉफी टाइटल जीता, अभी उनका जो वनडे वर्ल्ड कप का सपना है उसके पीछे भाग रहा है। उन्होंने टेस्ट से रिटायर ले लिया जिसमें वो कुछ दिन और खेल सकते थे और ऐसा सभी फील करते हैं। अश्विन ने आगे कहा कि मैंने विराट से कहा कि उनमें टेस्ट क्रिकेट अभी बाकी है, लेकिन अब वो रिटायर हो चुके हैं और वो वापस आने के बारे में नहीं सोच सकते। कोहली ने टीम को हमेशा पहले रखा, लेकिन मुझे ऐसा लगता था कि उनमें अभी कुछ क्रिकेट बाकी है। मेरे लिए कोहली एक ऐसी पोजिशन में हैं जहां शांति और आशीर्वाद है। उन्होंने कई टूर्नामेंट्स जीते हैं और पिछले साल आईपीएल भी जीत गया। अब सिर्फ वनडे वर्ल्ड कप बाकी है जहां वो खुल्ला-खुल्ला खेल सकते हैं।

अश्विन ने कहा कि विराट ओपन माइंडसेट के साथ आएगा तो वो आईपीएल 2016 की तरह से खेल सकता है, लेकिन यहां पर एज एक फैक्टर हो सकता है। हालांकि वो उस तरह से खेल सकते हैं अगर वो फ्री होकर खेलने जाएं। अगर कुछ भी नहीं हुआ और उन्होंने 300 रन 170 की स्ट्राइक रेट से बना दिए तो भी आरसीबी के लिए अच्छा है। विराट अभी इस पोजिशन में हैं कि वो कुछ भी कर सकते हैं और इसलिए मैंने कहा था कि मुझे कोहली से जलन है।

आकाश दीप आईपीएल 2026 से बाहर

केकेआर के पेसर इंजरी के कारण नहीं खेलेंगे; मेगा ऑक्शन में एक करोड़ में खरीदा था

कोलकाता, 21 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2026 से पहले एक और झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। शनिवार को क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की।

29 साल के बंगाल के इस गेंदबाज को पिछले साल अबू धाबी में हुए मेगा ऑक्शन में 1 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर टीम ने खरीदा था। हालांकि, वह अब तक टीम कैंप से नहीं जुड़े हैं।

आकाश दीप बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं। उनकी चोट किस तरह की है, यह साफ नहीं हो सका है, लेकिन मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी के बीच इसको लेकर बातचीत हुई है।

हर्षित राणा भी बाहर हुए

केकेआर के लिए यह चिंता बढ़ाने वाली खबर है, क्योंकि इससे पहले हर्षित राणा और मथीशा पथिराना को लेकर भी टीम को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से क्लियरेंस मिलना बाकी है।

टीम ने 18 मार्च से कोलकाता में कैंप शुरू किया है, लेकिन आकाश दीप इसमें शामिल नहीं हो पाए।

केकेआर को पथिराना के फिट होने की उम्मीद

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं।

हालांकि केकेआर उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे आईपीएल के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं।

केकेआर ने मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने केकेआरजर्सी में उनकी तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद बढ़ गई है।

केकेआर ने रहमान की जगह मुजरबानी को चुना

13 मार्च को केकेआर ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में साइन किया है। रहमान को बीसीसीआई के निर्देश के बाद फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था।

डोप टेस्ट फेल होने पर स्नेहा कोल्लेरी पर कार्रवाई

एआईयू ने तीन साल के लिए किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय महिला धाविका स्नेहा कोल्लेरी को डोपिंग उल्लंघन के मामले में तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह फैसला एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने सुनाया है, जिसने उनके दूषित सप्लीमेंट के दावे को खारिज कर दिया। 26 वर्षीय कोच्चि की रहने वाली स्नेहा को पिछले साल एशियन चैंपियनशिप टीम से बाहर कर दिया गया था, जब उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव आया। 10 मई को चीन के ग्वांगझोउ में प्रतियोगिता के दौरान लिए गए सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरॉयड स्टैनोजोलोल पाया गया। जांच में स्टैनोजोलोल मेटाबोलाइट की पुष्टि हुई, जो विश्व एंटी-डोपिंग नियमों के तहत पूरी तरह प्रतिबंधित है।

दिलचस्प बात यह रही कि पहले किए गए टेस्ट नेगेटिव थे। लेकिन चंडीगढ़ में लिए गए पुराने सैंपल की दोबारा जांच में भी स्टैनोजोलोल पाया गया। इससे एआईयू ने उनके खिलाफ दूसरा डोपिंग चार्ज भी जोड़ दिया। स्नेहा ने दावा किया कि उन्होंने मसलटेक नाइट्रोटेक 100% वे गोल्ड प्रोटीन नाम का सप्लीमेंट लिया था। उनके अनुसार यह सप्लीमेंट दूषित था और उसी में प्रतिबंधित पदार्थ मिला हुआ था। उन्होंने एक लैब रिपोर्ट भी दी, जिसमें सप्लीमेंट में स्टैनोजोलोल होने की बात कही गई।

एआईयू ने स्वतंत्र वैज्ञानिक विशेषज्ञ प्रो. मार्शियल सॉगी से जांच करवाई। एआईयू द्वारा मंगाए गए उसी सप्लीमेंट के सीलबंद पैक में कोई प्रतिबंधित पदार्थ नहीं मिला। वैज्ञानिक जांच में स्नेहा का दावा गलत पाया गया। इसके बाद एआईयू ने निष्कर्ष निकाला कि यह दूषित सप्लीमेंट का मामला नहीं है। एथलीट ने एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन किया है। सामान्यतः ऐसी स्थिति में 4 साल का बैन होता है। लेकिन स्नेहा ने 3 मार्च 2026 को उल्लंघन स्वीकार कर लिया। इसलिए एआईयू ने सजा घटाकर 3 साल कर दी।

तन्वी शर्मा ऑरलियन्स मास्टर्स के सेमीफाइनल में

छठी वरीयता निदैरा को एकतरफा अंदाज में हराया

ऑरलियन्स, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारत की तन्वी शर्मा ने जापान की छठी वरीयता प्राप्त नात्सुकी निदैरा को सीधे गेम में हराकर ऑरलियन्स मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता इस 17 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने महिला एकल क्वार्टर फाइनल में 43 मिनट में 21-14, 21-14 से जीत दर्ज की।

तन्वी का अगला मुकाबला जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा और वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के लियो कार्नांडो और बगास मौलाना ने हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन के अभियान को 21-12, 22-20 की जीत के साथ समाप्त कर दिया।

क्या आईपीएल 2026 से पहले चोटिल हुए एमएस धोनी?

ट्रेनिंग के बाद लंगड़ाते नजर आए

गुवाहाटी, 21 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की शुरुआत में अब एक हफ्ते का समय बचा हुआ है. टीमों ने इस बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं. इस टूर्नामेंट का पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा. फैंस मुख्य रूप से चेन्नई सुपर किंग्स के मैच के लिए उत्साहित हैं, क्योंकि लगभग एक साल बाद महेंद्र सिंह धोनी दोबारा एक्शन में नजर आएंगे. हालांकि, टूर्नामेंट शुरू होने से पहले एक वीडियो सामने आ रहा है, जिसमें एमएस धोनी लंगड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं.

क्या एमएस धोनी हैं चोटिल?

2023 के सीजन से ही एमएस धोनी घुटने की समस्या से परेशान हैं लेकिन वो आईपीएल लगातार खेल रहे हैं. वो विकेटकीपिंग भी कर रहे हैं. 2023 में एमएस धोनी ने घुटने की सर्जरी भी कराई थी. धोनी अब चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी नहीं करते हैं और ऋतुराज गायकवाड़ के पास ये बड़ी जिम्मेदारी है. हाल ही में प्रैक्टिस सेशन के बाद का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एमएस धोनी लंगड़ाते हुए चल रहे थे. साफ तौर पर नजर आ रहा था कि उनके पैर में थोड़ी समस्या थी. फैंस को इस बात की चिंता है कि कहीं धोनी चोटिल न हों, वरना फैंस को उन्हें दोबारा टीवी पर देखने के लिए इंतजार करना पड़ेगा.

एमएस धोनी अगर पूरी तरह फिट नहीं हैं और लंगड़ा रहे हैं, तो फिर शायद आईपीएल 2026 में वो कीपिंग करते हुए नजर नहीं आएं. चेन्नई सुपर किंग्स ने संजू सैमसन को अपने स्क्वाड में शामिल किया है. एमएस अगर फिट नहीं हैं, तो वो संजू सैमसन को कीपिंग करने की जिम्मेदारी सौंप सकते हैं. पिछले साल रोहित शर्मा ने कुछ मैच बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेले थे.

मैच खत्म करने में धुरंधर, किस टीम के पास कौन सा बड़ा फिनिशर?

मुंबई, 21 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट में खेल शुरू करने वाला ओपनर कहलाता है और जो उसे खत्म करता है, वो होता है फिनिशर. आईपीएल 2026 में 31 खिलाड़ी ऐसे हैं जो मैच खत्म करने में धुरंधर हैं. यानी, जिन्हें आप मैच फिनिशर कह सकते हैं. ये 31 फिनिशर आईपीएल की 10 टीमों में बंटे हैं. अब सवाल है कि किस टीम के पास कौन सा बड़ा फिनिशर है? किस टीम में कितने फिनिशर हैं? आइए एक-एक सभी 10 टीमों को टटोलते हैं और जानते हैं कि कौन मैच खत्म करने वाले खिलाड़ियों की कितनी क्षमता लिए बैठा है.

एमआई -सीएसके के फिनिशर कौन?

मुंबई इंडियंस आईपीएल की सबसे सफल टीम है. आईपीएल 2026 के लिए इस टीम के हार्दिक पंड्या, नमन धीर और विल जैक्स जैसे 3 बड़े फिनिशर हैं.

आरसीबी, डीसी और एसआरएच के फिनिशर

आईपीएल की डिफेंडिंग चैंपियन है आरसीबी, जिसके पास लीग के 19वें सीजन के लिए टिम डेविड, जितेश शर्मा और रोमारियो शेफर्ड जैसे 3 बड़े फिनिशर हैं.

दिल्ली कैपिटल्स ने भले ही अब तक आईपीएल की ट्रॉफी ना उठाई हो लेकिन आईपीएल 2026 के लिए उसके पास भी 3 गजब के फिनिशर हैं. दिल्ली कैपिटल्स के पास डेविड मिलर, समीर रिज्वी और आशुतोष शर्मा जैसे मैच खत्म करने वाले धुरंधर हैं. सनराइजर्स हैदराबाद के पास फिनिशर के तौर पर आईपीएल 2026 में एक नया नाम लायम लिविंगस्टन का जुड़ा है. इनके अलावा हेनरिक क्लासेन और अनिकेत वर्मा के तौर पर उसके पास मैच खत्म करने वाले दो खिलाड़ी पहले से हैं.

जीटी, एलएसजी और आरआर में कौन से फिनिशर?

गुजरात टाइटंस के पास भी 3 तगड़े फिनिशर आईपीएल 2026 के लिए हैं, जिनमें जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया और ग्लेन फिलिप्स का नाम शामिल है.

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मैच फिनिश करते आईपीएल 2026 में निकोलस पूरन, आयुष बडोनी और अब्दुल समद दिखेंगे.

राजस्थान रॉयल्स के पास भी मैच फिनिशरों की कमी नहीं है. इस टीम के पास अगर वैभव सूर्यवंशी जैसा धाकड़ ओपनर है तो मैच खत्म करने वाली तिकड़ी भी है. आरआर के फिनिशर में शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे और डोनोवन फरेरा का नाम शामिल है.

केकेआर और पीबीकेएस में मैच खत्म करने वाले ये खिलाड़ी

कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2026 में मैच फिनिशर आंद्रे रसेल की सेवाएं नहीं मिलेंगी. मगर इस टीम के पास फिर भी रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह और रिकार्डो पावेल का नाम है.

पंजाब किंग्स के पास भी 3 बेहतरीन फिनिशर हैं, जिनमें शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और मार्को यानसन का नाम शामिल हैं.

केकेआर ने जिसे खरीदा फिर छोड़ दिया

उसने टी20 लीग में 14 छक्के के साथ ठोके 193 रन, बनाया बड़ा रिकॉर्ड

सुरत, 21 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का आगाज होने जा रहा है. लेकिन, उससे पहले 22 साल के उस खिलाड़ी का एक टी20 टूर्नामेंट में धमाका देखने को मिला है, जिसे केकेआर ने 20 लाख रुपये में खरीदा था. केकेआर ने उस खिलाड़ी को रिप्लेसमेंट के तौर पर खुद से जोड़ा था. हालांकि, अगले सीजन से पहले केकेआर से रिलीज भी हो गया. अब केकेआर ने जिसे खरीदा फिर छोड़ा, उस बल्लेबाज के बल्ले में कितनी आग रही, वो सूरत क्रिकेट लीग 2026 में खेले मुकाबले में देखने को मिली. हम बात कर रहे हैं 22 साल के विस्फोटक ओपनर आर्या देसाई की.

ओपनिंग पर उतरे आर्या देसाई आखिर तक नाबाद रहे और 81 गेंदों का सामना करते हुए 238.27 की स्ट्राइक रेट के साथ 193 रन ठोके. उनकी इस विस्फोटक पारी में 14 छक्के और 21 चौके शामिल रहे. इसी के साथ आर्या देसाई एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया. वो अब किसी भी आधिकारिक मान्यता प्राप्त T20 लीग में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए.

टीम इंडिया 9 महीनों में 2 बार जाएगी साउथ अफ्रीका

66 साल बाद खेला जाएगा ऐतिहासिक मैच

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी भारतीय महिला क्रिकेट टीम आने वाले महीनों में बेहद व्यस्त होने वाली है. हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटी हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम इंडिया इस साल कुछ बड़ी सीरीज के लिए विदेशी दौरे करने वाली है. इसमें सबसे खास होने वाला है साउथ अफ्रीका का दौरा, जहां टीम इंडिया 9 महीनों के अंदर 2 बार जाएगी. इसमें 60 साल बाद एक ऐतिहासिक टेस्ट मैच भी खेला जाएगा. इस तरह दो दौरों में टीम इंडिया तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलेगी.

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपने होम सीजन का ऐलान किया, जिसमें टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली सीरीज का शेड्यूल जारी किया गया. इसमें टीम इंडिया का दौरा बहुत खास है क्योंकि इस साल ये दूसरी बार होगा, जब भारतीय महिला टीम किसी सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका जाएगी. दोनों टीमों के बीच अप्रैल में 5 मैच की टी20 सीरीज होने वाली है, जिसका ऐलान काफी पहले हो चुका था.

इसके बाद भारतीय टीम साल के अंत में दोबारा साउथ अफ्रीका जाएगी. सिएसए की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम दिसंबर में वहां पहुंचेगी और 3 मैच की वनडे सीरीज खेलेगी. इस सीरीज के मुकाबले 9 दिसंबर (पोचेफस्ट्रम), 12 दिसंबर (ब्लोमफोंटेन) और 15 दिसंबर (केपटाउन) को खेले जाएंगे.

इसके बाद दोनों टीम के बीच 20 से 23 दिसंबर तक इकलौता टेस्ट मैच खेला जाएगा, जो बेहद ऐतिहासिक होगा. ये मुकाबला गबेरखा (पोर्ट एलिजाबेथ) में खेला जाएगा. इस मैदान पर पूरे 66 साल बाद महिलाओं का टेस्ट मैच आयोजित होगा. इससे पहले 1960 में साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच यहां एक टेस्ट मैच खेला गया था. इन दो दौरों के बीच में टीम इंडिया मई के अंत में इंग्लैंड दौरे पर भी जाएगी, जहां वो जुलाई तक रहेगी. इस दौरान पहले टीम इंडिया वहां इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैच की टी20 सीरीज खेलेगी, जिसके बाद जून में इंग्लैंड में ही टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा. इसके बाद जुलाई में भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स स्टेडियम में एक टेस्ट मैच भी खेला जाएगा. ये पहला ही मौका होगा, जब ये दोनों टीम लॉर्ड्स में किसी टेस्ट मैच में टकराएंगी.

फुटबॉल की वैश्विक संस्था ने इस्राइल पर लगाया जुर्माना

मैक्सिको में नहीं होंगे ईरान के विश्वकप मैच

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा ने भेदभाव विरोधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए इस्राइल फुटबाल महासंघ पर जुर्माना लगाया है। लेकिन वेस्ट बैंक की बस्तियों में स्थित क्लबों को अनुमति देने के लिए इस्राइल को वैश्विक फुटबाल से निलंबित करने के फलस्तीन के अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की है। वहीं, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ईरान के विश्व कप मैचों को अमेरिका से मैक्सिको में स्थानांतरित करने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है।

इन्फेंटिनो ने कहा कि फीफा चाहता है कि टूर्नामेंट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़े। फीफा ने इस दौरान फलस्तीनी फुटबाल महासंघ की दो अलग याचिकाओं पर विचार किया। फीफा ने इस्राइल फुटबाल संघ पर भेदभाव और नस्लीय दुर्व्यवहार के साथ अपमानजनक व्यवहार और निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों के उल्लंघन से संबंधित अनुशासनात्मक आरोपों के लिए 190,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 18 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया। फीफा ने फलस्तीनियों के बहिष्कार के लिए जिम्मेदार ठहराया।

ईरान की सरकार ने कहा था कि वह विश्व कप का बहिष्कार नहीं करना चाहती, लेकिन 28 फरवरी से इस्त्राइल और अमेरिका की ओर से किए गए सैन्य हमलों के कारण राष्ट्रीय टीम का अमेरिका आना संभव नहीं है। टीम को इंगलेवुड स्थित लॉस एंजिलिस रैम्स स्टेडियम में दो मैच और सिएटल में एक मैच खेलना है। इन्फेंटिनो ने कहा, 'हमारे पास एक कार्यक्रम है और हम चाहते हैं कि फीफा विश्वकप निर्धारित समय पर हो।' द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक अराजकता के बीच ब्राजील में आयोजित 13 टीमों के विश्व कप के बाद से किसी भी टीम ने विश्व कप में प्रवेश से इन्कार नहीं किया है।

टी20आई में 15 साल की खिलाड़ी ने रचा इतिहास

डेब्यू मैच में ही शतक ठोक तोड़ डाले 2 वर्ल्ड रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 21 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक सपने के सच होने जैसा होता है और हर खिलाड़ी की कोशिश रहती है कि वह इस खास पल को हमेशा के लिए यादगार बना दे. क्रिकेट के इतिहास में कई खिलाड़ियों ने अपने डेब्यू मैच में ही कमाल कर सबको चौंकाया है. ऐसा ही कुछ रवांडा की 15 साल की खिलाड़ी फैनी उटागुशिमानिंदे ने किया है, जिसे सालों तक याद रखा जाएगा.

उटागुशिमानिंदे ने अपने डेब्यू मैच में ही शतक ठोक कर दो वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ अपने नाम कर लिए और इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करवा लिया.. इससे पहले महिला क्रिकेट में कोई भी खिलाड़ी ऐसा कारनामा नहीं कर पाई थी.

टी20आई में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली खिलाड़ी

रवांडा महिला टीम की खिलाड़ी फैनी उटागुशिमानिंदे को नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टई20आई टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ डेब्यू का मौका मिला और उन्होंने आते ही धूम मचा दी. सिर्फ 15 साल 223 दिन की उम्र में उटागुशिमानिंदे ने 65 गेंदों पर 17 चौकों की मदद से 111 रन ठोक दिए. उनकी इस पारी की बदौलत टीम ने 20 ओवर में 210 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया. इस धमाकेदार पारी के साथ उन्होंने एक नहीं, बल्कि दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिए.

उटागुशिमानिंदे अब महिला और पुरुष दोनों टी20 इंटरनेशनल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड फ्रांस के गुस्ताव मैककॉन के के नाम था, जिन्होंने 18 साल 280 दिन की उम्र में सेंचुरी लगाई थी.

डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड

इस धमाकेदार पारी के साथ ही फैनी उटागुशिमानिंदे ने महिला टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी (111 रन) खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. इससे पहले ये रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व खिलाड़ी कैरेन रोल्टन के नाम था, जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ 96* रन बनाए थे. इतना ही नहीं, उटागुशिमानिंदे महिला टी20आई इतिहास की पहली खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने अपने डेब्यू मैच में ही शतक जड़ दिया.

ईद-उल-फितर पर मीर आलम ईदगाह में अदा की गई विशेष नमाज

सीपी सज्जनार ने टीम के साथ संभाली सुरक्षा व्यवस्था

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईद-उल-फितर पर्व के अवसर पर शनिवार को हैदराबाद के मीर आलम ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकत्र होकर विशेष नमाज अदा की।

इस दौरान शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने स्वयं मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। नमाज के बाद उन्होंने बच्चों को चॉकलेट वितरित कर ईद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि सभी मुस्लिम भाई-बहन सुख, शांति और खुशहाली के साथ जीवन व्यतीत करें। रमजान माह के दौरान कहीं भी कोई अप्रिय घटना न होने और पूरे महीने के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की खरीदारी और नमाज के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पहले से ही सभी आवश्यक इंतज़ाम किए गए थे। सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने इस अवसर पर सहयोग करने वाले धर्मगुरुओं और विभिन्न सरकारी विभागों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में तफसीर इकबाल, (अतिरिक्त पुलिस आयुक्त - दक्षिण क्षेत्र), डी. जोएल डेविस, आईपीएस (संयुक्त पुलिस आयुक्त- यातायात), एन. श्वेता (संयुक्त पुलिस आयुक्त- उत्तर क्षेत्र), आर. वेंकटेश्वरलु, (डीसीपी सीएआर मुख्यालय), एस. श्रीनिवास, (डीसीपी-राजेंद्र नगर जोन), अविनाश कुमार (डीसीपी ट्रैफिक) सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आज पाम ऑयल फैक्ट्री का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी रविवार को सिद्धिपेट जिले के नंगुनूर मंडल के नरमेटा गांव में स्थापित ऑयल पाम फैक्ट्री का उद्घाटन करने वाले हैं। मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों को लेकर मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पोन्नम प्रभाकर और विवेक वेंकटस्वामी लगातार निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर, पुलिस आयुक्त और अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर कार्यक्रम के सुचारु संचालन के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान ऑयल पाम फैक्ट्री का उद्घाटन करने के साथ एक स्मारक पाइलन का अनावरण करेंगे। इसके बाद वे कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण करेंगे। साथ ही तेलंगाना की पहली ऑयल रिफाइनरी के लिए शिलान्यास भी करेंगे। मंत्रियों ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जनसभा में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने हेलीपैड, सभा स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, यातायात प्रबंधन, वाहन पार्किंग, बिजली, साउंड सिस्टम, अग्नि सुरक्षा, एंबुलेंस सेवाओं समेत सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के आदेश दिए हैं। इसी बीच, ऑयल पाम फैक्ट्री परिसर में पिछले तीन दिनों से किसान उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में किसान भाग ले रहे हैं।

इस्तीफा देने की अटकलों के बीच जीवन रेड्डी से मिले मंत्री

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी. जीवन रेड्डी के पार्टी से इस्तीफा देने की अटकलों के बीच मंत्री डी. श्रीधर बाबू और अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने उनसे मुलाकात की। टीपीसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के निर्देश पर मंत्रीगण, चोप्पडंडी विधायक मेदिपल्ली सत्यम और अन्य नेताओं के साथ शनिवार को जगतियाल स्थित जीवन रेड्डी के आवास पहुंचे। करीब एक घंटे चली इस बैठक में नेताओं ने जीवन रेड्डी को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए मनाने की कोशिश की। उन्होंने पार्टी में उनके 40 वर्षों के अनुभव और योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए भविष्य में उनकी भूमिका की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों पर भी चर्चा की गई और उन्हें पार्टी में सम्मानजनक स्थान देने का आश्वासन दिया गया। हालांकि, जीवन रेड्डी ने स्पष्ट किया कि उनका निर्णय फिलहाल यथावत है और वे रविवार को इस संबंध में विस्तृत जानकारी देंगे।

जल्दी तेलंगाना का दौरा कर सकते है प्रधानमंत्री

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना दौरे की संभावना जताई जा रही है, जो अगले 10 से 15 दिनों के भीतर हो सकता है। जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के प्रचार के सिलसिले में दक्षिण भारत का दौरा करेंगे और इसी दौरान तेलंगाना आने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया है। इस संभावित दौरे के दौरान प्रधानमंत्री कई विकास कार्यों का शुभारंभ कर सकते हैं, जिनमें बीबीनगर स्थित एम्स का उद्घाटन भी शामिल है। इसके अलावा भाजपा की ओर से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम चुनावों के मद्देनजर सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड्स में एक विशाल जनसभा आयोजित करने की योजना है। बताया जा रहा है कि राज्य नेतृत्व ने इस दौरे को लेकर स्थानीय नेताओं को पहले ही संकेत दे दिए हैं। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने भी सिकंदराबाद क्षेत्र के नेताओं के साथ बैठक बुलाई है, जिसमें जीएचएमसी चुनाव और प्रधानमंत्री का दौरा मुख्य एजेंडा रहेगा। माना जा रहा है कि इस दौरे से राज्य भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ेगा।

सिद्धिपेट विधानसभा क्षेत्र के साथ भेदभाव : हरीश राव

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता और विधायक हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर बीआरएस सरकार के दौरान शुरू किए गए विकास कार्यों का श्रेय लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान सरकार सिद्धिपेट विधानसभा क्षेत्र के साथ भेदभाव कर रही है और सभी विकास कार्यों को रोक दिया गया है। शनिवार को सिद्धिपेट स्थित अपने कैंप कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए हरीश राव ने एक खुला पत्र जारी कर कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में सिद्धिपेट के लिए कोई नया विकास कार्य स्वीकृत नहीं किया गया है और जो परियोजनाएं उद्घाटन के लिए लाई जा रही हैं, वे सभी बीआरएस सरकार के समय में स्वीकृत और पूर्ण की गई थीं। उन्होंने कहा, मेहनत हमारी है, लेकिन श्रेय रेवंत रेड्डी ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शिलापट्ट पर मुख्यमंत्री का नाम हो, लेकिन जनता हमेशा के. चंद्रशेखर राव को ही याद रखेगी। हरीश राव ने बताया कि नरमेटा में 300 करोड़ रुपये की लागत से बनी ऑयल पाम फैक्ट्री बीआरएस की पहल थी। इसके लिए 62 एकड़ भूमि टीजीआईआईसी के माध्यम से अधिग्रहित की गई, किसानों को ऑयल पाम की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया और पानी सहित बुनियादी ढांचा विकसित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि यह फैक्ट्री कलेश्वरम परियोजना के पानी पर निर्भर है, जिसकी पहले आलोचना की जाती थी। अब उसी परियोजना का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 1,070 करोड़ रुपये के विकास कार्य रद्द कर दिए गए और सिद्धिपेट में शुरू हुआ वेटरनरी कॉलेज प्रोजेक्ट कोडंगल स्थानांतरित कर दिया गया, जो राजनीतिक द्वेष का उदाहरण है।

हुक्का सेंटरों पर पुलिस की छापेमारी, 37 युवक हिरासत में

एलबी नगर व नागोल में कार्रवाई, उपकरण जब्त

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने एलबी नगर और नागोल क्षेत्रों में हुक्का सेंटरों पर छापेमारी कर 37 युवकों को हिरासत में लिया। यह कार्रवाई एसीपी कृष्णाया के नेतृत्व में शुक्रवार रात की गई। नागोल थाना क्षेत्र के साई नगर स्थित एक हुक्का सेंटर से 25 युवकों को पकड़ा गया और बड़ी मात्रा में हुक्का उपकरण जब्त किए गए। इसके बाद एलबी नगर में भी छापा मारकर 12 अन्य युवकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि सभी युवकों के रक्त नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। एसीपी ने चेतावनी दी कि अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन कर हुक्का सेंटर चलाने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

कपास के खेत में मिला नवजात, अधिकारियों ने बचाया

कुमराम भीम आसिफाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के वल्लागोंडा गांव के सीतानगर बस्ती के पास कपास के खेत में एक नवजात शिशु मिला, जिसे समय रहते बचा लिया गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस, आईसीडीएस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने नवजात को तुरंत कागजनगर के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि शिशु को संभवतः सामाजिक कारणों के चलते छोड़ दिया गया होगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही स्वास्थ्य और आईसीडीएस विभाग को नवजात की देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

यूट्यूबर वैष्णवी की हत्या के बाद परिवार का दर्द

रोज समाधि पर पहुंचकर कर रहे याद

जगतियाल, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोरुतला की यूट्यूबर वैष्णवी की हत्या के बाद उसका परिवार गहरे सदमे में है। परिजन अब भी उसकी मौत को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं और हर दिन उसकी समाधि पर जाकर उसे याद कर रहे हैं।

वे वहां फूल सजाते हैं और उसकी पसंद के खाने-पीने की चीजें अर्पित करते हैं। बताया जा रहा है कि 16 मार्च की रात वैष्णवी की कथित तौर पर उसके पति चिथारी हरिबाबू ने हत्या कर दी। उस समय वह चार महीने की गर्भवती थी। पुलिस को शक है कि इस घटना के पीछे दहेज उत्पीड़न का मामला हो सकता है।

पुलिस ने इस मामले में पति हरिबाबू, उसकी मां लक्ष्मी और भाइयों आनंद व अशोक को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जा चुका है और आगे की जांच जारी है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वैष्णवी का भाई उसकी समाधि के पास रोता हुआ दिखाई दे रहा है। यह दृश्य परिवार के गहरे दुख को दर्शाता है। स्थानीय लोग भी इस घटना से दुखी हैं और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना जता रहे हैं।

आईटी नौकरियों में गिरावट पर केटीआर का हमला

सरकार से पूछा-एआई या अक्षमता जिम्मेदार?

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आईटी मंत्री केटी रामाराव ने राज्य में आईटी नौकरियों में आई गिरावट को लेकर कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में आईटी सेक्टर की नौकरियां 2023 में 9.46 लाख से घटकर 2026 में 9.39 लाख रह गई हैं, जो चिंताजनक है। रामाराव ने कहा कि सरकार ने खुद इस गिरावट को राज्यपाल के अभिभाषण और बजट भाषण में स्वीकार किया है। उन्होंने सवाल किया कि यह गिरावट कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव से हुई या सरकार की अक्षमता के कारण। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान आईटी क्षेत्र में नौकरियां 2014 के 3.23 लाख से बढ़कर 2023 में 9 लाख से अधिक हो गई थीं। वहीं, पूर्व एमपीटीसी भरत रेड्डी ने भी कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि एक दशक की निरंतर वृद्धि अब गिरावट में बदल गई है, जो राज्य के लिए चिंता का विषय है।

करीमनगर टू टाउन के सब-इंस्पेक्टर ने भी आत्महत्या की

पत्नी दिव्या की चार दिन पहले हुई थी मौत

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर टू टाउन के सब-इंस्पेक्टर चंद्रशेखर ने शनिवार को करीमनगर ज़िले के जम्मीकुंटा मंडल के सीतम्पेता गाँव में अपनी सास के घर पर दुखद रूप से अपनी जान ले ली। यह घटना उनकी पत्नी दिव्या की मौत के ठीक चार दिन बाद हुई, जिन्होंने भी आत्महत्या की थी। रिपोर्टों से पता चलता है कि चंद्रशेखर का अपनी जान लेने का फ़ैसला अपनी पत्नी की मौत के गहरे दुख का नतीजा था, और दिव्या की मौत के हालात को लेकर बढ़ते शक ने इस स्थिति को और भी जटिल बना दिया था। उनका शव अब जम्मीकुंटा अस्पताल में भेज दिया गया है। सीतम्पेता की रहने वाली दिव्या ने 2016 में एसआई चंद्रशेखर से शादी की थी। मंगलवार, 17 मार्च को, उनके पति ने अपनी रोज़ की दिनचर्या का पालन करते हुए, अपने दो बच्चों को स्कूल छोड़ा और फिर अपनी ड्यूटी पर चले गए। उस सुबह उससे पहले, दिव्या ने पेट दर्द से परेशान होकर कनेर के फूलों और पत्तियों का मिश्रण खा लिया था। इसके बाद उन्होंने अपने माता-पिता से संपर्क करके उन्हें अपने इस कदम के बारे में बताया। उनके पति उन्हें तुरंत हैदराबाद के एक अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान दिव्या की मौत हो गई। दिव्या की मौत के बाद, उनके रिश्तेदारों ने कथित तौर पर चंद्रशेखर पर आरोप लगाए, और कहा कि उनकी आत्महत्या में चंद्रशेखर का हाथ है, और उन्होंने चंद्रशेखर का सामना करने की कोशिश भी की। गाँव वालों और रिश्तेदारों के विरोध के बीच, आखिरकार उनके माता-पिता ने दिव्या का अंतिम संस्कार किया। कहा जाता है कि चंद्रशेखर शनिवार को पाँचवें दिन की रस्म के लिए अपने ससुराल गए थे। जब वह अपने कमरे से बाहर नहीं निकले, तो उनके परिवार वालों को चिंता हुई। जाँच करने पर, उन्होंने पाया कि उन्होंने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उन्हें तुरंत जम्मीकुंटा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पूर्व प्रेमिका पर चाकू से हमला

शादी से नाराज युवक ने दिया वारदात को अंजाम

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर इलाके में एक युवक ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर चाकू से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि महिला के किसी और से शादी करने से नाराज होकर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी अली शाह उर्फ पांडू और पीड़िता पहले एक ही पीजी हॉस्टल में काम करते थे, जहां दोनों के बीच संबंध बने थे। बाद में महिला ने जनवरी में किसी अन्य व्यक्ति से शादी कर ली और रेड्डी कॉलोनी में रहने लगी। गुरुवार को आरोपी अपने पिता के साथ महिला के घर पहुंचा, जहां दोनों के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान उसने चाकू से हमला कर दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को इलाज के लिए गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी और उसके पिता को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रेम प्रसंग में असफल युवक ने की आत्महत्या

शादी का प्रस्ताव ठुकराए जाने से था आहत

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट थाना क्षेत्र के ओल्ड सफिलगुडा में एक 23 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार नरेश नामक युवक प्रेम प्रसंग में असफल होने के कारण मानसिक रूप से परेशान था। बताया गया कि वह अपनी प्रेमिका की मां द्वारा शादी का प्रस्ताव ठुकराए जाने से काफी दुखी था और इसी कारण उसने यह कदम उठाया। घटना के समय वह अपने कमरे में अकेला था, जबकि उसका दोस्त उगादी के लिए घर गया हुआ था। शुक्रवार रात जब उसका रूममेट वापस लौटा तो उसने नरेश को फांसी के फंदे से लटका पाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें युवक ने आत्महत्या का कारण लिखा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पालतू बिल्ली को लेकर विवाद एमबीबीएस छात्रा ने की आत्महत्या

परिवार में तनाव से परेशान होकर उठाया कदम

हैदराबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अलवाल क्षेत्र में एक 23 वर्षीय एमबीबीएस स्नातक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पालतू बिल्ली को घर लाने को लेकर मां-बेटी के बीच चल रहे विवाद के कारण वह मानसिक रूप से परेशान थी।

मृतका टी प्रिंसी उर्फ श्रेष्ठा हाल ही में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर पीजी प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी। वह रिसाला बाजार स्थित अपने घर में परिवार के साथ रहती थी। जानकारी के अनुसार, छोटी-छोटी बातों को लेकर उसकी मां से अक्सर कहासुनी होती रहती थी, जो हाल ही में बिल्ली को लेकर बढ़ गई थी। शुक्रवार शाम जब वह घर में अकेली थी, तब उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे लटका देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची अलवाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आत्महत्या के अन्य कारणों की भी जांच कर रही है।

फसल नुकसान से परेशान किसान ने दी जान

आदिलाबाद, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद ग्रामीण मंडल के अरली (बी) गांव में एक 58 वर्षीय किसान ने खेती में हुए भारी नुकसान से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मृतक थुदुम गणपति ने कीटनाशक का सेवन किया था, जिनकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, गणपति ने अपनी और पट्टे की जमीन मिलाकर करीब 15 एकड़ में सोयाबीन, कपास और ज्वार की खेती की थी, जिसमें करीब सात लाख रुपये का कर्ज लिया गया था। प्रतिकूल मौसम के कारण फसल खराब हो गई, जिससे वे मानसिक रूप से परेशान थे। बताया गया कि मंडी में अधिक नमी के कारण उनकी कपास भी अस्वीकार कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपनी फसल खरीदने की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं। घटना के बाद लोगों ने सरकार से संकटग्रस्त किसानों की मदद की मांग की है।

सीएम ने तिरुमला में 25 करोड़ की फूड लैब का उद्घाटन किया

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को मिलेगा बढ़ावा, होगी खाने की जांच

तिरुमला, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को तिरुमला में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के लिए देश की पहली मंदिर-निकट अत्याधुनिक फूड एनालिसिस लेबोरेटरी का उद्घाटन किया। 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस प्रयोगशाला में 50 से अधिक उन्नत उपकरण लगाए गए हैं, जो लाखों श्रद्धालुओं के लिए भोजन और पानी की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करेंगे।

12,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैली इस प्रयोगशाला में रासायनिक और सूक्ष्मजीव विश्लेषण के लिए अलग-अलग विंग बनाए गए हैं। इसे एफएसएसएआई और आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से विकसित किया गया है, जिसमें 25 करोड़ रुपये कोर लैब के लिए, 3.5 करोड़ रुपये ई-टंग/ई-नोज तकनीक के लिए और 1.1 करोड़ रुपये पावर सेटअप के लिए खर्च किए गए हैं। कुल क्षेत्रफल में 6,000-6,000 वर्ग फुट का उपयोग दोनों प्रकार के विश्लेषण के लिए किया जाएगा। इस लैब में जीसी-एमएस, एलसी-एमएस और आईसीपी-एमएस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर खाद्य पदार्थों और पानी में फैटी एसिड, कीटनाशक, वाष्पशील तत्व, मायकोटॉक्सिन, दवाएं, एडिटिव्स और भारी धातुओं की जांच की जाएगी।

इसके अलावा, श्रीवारी प्रसादम और अन्नप्रसादम के लिए उपयोग होने वाले कच्चे माल, जिसमें लड्डू भी शामिल हैं, की गुणवत्ता का परीक्षण किया जाएगा। यह प्रयोगशाला हर महीने लगभग 1,000 से 1,500 नमूनों की जांच करने में सक्षम होगी, जिससे मंदिर की व्यवस्थाओं में गुणवत्ता नियंत्रण और मजबूत होगा।

इस अवसर पर टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू, ईओ एम. रविचंद्र, अतिरिक्त ईओ च. वेंकैया चौधरी, बोर्ड सदस्य, एफएसएसएआई के कार्यकारी निदेशक पांडा, सीएफटीआरआई के निदेशक गिरिधर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

टीटीडी मंदिरों को वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र बनाने पर जोर दिया जाए : चंद्रबाबू

तिरुमला, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के अंतर्गत आने वाले मंदिरों को अत्याधुनिक आध्यात्मिक केंद्रों में बदलने का आह्वान किया, जहां परंपरा और तकनीक का समन्वय हो। एआई आधारित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) की समीक्षा करते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं की यात्रा को कतार से लेकर दर्शन तक सहज, सुरक्षित और बिना किसी असुविधा के बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अन्नदानम और प्राणदानम सेवाओं के विस्तार, श्रीवारी सेवा स्वयंसेवकों के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण और टीटीडी प्रणालियों को राष्ट्रीय मॉडल के रूप में अपनाने के निर्देश भी दिए। तिरुमला तेजी से एक तकनीक-आधारित आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, जहां इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर में एआई सक्षम 'गोविंदा' प्रणाली के जरिए भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालु सेवाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। यह प्रणाली श्रद्धालुओं की संख्या, प्रतीक्षा समय और क्षमता का पूर्वानुमान लगाती है, जिससे प्रतिदिन औसतन 73,000 भक्तों के आवागमन को सुचारु रूप से संभाला जा रहा है। विशेष रूप से वैकुंठ एकादशी के दौरान प्रतीक्षा समय में 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। अधिकारियों के अनुसार, रियल-टाइम डैशबोर्ड, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और डिजिटल मॉनिटरिंग तिरुमला को स्मार्ट मंदिर प्रबंधन का एक आदर्श बना रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदूषण मुक्त तिरुमला पर जोर दिया और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा सख्त पर्यावरण निगरानी की योजनाओं का उल्लेख किया। अधिकारियों द्वारा तिरुपति से आगे निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने पर भी विचार किया जा रहा है।

पुलिगंडाला में बर्ड वॉचिंग केबिन स्थापित

इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने की पहल

खम्मम, 21 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पुलिगंडाला में बर्ड वॉचिंग केबिन स्थापित किया गया है। कनकगिरी आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित यह स्थल अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है, जहां अब तक 65 पक्षी प्रजातियां चिन्हित की जा चुकी हैं। यह केबिन इस प्रकार बनाया गया है कि पर्यटक कांच की खिड़कियों से दूरबीन और कैमरों की मदद से पक्षियों को बिना किसी बाधा के देख सकें। अधिकारियों के अनुसार इससे प्रकृति प्रेमियों और शोधकर्ताओं को विशेष सुविधा मिलेगी। वन विभाग ने यहां फॉरेस्ट सफारी, ट्रेकिंग ट्रेल, व्यूप्वाइंट और कॉटेज जैसी सुविधाएं भी विकसित की हैं। रात्रि कैंपिंग की व्यवस्था भी की गई है। अधिकारियों ने लोगों से इस स्थल की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.